@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 10 जनवरी 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 67 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

लुटनिक की टिप्पणी पर विदेश मंत्रालय की खरी-खरी

'2025 में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच आठ बार हुई बात'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि 2025 में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच करीब आठ बार बात हुई। दोनों ही देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई और कई मौकों पर डील होने ही वाली थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग में इसकी जानकारी दी। मीडिया की ओर से अमेरिकी अधिकारियों और मंत्री हॉवर्ड लुटनिक की ओर से टैरिफ को लेकर दिए जा रहे बयान को लेकर सवाल पूछा गया था। सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा, 'हमने

इन टिप्पणियों को देखा है। भारत-अमेरिका पिछले साल 13 फरवरी से ही एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बात करने को प्रतिबद्ध हैं। तब से दोनों पक्षों ने एक संतुलित, पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापारिक समझौते पर पहुंचने पर बातचीत की। कई दौर की बातचीत की गई है और कई मौकों पर समझौतों के करीब पहुंचे हैं।'

टिप्पणियों को गैरजरूरी बताते हुए आगे कहा, 'रिपोर्ट की गई टिप्पणियों में इन चर्चाओं का जो विवरण दिया गया वो ठीक नहीं है। हम दो पूरक अर्थव्यवस्थाओं के बीच पारस्परिक लाभकारी व्यापार में रुचि रखते हैं और इसकी ही आशा करते हैं। संयोगवश प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ट्रंप ने 2025 में आठ मौकों पर फोन पर बात की है, जिसमें व्यापक साझेदारी पर दोनों नेताओं ने बात की है।' इसके साथ ही विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच दोस्ताना संबंध हैं और उन्होंने हमेशा राजनयिक नियमों के अनुसार एक-दूसरे को आपसी सम्मान के साथ संबोधित किया है।' दरअसल, अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने एक पॉडकास्ट में दावा किया था कि भारत और अमेरिका की डील होने वाली थी। सब कुछ तय हो गया था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को फोन नहीं किया और इसलिए डील नहीं हो सकी। उनके इस बयान को ही गैर जरूरी टिप्पणी करार दिया जा रहा है।

आई-पैक छापेमारी विवाद

कलकत्ता हाई कोर्ट ने ईडी की तत्काल सुनवाई की याचिका खारिज की

एजेंसी

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें गुरुवार को इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के कार्यालय और आई-पैक के सह-संस्थापक प्रतीक जैन के आवास पर एक साथ की गई छापेमारी और तलाशी अभियान से संबंधित विवाद के मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की गई थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई की याचिका लेकर ईडी ने संपर्क किया, क्योंकि दिन में पहले न्यायमूर्ति सुवा घोष की एकल-न्यायाधीश पीठ में सुनवाई शुरू होने के समय अदालत कक्ष में अत्यधिक भीड़ के कारण सुनवाई नहीं हो सकी थी। न्यायमूर्ति घोष के न्यायालय कक्ष से चले जाने के बाद, अगली सुनवाई की तारीख 14 जनवरी निर्धारित की गई। ईडी की तत्काल सुनवाई की याचिका को खारिज करते हुए, खंडपीठ ने कहा कि सुनवाई न्यायमूर्ति घोष की एकल-न्यायाधीश

पीठ द्वारा निर्धारित तिथि पर ही होगी। ईडी ने यह भी दलील दी थी कि अगर न्यायमूर्ति घोष की पीठ द्वारा 14 जनवरी से पहले तत्काल सुनवाई नहीं हो पाती है, तो इसे किसी अन्य एकल-न्यायाधीश पीठ को स्थानांतरित किया जा सकता है। इस दलील को भी खंडपीठ ने खारिज कर दिया। प्रारंभ में ईडी ने खंडपीठ के समक्ष मौखिक अपील की, जिसने केंद्रीय एजेंसी के वकील को इस मामले में लिखित अपील प्रस्तुत करने के लिए कहा। वकील द्वारा अपील दायर करने के बाद, खंडपीठ ने उस निवेदन को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा कि इस मामले में पहले ही न्यायिक आदेश पारित हो चुका है, इसलिए न्यायमूर्ति घोष की पीठ द्वारा तय किए गए अनुसार सुनवाई 14 जनवरी को होगी।

इस मामले में मुख्य याचिका ईडी की ओर से दायर की गई थी, जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गुरुवार को दोनों स्थानों पर की गई छापेमारी और तलाशी अभियानों के दौरान केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों के आधिकारिक कर्तव्यों में कथित रूप से बाधा उत्पन्न करके अपने संवैधानिक पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया था।

बिहार में 71 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

● कुंदन कृष्णन की एसटीएफ की कमान

एजेंसी

पटना। बिहार सरकार ने बड़े पैमाने पर आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। इसमें कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी भी शामिल हैं। सरकार ने कुल 71 अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। अधिसूचना के अनुसार प्रीता वर्मा को पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) के पद से हटाकर महानिदेशक सह अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम बनाया गया है। इसके साथ ही कुंदन कृष्णन, जो अब तक पुलिस मुख्यालय में एडीजी के पद पर थे, अब पुलिस महानिदेशक (अभियान) एवं पुलिस महानिदेशक, विशेष शाखा का जिम्मा संभालेंगे। वहीं, एडीजी सह निदेशक, बिहार पुलिस अकादमी के पद पर तैनात आर. मलर विजी को अब एडीजी, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (अतिरिक्त प्रभार) के रूप में सेवाएं

देने के लिए भेजा गया है। डॉ. अमित कुमार जैन को अब एडीजी, मद्य निषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो की जिम्मेदारी दी गई है। आईपीएस अधिकारी सुनील कुमार, जो अब तक स्पेशल ब्रांच में अपर पुलिस महानिदेशक के पद पर तैनात थे, उन्हें अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) की जिम्मेदारी दी गई है। साइबर क्राइम के डीआईजी संजय कुमार को अब आईजी, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि विवेकानंद को आईजी, पूर्णिया क्षेत्र के पद पर नियुक्त किया गया है। आनंद कुमार को डीआईजी, विधि-व्यवस्था, पटना और कुमार आशीष को कोसी क्षेत्र के डीआईजी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही कई जिलों के पुलिस अधीक्षकों को भी नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। विनय तिवारी को गोपालगंज का एसपी बनाया गया है, जबकि हृदयकांत को आतंकवाद विरोधी दस्ते का एसपी नियुक्त किया गया है। वहीं सुशील कुमार को गया का एसएसपी, अनंत कुमार को रेलवे एसपी बनाया गया है। प्रमोद कुमार यादव को भागलपुर के एसएसपी और विनीत कुमार को सारण के एसएसपी की जिम्मेदारी दी गई है।

सागर कुमार को पटना यातायात एसपी, पूरन कुमार झा को सिवान का एसपी, नवजोत सिमी को अरवल का एसपी और रामानंद कौशल को बगहा का एसपी बनाया गया है। वहीं अवधेश दीक्षित को लखीसराय के एसपी और शुभांक मिश्रा को शिवहर के एसपी की जिम्मेदारी दी गई है।

सिरमौर बस हादसे पर प्रधानमंत्री ने जताया दुख

मुआवजे की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में शुक्रवार को हुए बस हादसे में मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के निकटतम परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर जारी संदेश में कहा है कि सिरमौर जिले में बस दुर्घटना के कारण हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले

परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना है। मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी।

सेना दिवस परेड–2026, फुल ड्रेस रिहर्सल में हुआ सेना के साहस का जीवंत प्रदर्शन

एजेंसी

जयपुर । राजधानी जयपुर में आर्मी एरिया से बाहर पहली बार आयोजित हो रही सेना दिवस परेड-2026 को लेकर आमजन में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। जगतपुरा स्थित महल रोड पर शुक्रवार को आयोजित पहली फुल ड्रेस रिहर्सल मातृशक्ति को समर्पित रही, जिसमें हजारों की संख्या में महिलाओं ने सहभागिता कर भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अनुशासन का सजीव अनुभव किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर सामान्य प्रशासन, पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों

के अधिकारी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में निरंतर जुटे हुए हैं। उल्लेखनीय है कि 11 वे 13 जनवरी को दूसरी और तीसरी फुल ड्रेस रिहर्सल तथा 15 जनवरी को मुख्य परेड का आयोजन किया जाएगा। देश में दिल्ली से बाहर सेना दिवस परेड की मेजबानी करने वाला जयपुर, बैंगलूरू, लखनउ और पुणे के बाद चौथा शहर है। सेना दिवस परेड को जनभागीदारी से जोड़कर आमजन के बीच लाने का निर्णय राष्ट्रभक्ति, नागरिक-सैन्य समन्वय और युवा प्रेरणा का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा है। यह आयोजन सेना और समाज के बीच मजबूत भावनात्मक सेतु का निर्माण कर रहा है।

यूपी में बनेगा सेनाओं के लिए हथियार, गोला-बारूद और लड़ाकू जहाजों का सामान : राजनाथ सिंह

● भारत अब कमजोर नहीं है, हम अपने हथियार खुद बना रहे हैं : रक्षा मंत्री

एजेंसी

लखनऊ। देश की सेनाओं के लिए हथियार, गोला-बारूद और लड़ाकू जहाजों से जुड़ा सामान, अब उत्तर प्रदेश में बनेगा। लखनऊ में तो ब्रह्मोस की फैक्ट्री भी लगी है, जहां कम हुआ करता था। हम 1,000 करोड़ रुपये से भी कम के हथियार और साजो-सामान, दुनिया को बेच पाते थे, लेकिन आज वही बढ़कर रिकार्ड 24,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

ब्रह्मोस मिसाइल बनाई जा रही है। अब ये मिसाइल बाहर से बनकर नहीं आती, हमारे अपने देश में, हमारे अपने उत्तर प्रदेश में बनती है। भारत का रक्षा क्षेत्र, अब पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर होने की ओर बढ़ रहा है। भारत अब कमजोर नहीं है, हम अपने हथियार खुद बना रहे हैं। उत्तर प्रदेश में सरकार ने डिफेंस कॉरिडोर बनाया है। शुक्रवार को देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ में अशोक लीलैंड के नए ईवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय मंत्री (भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय) एचडी कुमार स्वामी और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक उपस्थित रहे। राजनाथ सिंह ने कहा कि 2014 में हम लोग भारत में सिर्फ 46,000 करोड़ रुपये के हथियार और साजो-सामान बना पाते थे। आज वहीं बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक हो चुका है। 2014 के समय भारत का जो रक्षा निर्यात है, वह बहुत

> "मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश पहचान का मोहताज और उपद्रव से ग्रसित था, लेकिन आज उत्सव का प्रदेश है। उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं, बल्कि इसने खुद को रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में स्थापित किया है। दृढ़ निश्चय से लिए गए फैसले, साफ नीयत व स्पष्ट सोच के कारण फियरलेस बिजनेस, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस नए यूपी की पहचान बन चुके हैं। यहां पर कोई निवेशक पॉलिसी पैरालिसिस का शिकार नहीं हो सकता। यूपी में अब 34 सेक्टरियल पॉलिसी हैं, जिनके माध्यम से निवेशक किसी भी सेक्टर में निवेश करके यूपी की विकास यात्रा में योगदान दे सकते हैं।"

भाषाई विविधता ने भारत की साझा सभ्यता और धर्म को सुदृढ़ किया : उपराष्ट्रपति

● 'भारत की भाषाई विविधता ने देश की साझा सभ्यतागत चेतना और धर्म की रक्षा की है'

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि भारत की भाषाई विविधता ने देश की साझा सभ्यतागत चेतना और धर्म की रक्षा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की भाषाओं ने कभी देश को विभाजित नहीं किया बल्कि सदैव राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ किया है। उपराष्ट्रपति शुक्रवार को यहां तृतीय अंतरराष्ट्रीय भारतीय भाषा सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने भाषा को सभ्यता की अंतरात्मा बताते हुए कहा कि भाषाएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी सामूहिक स्मृति, ज्ञान परंपराओं और मूल्यों को संजोए रखती हैं।

उन्होंने कहा कि प्राचीन शिलालेखों और ताड़पत्र पांडुलिपियों से लेकर आज के डिजिटल युग तक, भारतीय भाषाओं ने दर्शन, विज्ञान, काव्य और नैतिक परंपराओं को संरक्षित किया है। हाल ही में चेन्नई में सिद्ध दिवस समारोह में ताड़पत्र पांडुलिपियों को देखने का उल्लेख

करते हुए उन्होंने कहा कि ये भारत की बहुभाषी और समृद्ध ज्ञान परंपरा की जीवंत साक्षी हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की प्रत्येक भाषा ने दर्शन, चिकित्सा, विज्ञान, शासन और अध्यात्म के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने रेखांकित किया कि संविधान की आठवीं अनुसूची भारत की प्राचीन बुद्धिमत्ता को प्रतिबिंबित करती है, जहां भाषाई विविधता को सम्मान देते हुए यह माना गया है कि राष्ट्रीय एकता समानता से नहीं, बल्कि परस्पर सम्मान से सुदृढ़ होती है। लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है, जब प्रत्येक नागरिक अपनी मातृभाषा में अभिव्यक्ति कर सके।

दिल्ली विधानसभा की नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने 'गुरु' शब्द बोला ही नहीं: पंजाब पुलिस

कौमी पत्रिका

पंजाब/नई दिल्ली, 09 जनवरी। सिख गुरूओं के बेअदबी मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पंजाब पुलिस की फॉरेंसिक जांच में साफ हो गया है कि दिल्ली की नेता विपक्ष आतिशी ने अपने वक्तव्य में गुरु शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है। भाजपा और कांग्रेस पर गुरुओं की बेअदबी करने के लिए फर्जी वीडियो बनाने और उसे जारी करने की आम आदमी पार्टी ने कड़ी निंदा की है। साथ ही कांग्रेस और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से माफी मांगने की मांग की है। आम आदमी पार्टी ने फर्जी वीडियो साझा करने वाले भाजपा और कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि वीडियो की सच्चाई सामने आने के बाद साफ है कि भाजपा और कांग्रेस ने जानबूझकर गुरुओं का नाम गंदी राजनीति में घसीटा और बेअदबी की। मोदी और राहुल गांधी सिख समाज से माफी मांगे। आम आदमी पार्टी ने भाजपा और कांग्रेस से गुरुओं का अपमान करने के लिए सिख समाज समेत पूरे देश माफी मांगने की मांग की है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि भाजपा और कांग्रेस के नेताओं गुरुओं की बेअदबी की है। इससे पूरे सिख समाज की आस्था को गहरा ठेस पहुंचा है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने सदन में "गुरु" नहीं बोला है। यह बात पंजाब पुलिस की फॉरेंसिक जांच से साफ हो गया है। भाजपा और कांग्रेस को सिख समाज की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए तत्काल माफी मांगनी चाहिए। आम आदमी पार्टी का कहना है कि वह सिख गुरुओं का बहुत सम्मान करती है। गुरुओं का अपमान कभी भी बर्दाश्त नहीं करेगी। भाजपा ने गुरु साहिब का नाम इस्तेमाल कर दिल्ली विधानसभा की नेता प्रतिपक्ष आतिशी का फर्जी वीडियो बनाया और उसके विधायकों-मंत्रियों ने प्रसारित कर गुरु साहिब का अपमान किया। कांग्रेस भी सिख गुरुओं के अपमान में पीछे नहीं रही। भाजपा और कांग्रेस के नेताओं द्वारा सिख गुरुओं का अपमान करने से सिख समाज में बहुत आक्रोश है। आम आदमी पार्टी मांग करती है कि भाजपा और कांग्रेस के शीर्ष नेता माफी मांगे और वीडियो साझा करने वालों पर कार्रवाई करें। आम आदमी पार्टी ने कहा कि भाजपा गुरु साहिब का नाम इस्तेमाल कर वीडियो बनाकर नेता प्रतिपक्ष आतिशी को बदनाम करने की कोशिश कर रही है और दिल्ली विधानसभा को चलने नहीं दे रही है। दिल्ली की जनता को पता है कि वह ऐसा क्यों कर रही है। भाजपा दिल्ली के प्रदूषण, कानून व्यवस्था, गंदे पानी जैसे मुद्दों पर सदन में चर्चा करने से भाग रही है। इसलिए वह धर्म की आ? में अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए फर्जी वीडियो बनाकर गुरुओं का अपमान किया। आम आदमी पार्टी फर्जी वीडियो प्रसारित करने वाले मंत्री कपिल मिश्रा की सदस्यता तत्काल समाप्त करने की मांग करती है।

शेष पृष्ठ 3 पर

हरियाणा के हांसी को शीघ्र सेशन डिवीजन घोषित करवाएंगे : सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत

● हांसी बार एसोसिएशन ने किया सीजेआई सूर्यकांत का स्वागत

एजेंसी

हिसार। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत ने शुक्रवार को हरियाणा राज्य में स्थित हांसी में कहा कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की नीति के अनुसार रेवेन्यू डिस्ट्रिक्ट बनने पर सेशन डिवीजन घोषित होता है। वे हाईकोर्ट से निवेदन करेंगे कि हांसी को शीघ्र सेशन डिवीजन घोषित किया जाए तथा जमीन उपलब्ध होने पर यहां सेशन कोर्ट शुरू करवाई जाए। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बनने के बाद जस्टिस सूर्यकांत शुक्रवार को हांसी बार एसोसिएशन के कार्यक्रम में पहुंचे। यहां बार एसोसिएशन की ओर से पगड़ी पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर उनका

भव्य स्वागत किया गया। इससे पूर्व श्री कृष्णा प्रणामी पब्लिक स्कूल में बनाए गए हेलिपैड पर केबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा तथा विधायक विनोद भयाना ने सीजेआई सूर्यकांत का फूलों का गुलदस्ता भेंट करते हुए स्वागत किया। पीडब्ल्यूडी विश्रामगृह में उपायुक्त डॉ. राहुल नरवाल, एसपी अमित यशवर्धन व एसडीएम राजेश खोथ ने स्वागत किया तथा पुलिस कर्मियों ने सीजेआई को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। कोर्ट परिसर स्थित बार एसोसिएशन के कार्यक्रम में पहुंचने से पूर्व पंजाब से आए रिटायर्ड फौजियों के बैंड द्वारा समारोह स्थल तक ले जाया गया। इस अवसर पर वकीलों को संबोधित करते हुए सीजेआई सूर्यकांत वत्स ने कहा कि हांसी मेरी जन्म, कर्म भूमि और भावनात्मक भूमि है। उन्होंने कहा कि हांसी से उनकी बचपन की यादें जुड़ी हुई हैं। मेरे पिताजी की यहां ड्यूटी थी और मैंने पहली फिल्म हांसी के सिनेमा हॉल में देखी थी पिताजी मुझे साइकिल पर बैठाकर फिल्म दिखाने दिखाने के लिए सिनेमा घर ले कर गए थे।

गांधी-वाड्रा परिवार आज देश में भ्रष्टाचार और लूट का पर्याय: भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि गांधी-वाड्रा परिवार आज देश में भ्रष्टाचार और लूट का पर्याय बन चुका है। अगर कोई भ्रष्टाचार और लूट की बात करता है तो देश की जनता में सिर्फ एक ही परिवार का नाम आता है और उस परिवार का नाम है- गांधी-वाड्रा परिवार। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी, दोनों बेल पर बाहर हैं। सभी जानते हैं कि 2008 में नेशनल हेराल्ड पेपर का सर्कुलेशन बंद हो चुका था। आज कांग्रेस की कर्नाटक की सरकार टैक्स पेयर के पैसे को, जनता के पैसे को गांधी-वाड्रा परिवार के पर्सनल अखबार नेशनल हेराल्ड को विज्ञापन देने में जनता का पैसा बर्बाद कर रही है। ये बंद अखबार नेशनल हेराल्ड को कांग्रेस की कर्नाटक सरकार जनता का पैसा लूटकर देती है। एक तरह बेंगलुरू में गड्ढे को भरने के लिए इनके पास पैसे नहीं हैं, दूसरी तरफ कर्नाटक की जनता का पैसा लूटकर राहुल-सोनिया के बंद अखबार को फंड करते हैं।

उन्होंने कहा कि यह बात सिर्फ कर्नाटक तक ही सीमित नहीं है। हिमाचल प्रदेश जो अभी 350 करोड़ रुपये का लोन ले चुका है, जिनके पास अपने कर्मचारियों की सैलरी देने के पैसे नहीं हैं। कुल 7,200 करोड़ रुपये का कर्ज़ है।

हर चीज के लिए नेहरू को दोषी ठहराना ठीक नहीं, कुछ गलतियां मानना जरूरी

-कांग्रेस नेता थरूर बोले- मैं नेहरू का प्रशंसक, लेकिन आंख बंद कर समर्थन नहीं करता

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। देश के पहले पीएम पंडित जवाहर लाल नेहरू को लेकर तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बड़ा बयान दिया है। थरूर ने कहा है कि वह भारत के पहले पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू को भारतीय लोकतंत्र का संस्थापक मानते हैं, लेकिन उनकी तारीफ आलोचना से खाली नहीं है। थरूर ने माना कि नेहरू के कुछ फैसलों के कारण 1962 में भारत को चीन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन हर चीज के लिए नेहरू को दोषी ठहराना ठीक नहीं। थरूर ने इस बात पर जोर दिया कि नेहरू की गलतियों को मानना जरूरी है, लेकिन भारत की सभी समस्याओं के लिए उन्हें दोष देना गलत है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मैं जवाहरलाल नेहरू का प्रशंसक हूं, लेकिन आंख बंद करके समर्थन नहीं करता। मैं उनकी सोच और दृष्टिकोण की बहुत सराहना करता हूं और उनका सम्मान करता हूं। हालांकि मैं उनकी सभी नीतियों और विचारों से सौ फीसदी सहमत नहीं हूं। उन्होंने जो कई काम किए, वे सबसे ज्यादा सराहना के योग्य हैं। सबसे अहम बात यह है कि नेहरू ने भारत में लोकतंत्र को मजबूती से स्थापित कियाज्मैं यह नहीं कहूंगा कि मोदी सरकार लोकतंत्र विरोधी है, लेकिन वे निश्चित रूप से नेहरू विरोधी हैं। नेहरू को एक सॉफ्ट टारगेट यानी आसान निशाना बना दिया गया है।

शशि थरूर ने कहा कि केंद्र में मौजूदा सरकार की पंडित नेहरू पर की जा रही आलोचना का कुछ आधार हो सकता है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए 1962 में चीन के खिलाफ मिली हार को कुछ हद तक नेहरू के फैसलों से जोड़ा जा सकता है, लेकिन अब जो हो रहा है, वह यह है कि नेहरू को हर बात के लिए दोषी ठहराया जाता है, चाहे मुद्दा कुछ भी हो। थरूर ने कहा कि उन्हें पढ़ने का शौक बचपन में ही लग गया था, जब न टीवी था और न ही मोबाइल फोन। उन्होंने याद किया कि उन्होंने पहली बार बहुत कम उम्र में ही उपन्यास लिखा था, लेकिन बाद में वह स्याही गिरने की वजह से खो गया।

रिपोर्ट के मुताबिक शशि थरूर ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में पढ़ने की आदतें कम हो रही हैं, लेकिन केरल में पढ़ने की संस्कृति अब भी आगे है। कांग्रेस नेता ने दिल्ली के प्रसिद्ध सेंट स्टीफन कॉलेज के अपने कॉलेज के दिनों को भी याद किया, जहां उन्होंने एक बार मंच पर एंटनी का किरदार निभाया था और फिल्म निर्माता मीरा नायर ने क्लियोपेट्रा की भूमिका निभाई थी।

सीएम ममता ने ईडी के खिलाफ कोलकाता के दो पुलिस स्टेशनों में शिकायत दर्ज करा दी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता के दो पुलिस स्टेशनों में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा इंडिया पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के कार्यालय और इसके को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी और तलाशी अभियान के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी है। हालांकि, दोनों शिकायतों में न किसी ईडी अधिकारी और न ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों का नाम है। ये दोनों शिकायतें अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की गई हैं। सीएम ममता बनर्जी द्वारा दो पुलिस स्टेशनों में दर्ज शिकायतों पर प्रतिक्रिया देकर केंद्रीय राज्य मंत्री और पश्चिम बंगाल में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्यमंत्री ममता ने एक बिजनेसमैन को बचाने के लिए खुद दो पुलिस स्टेशनों में शिकायत दर्ज करा दी है। बीजेपी नेता मजूमदार ने कहा, मैं सीएम ममता से अपील करता हूं कि वह कम से कम अपनी कुर्सी की गरिमा बनाए रखें। कलकत्ता हाईकोर्ट की जस्टिस सुव्रा घोष की सिंगल जज बेंच शुक्रवार को ईडी की आई-पैक रेड से जुड़ी तीन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। मुख्य याचिका ईडी की ओर से है, जिसमें बंगाल की मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया है कि उन्होंने इन दो जगहों पर रेड और सर्च ऑपरेशन के दौरान सेंट्रल एजेंसी के अधिकारियों के सरकारी कामों में रुकावट डालकर अपने संवैधानिक पद का गलत इस्तेमाल किया। ईडी की इस मुख्य याचिका के खिलाफ प्रतीक जैन और तृणमूल कांग्रेस की दो जवाबी याचिकाएं हैं।

असम बीजेपी अध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज, विपक्ष ने लगाए वोट चोरी के आरोप

-एसआईआर में अगर सुधार नहीं हुआ, तो पूरे राज्य में आंदोलन तेज करने की दी चेतावनी

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों ने बीजेपी की राज्य इकाई के अध्यक्ष दिलीप सैकिया के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। विपक्षी दलों ने बीजेपी पर आने वाले चुनावों से पहले मतदाता सूची में हेरफेर करने का आरोप लगाया। दिसपुर पुलिस थाने में दी गई शिकायत में बीजेपी पार्टी का नाम है। विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि असली मतदाताओं के नाम जानबूझकर हटाने के लिए चुनाव आयोग के साथ मिलकर एसआईआर कराई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विपक्षी नेताओं ने चेतावनी दी कि इस तरह की हरकतें लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत रोकने के साथ मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने और बिना किसी भेदभाव के समीक्षा करने की मांग की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद रिपुन बोरा ने कहा कि सभी विपक्षी पार्टियों ने मिलकर 4 जनवरी को हुई एक लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंस का हवाला देते हुए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। रिपुन बोरा ने कहा कि बैठक में सैकिया ने बीजेपी विधायक और जिला अध्यक्षों को हर चुनाव क्षेत्र में पांच हजार से 10 हजार ऐसे वोटरों की पहचान करने का निर्देश दिया जो बीजेपी के समर्थक नहीं हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यह काम करीब 60 चुनाव क्षेत्रों में किया जाना था और पार्टी नेताओं को 12 जनवरी तक सूची जमा करने के लिए कहा था और एक मंत्री को पूरी प्रक्रिया की देखरेख करने का काम सौंपा था। उन्होंने कहा कि इससे हर चुनाव क्षेत्र से पांच हजार से 10 हजार मतदाताओं को हटाने की बीजेपी की योजना का पता चलता है। यही चिंता राहुल गांधी पूरे देश में उठा रहे हैं और अब यह असम में भी सामने आई है।कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग पर आरोपों की गंभीरता के बावजूद चुप्पी साधने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर अपराध है। हमने चुनाव आयोग के नियमों और नियमावली के मुताबिक कार्रवाई की मांग करते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। यह हमारा लोकतांत्रिक कर्तव्य है।विपक्षी नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर तुरंत सुधार के कदम नहीं उठाए गए, तो वे पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन करके अपना आंदोलन तेज करेंगे और कानूनी व संवैधानिक उपाय भी अपनाएंगे। उन्होंने बीजेपी सरकार पर लोकतंत्र-विरोधी और संविधान-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया।

पीएम मोदी ने नहीं किया ट्रंप को फोन, इसलिए रुक गया व्यापार समझौता... जयराम से कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को मोदी सरकार पर निशाना साधकर अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक के उन बयानों को साझा किया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि नेतृत्व स्तर पर सीधे संवाद की कमी के चलते भारत-अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से चूक गया। उन्होंने लूटनिक के बयान की क्लिप के साथ एक व्यंग्यात्मक हिंदी श्लोक साझा करके केंद्र की विदेश नीति पर कटाक्ष किया, जिससे भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव का संकेत मिलता है।

कांग्रेस नेता रमेश ने लिखा कि हग हग ना रहा, पोस्ट पोस्ट ना रहा, क्या से क्या हो गया बेवफा तेरे दोस्ती में। कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी लटनिक के उस दावे के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता इसलिए रुका क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन नहीं किया था। अमेरिकी वाणिज्य सचिव लटनिक ने कहा कि अनुबंधों पर बातचीत हो चुकी थी और पूरे सौदे की संरचना तैयार थी, लेकिन अंतिम चरण में सीधे, नेतृत्व स्तर की भागीदारी जरुरी थी। 'मैं अनुबंधों पर बातचीत करता और पूरे सौदे को तैयार करता, लेकिन स्पष्ट कर दूं। यह उनका (ट्रम्प का) सौदा है। अंतिम निर्णय वहीं लेते हैं। वहीं करते हैं। सब कुछ तैयार है, आपको मोदी से बात करनी होगी, राष्ट्रपति को फोन करना होगा। वे ऐसा करने में असहज थे। इसलिए पीएम मोदी ने फोन नहीं किया। उस शुक्रवार को, अगले सप्ताह अमेरिका ने इंडोनेशिया, फिलीपींस, वियतनाम के साथ सौदे किए, हमने कई सौदों की घोषणा की। लटनिक ने ट्रम्प की व्यापक व्यापार वार्ता रणनीति को समझाते हुए एक सीढ़ीनुमा मॉडल बताया। उनके अनुसार, जो देश पहले आगे आए उन्हें सर्वोत्तम संभव शर्तें मिलीं, जबकि जो बाद में आए उन्हें उत्तरोत्तर उच्च दरें पेश की गईं। यूनाइटेड किंगडम के साथ पहले व्यापार समझौते का जिक्र कर लटनिक ने कहा कि ट्रंप से बार-बार पूछा गया कि अगला देश कौन सा होगा, और भारत का नाम सार्वजनिक रूप से कई बार लिया गया।

'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' से जुड़े देशवासी : अमित शाह

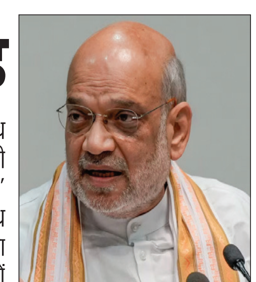

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशवासियों से तीन दिवसीय 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की। वह सोमनाथ महादेव मंदिर के न्यासी भी हैं। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, सोमनाथ महादेव मंदिर ज्योतिर्लिंग होने के साथ-साथ सनातन संस्कृति व आध्यात्मिक गौरव की अक्षुण्ण विरासत भी है। बीते हजार वर्षों में इस मंदिर पर कई हमले हुए, लेकिन यह हर बार उठ खड़ा हुआ। यह हमारी सभ्यतागत अमरता और कभी हार न मानने की दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक है।'' उन्होंने कहा, मंदिर को मिटाने की कोशिश करने वालों के नामो-निशान मिट गए, लेकिन यह मंदिर आज और भी वैभवता के साथ खड़ा है।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''सोमनाथ मंदिर की ऐतिहासिकता बताती है कि इसतरह के हमले हमें क्षति पहुंचा सकते हैं, लेकिन मिटा नहीं सकते, क्योंकि हर बार और भी भव्यता और दिव्यता के साथ उठ खड़ा होना सनातन संस्कृति की मूल प्रवृत्ति है। शाह ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि वह गुजरात के वेरावल स्थित इस पवित्र मंदिर के न्यासी हैं। उन्होंने कहा, ''मेरी सभी देशवासियों से अपील है कि आप भी आज से 11 जनवरी तक चलने वाले सोमनाथ स्वाभिमान पर्व से जुड़ें।

नगर निगम चुनावों के बीच शिवसेना (यूबीटी) का भाजपा पर तीखा हमला

- सत्ता के लिए विचारधारा छोड़ने का आरोप

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की 29 नगर निगमों में चल रही चुनावी हलचल के बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) ने भारतीय जनता पार्टी पर जोरदार हमला बोला है। ठाकरे खेमे ने भाजपा पर सत्ता में बने रहने के लिए अपनी मूल विचारधारा से समझौता करने और अवसरवादी राजनीति अपनाने का आरोप लगाया है। पार्टी ने एआईएमआईएम और कांग्रेस के साथ स्थानीय स्तर पर सामने आए गठबंधनों को लेकर भाजपा की हालिया रणनीतियों को ÷पाखंड का शर्मनाक प्रदर्शन÷ करार दिया है।

शिवसेना (यूबीटी) ने अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय के जरिए भाजपा की नीतियों और राजनीतिक चालों पर सवाल खड़े किए हैं। संपादकीय में कहा गया है कि भाजपा की मौजूदा मानसिकता किसी भी कीमत पर सत्ता में बने रहने की है और विपक्ष में बैठने से बचने के लिए वह हर तरह के समझौते करने को तैयार है। ठाकरे गुट का आरोप है कि भाजपा के पास अब कोई ठोस वैचारिक आधार नहीं बचा है और उसका हिंदुत्व केवल स्वार्थी राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक दिखावा बनकर रह गया है। संपादकीय में यहां तक कहा गया कि सत्ता के बिना भाजपा का अस्तित्व ही संकट में पड़ सकता है, यही कारण है कि वह असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के साथ भी हाथ मिलाने को तैयार दिखती है।

'सामना' के संपादकीय में व्यंग्यात्मक और तीखी भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा गया कि सत्ता के लिए भाजपा ने पहले 'अजान' दी, फिर 'निकाह' किया और यहां तक कि 'खतना' भी करवा लिया, लेकिन काजी की दुआएं इतनी तेज रहीं कि यह गुप्त रिश्ता पूरी दुनिया के सामने आ गया। ठाकरे गुट ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में विपक्ष के वोटों को बांटने के लिए एआईएमआईएम को अक्सर एक 'छिपे हुए मददगार' के रूप में इस्तेमाल किया है।

शिवसेना (यूबीटी) ने नगर परिषदों में हालिया घटनाक्रमों का हवाला देते हुए भाजपा पर और गंभीर आरोप लगाए हैं। अकोट नगर परिषद में भाजपा पर एआईएमआईएम के साथ 'खुली शादी' करने का आरोप लगाया गया है। वहीं अंबरनाथ नगर परिषद में भाजपा द्वारा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को कमजोर करने के लिए कांग्रेस के साथ हाथ मिलाने की बात कही गई है। सार्वजनिक आलोचना बढ़ने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इन गठबंधनों से दूरी बनाते हुए इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही, जिसे संपादकीय में ÷ट्रिपल तलाक÷ करार दिया गया। हालांकि ठाकरे गुट का कहना है कि भाजपा की साख को जो नुकसान पहुंचा है, उसकी भरपाई अब संभव नहीं है और महाराष्ट्र में उसकी स्थिति ऐसी हो गई है कि एक बार गई प्रतिष्ठा टंकी भर पानी से भी वापस नहीं लाई जा सकती।

सात माह बाद पिता लालू से मिले तेज प्रताप यादव, दही-चूड़ा भोज के लिए आमंत्रित किया

-लैंड फॉर जॉब मामले में पेशी पर पहुंचा था पूरा परिवार दिल्ली

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के परिवार में शुक्रवार को महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। सात माह बाद उनके बेटे तेज प्रताप यादव ने दिल्ली में अपने पिता लालू यादव से मुलाकात की। यह मुलाकात तब हुई जब तेज प्रताप यादव दिल्ली में राउज एवेन्यू कोर्ट में लैंड फॉर जॉब मामले में पेशी पर पहुंचे थे। मामले में उनके साथ-साथ उनके पिता और परिवार के अन्य सदस्य भी कोर्ट में मौजूद थे। पिता लालू से मुलाकात के बाद तेज प्रताप यादव ने बताया कि उन्होंने अपने पिता से आशीर्वाद लिया। इसके साथ ही, उन्होंने मकर संक्रांति के मौके पर दही-चूड़ा भोज में आमंत्रित किया। तेज प्रताप ने विश्वास जताया कि उनके पिता इस भोज में जरूर शामिल हो सकते है। इस मुलाकात में उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव शामिल नहीं हुए। बताया गया कि जब तेज प्रताप मीसा भारती के घर पहुंचे, तब तेजस्वी कहीं बाहर चले गए थे। हालांकि, कोर्ट में दोनों भाई एक-दूसरे से मिले थे, लेकिन बातचीत नहीं हुई। तेज प्रताप ने कहा कि वे लैंड फॉर जॉब मामले में लड़ाई जारी रखने वाले हैं, और उन्हें भी सीबीआई ने अभियुक्त बनाया है। वहीं, तेजस्वी यादव ने एक जनवरी को अपने माता-पिता का आशीर्वाद लिया था और मकर संक्रांति के दिन आयोजित होने वाले भोज में कई एनडीए नेताओं को भी न्यौता दिया है। इस बीच, परिवार के सदस्यों के बीच राजनीतिक और पारिवारिक संबंधों को लेकर कई अटकलें भी लगाई जा रही हैं, लेकिन इस मुलाकात से एक चीज स्पष्ट हो गई है कि पिता और बेटे के बीच का रिश्ता अब भी मजबूत है, भले ही दोनों के राजनीतिक दृष्टिकोण में अंतर हो।

माघ मेले में इटली से आई पर्यटक ने भारत को बताया जादुई देश

-यहां के लोग और संस्कृति हैं खास, दस दिन की भारत यात्रा पर है लुक्रेजिया

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी के प्रयागराज में माघ मेला चल रहा है। इसी बीच मेले में इटली से आई एक महिला पर्यटक लुक्रेजिया ने भारत को जादुई देश बताया है। उसने बताया कि यह उसकी तीसरी भारत यात्रा है और हर बार का अनुभव पहले से ज्यादा खास है। लुक्रेजिया ने कहा कि वह अपने पिता के साथ दुनियाभर में यात्रा करती है, लेकिन भारत उसके दिल में एक खास जगह रखता है। उसने कहा कि भारत एक जादुई जगह है। यहां के लोग, खाना, संस्कृति सब कुछ खास है। यही वजह है कि हम बार-बार यहां आते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लुक्रेजिया ने अपनी भारत यात्राओं का जिक्र करते हुए बताया कि वह पहली बार 2024 में भारत आई थीं। इसके बाद वह 2025 में महाकुंभ में आई और अब 2026 में माघ मेले में शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंची। लुक्रेजिया ने कहा कि प्रयागराज के बाद मैं वाराणसी जाने की योजना बना रही हैं। लुक्रेजिया इस समय 10 दिनों की भारत यात्रा पर हैं। इस दौरान उन्होंने अपने आध्यात्मिक गुरु से जुड़ाव और उनसे मिली सीखों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि मेरे गुरु मुझे दया, करुणा और अनावश्यक चीजों को छोड़ना सिखाते हैं। वे कहते हैं कि खुद को स्वीकार करना सबसे बड़ी सीख है। मुझे उनका जीवन जीने का तरीका बहुत पसंद है। माघ मेले के पहले शाही स्नान में विभिन्न सनातन परंपराओं के संतों और महात्माओं ने हिस्सा लिया। 44 दिनों तक चलने वाला माघ मेला 3 जनवरी को पौष पूर्णिमा के पावन स्नान के साथ त्रिवेणी संगम पर शुरू हुआ था। इस दौरान छह प्रमुख स्नान पर्व होंगे और मेला 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान के साथ खत्म होगा। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक लाखों श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। इस वर्ष प्रमुख स्नान तिथियों में 14 जनवरी को मकर संक्रांति, 18 जनवरी को मौनी अमावस्या, 23 जनवरी को बसंत पंचमी, 1 फरवरी को माघी पूर्णिमा और 15 फरवरी को महाशिवरात्रि शामिल हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। शहर और मेला क्षेत्र में 1,500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आधुनिक उपकरण, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, वॉच टावर और सक्रिय जल पुलिस के जरिए भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

4 घंटे में भूकंप के 9 झटके महसूस... गुजरात के राजकोट में क्यों डोल रही धरती

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात की धरती लगातार डोल रही है। ऐसा लग रहा है मानो जैसे किसी बड़े खतरे की आहट हो। जी हां, गुजरात के राजकोट में आज कई बार धरती कांपी है। राजकोट में महज 4 घंटे में भूकंप के 9 झटके महसूस किए। भूकंप के इन झटकों से लोगों में दहशत का माहौल है। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि यह किस तरह का खतरा है। राजकोट जिले के उपलेटा इलाके में शुक्रवार सुबह से ही भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। उपलेटा इलाके में 4 घंटे के भीतर भूकंप के 9 झटके महसूस हुए। रिक्टर स्केल पर 3.8 की तीव्रता दर्ज हुई। शुक्रवार सुबह 6.19 बजे भूकंप का पहला झटका आया। इसके बाद सुबह एक घंटे के भीतर 6 भूकंप के झटके महसूस किए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.7 से 3.8 दर्ज की गई। इसके पहले गुरुवार रात को भी 8.43 बजे 3.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज हुआ था। सभी भूकंप का केंद्र उपलेटा से 27 किलोमीटरद के आस पास रहा है। उपलेटा के अलावा धोराजी ओर जेतपुर में भी झटके महसूस हुए हैं। लगातार आ रहे भूकंप के इन झटकों से लोगों में डर का मौहाल बन गया है। फिलहाल, पालिका की टीम जांच के लिए पहुंची है और लोगों से न डरने की अपील की गई है। लोगों को सचेत रहने की प्रशासन ने अपील की है। डर का आलम यह है कि भूकंप के कारण जेतपुर की स्कूल में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

जयदीप राठी हत्याकांड: लकड़ियों और पेट्रोल से जलाया शव, नहर में फेंके अवशेष

पानीपत (एजेंसी)। हरियाणा के पानीपत जिले में इनेलो नेता कुलदीप राठी के भाई और नेत्ररोग विशेषज्ञ जयदीप राठी की हत्या का मामला सुर्खियों में है। पुलिस को अब तक उनके शव के कोई अवशेष नहीं मिले हैं और शव की नहर में तलाश जारी है। जानकारी के मुताबिक, 27 दिसंबर को आरोपियों ने राठी की हत्या के बाद उनके शव को जलाया और राख व अस्थियों को कुरुक्षेत्र की नरवाना ब्रांच नहर में बहा दिया। सूत्रों के अनुसार, जयदीप की हत्या कहीं और की गई, लेकिन शव को यमुनानगर ले जाकर जलाया गया। आरोपियों ने शव को जलाने के लिए पशुओं के बाड़े से करीब 15 क्विंटल लकड़ियों का इंतजाम किया और लगभग 10 लीटर तेल छिड़क कर आग लगाई। जांच में यह सामने आया कि आरोपी शव को गाड़ी में घुमाते रहे और फिर राख व अस्थियों को कट्टों में भरकर नहर में बहा गए। पानीपत पुलिस की टीम नरवाना ब्रांच नहर में शव के अवशेष खोज रही है। इसमें स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) और गोताखोर प्रगट सिंह की टीम भी शामिल है। पुलिस ने पहले ही आरोपी जसवंत उर्फ जस्सी से घटनास्थल की पहचान करवाई है और उसी स्थान से दोबारा खोज जारी है। पुलिस के अनुसार, हत्या का मुख्य कारण जमीन विवाद था। जयदीप राठी नेत्ररोग अधिकारी के पद पर कार्यरत थे और इनेलो के जिलाध्यक्ष कुलदीप राठी के भाई थे। 27 दिसंबर को आरोपियों ने उन्हें डेराबस्सी में मिलने के बहाने बुलाकर गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के दिन जयदीप के बेटे की शिकायत पर अपहरण का केस भी दर्ज किया गया। पुलिस का प्रयास है कि जल्द से जल्द शव के अवशेष बरामद कर आरोपी न्याय के कटघरे में खड़े हों।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति ने आतिश के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डी.एस.जी.एम.सी.) ने भी आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर दिल्ली पुलिस में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत पुलिस आयुक्त और संसद मार्ग थाना को सौंपी गई है। शिकायत में आरोप लगाया है कि आप नेता आतिशी की टिप्पणियों से सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। बता दें कि आतिशी द्वारा सिख धर्म से जुड़े गुरुओं के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करने के बाद पूरे देश में सियासी घमासान तेज हो गया। आतिशी के अपमानजनक भाषण का हर ओर विरोध शुरू हो रहा है। असल में यह विवाद श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष के मौके पर दिल्ली विधानसभा में हुई विशेष चर्चा से जुड़ा है, जहां पर अतिशी ने कुछ भी सकारात्मक नहीं बोला तथा सिखों के नौवें गुरु का अपमान भी किया।

राज्यपाल सीवी आनंद बोस को जान से मारने की धमकी

कोलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को एक ईमेल के माध्यम से जान से मारने की धमकी मिली, इसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई है। कोलकत्ता में लोक भवन के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि ईमेल भेजने वाले ने राज्यपाल को 'उड़ा देने' की धमकी दी। लोकभवन के अधिकारी ने बताया, ''आरोपी ने ईमेल में अपना मोबाइल नंबर भी दिया है। इस धमकी के बारे में डीजीपी को सूचित किया है और डीजीपी से उस व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार करने को कहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी इस बारे में सूचित किया गया है। इस मामले की सूचना केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी दे दी गई है। अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य पुलिस और सीआरपीएफ मिलकर काम कर रहे हैं। राज्यपाल बोस को जेड-प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है और अब उनकी सुरक्षा के लिए लगभग 60-70 केंद्रीय पुलिस कर्मी तैनात हैं।

व्यापारी को निवेश का झांसा देकर बनाया बंधक, बंदूक दिखाकर दो करोड़ लूटे

बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के एक व्यवसायी की फर्म में निवेश का वादा करके उन्हें महाराष्ट्र के ठाणे जिले में बुलाने और उन्हें कई होटलों में बंधक बनाकर बंदूक से डराकर दो करोड़ से जयादा लूटने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना 15 से 18 दिसंबर, 2025 के बीच हुई थी और मामले के मुख्य आरोपी ठाणे के मानपाड़ा निवासी अंकित बापू थोम्ब्रे (40) को 6 जनवरी को गिरफ्तार किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसीपी (अपराध) ने कहा कि गिरफ्तारी मीरा भयंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा इकाई-एक द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा कि पीड़ित की पहचान शामंतकुमार शादक शारप्पा कार्दर (31) के रूप में हुई है, जो कर्नाटक के शिमोगा के एक व्यवसायी हैं। उन्हें 15 दिसंबर 2025 को एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को अंकित बताया। अंकित ने उनकी कंपनी में निवेश करने में रुचि दिखाई। एसीपी ने कहा कि उसके प्रस्ताव पर भरोसा करते हुए, शिकायतकर्ता ने ठाणे जिले के काशीमीरा की यात्रा की।

बैंक के बाहर कैश कलेक्शन एजेंट से लूट का प्रयास, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने निजी कंपनी के कैश कलेक्शन एजेंट से 4.47 लाख रुपये लूटने का प्रयास किया। पीड़ित ने शोर मचाया तो आसपास मौजूद लोग उसकी मदद को पहुंचे। भीड़ को आता देखकर बदमाश अपनी बाइक छोड़कर मौके से भाग गए। बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान करतार नगर निवासी शिवम (24) और आशुतोष कश्यप (22) के रूप में हुई है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि मंगलवार शाम को 100 फीटा रोड निवासी हिमांशु (20) के साथ लूट का प्रयास हुआ था। हिमांशु ने बताया कि वह एक निजी कंपनी में कैश कलेक्शन का काम करता है। वारदात के समय वह बैंक में कैश जमा कराने जा रहा था। इस बीच बाइक सवार दो युवकों ने लूटने का प्रयास किया। बैग छीनने के दौरान हिमांशु ने शोर मचाया तो आसपास मौजूद लोग वहां पहुंच गए। दोनों बदमाश मौके से बाइक छोड़कर भाग गए। पुलिस ने बाइक कब्जे में लेकर प्राथमिकी दर्ज कर पड़ताल की।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरदोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि युवती वीएम विद्युत इलेक्ट्रिक इंस्टॉलेशन, नोएडा की लेखा शाखा में नौकरी कर रही थी। वह 1 सितंबर से डीडीए फ्लैट में अकेले किराये पर रह रही थी।

आगरा के ट्रांसपोर्ट कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या, साझेदार ने भाई और पुत्रों के साथ मिलकर इसलिए मार डाला

कौमी पत्रिका

आगरा। आगरा के ट्रांसपोर्ट कारोबारी की फिरोजाबाद निवासी साझेदार ने भाई-पुत्रों के साथ मिलकर रविवार सुबह पीट-पीटकर हत्या कर दी। व्यापारिक रंजिश में वारदात को अंजाम देने का आरोप है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंपा। मृतक की पत्नी की तहरीर पर चार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। आगरा के हाथीघाट इलाके के रहने वाले ट्रांसपोर्ट कारोबारी बालमुकुंद दुबे के साथ यह वारदात हुई। उनकी पत्नी रूपम दुबे का आरोप है कि पति रविवार सुबह करीब चार बजे माल से लदे एक ट्रक को फिरोजाबाद में ककरऊ कोठी स्थित ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट कंपनी के गोदाम पर अनलोड करने आए थे। साथ में ट्रक चालक सुभाष, पति के दोस्त शंकर भी थे। शंकर से सूचना मिली कि बालमुकुंद के व्यापारिक साझेदार गजेंद्र सिंह निवासी ककरऊ कोठी, थाना उत्तर बाइक पर सवार होकर अपने बेटे नितिन, अंकुर और भाई पिंटू के साथ आए और पति के साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद जैन मंदिर के पास स्थित जय मां भवानी ट्रांसपोर्ट कंपनी, जो पति बालमुकुंद और गजेंद्र सिंह की साझेदारी में पिछले 30 साल से संचालित है। वहां ले गए और फिर से मारपीट की। इसके बाद फरार हो गए। शंकर ने घायल पति को मेडिकल कॉलेज के ट्रामा में भर्ती कराया। यहां उनकी मौत हो गई। इंस्पेक्टर थाना उत्तर अंजीश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक बालमुकुंद के शरीर पर खुली चोट का कोई निशान नहीं पाया गया। उनके पैरों में सूजन और चोट थी। संभावना यह जताई जा रही है कि आरोपियों ने उनके पैरों में लाठी-डंडों से प्रहार किया। अत्याधिक प्रहार के कारण शरीर के अंदर से ही रक्त का स्राव हुआ और वहीं उनकी मौत का कारण बना। बालमुकुंद के परिवार में दो बेटी, एक बेटा और पत्नी रूपम है। पति की हत्या के बाद से सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। एसपी सिटी रविशंकर प्रसाद ने बताया कि हत्यारोपियों की तलाश में पुलिस की तीन टीम लगी हैं। इनकी जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी और कड़ी सजा दिलाई जाएगी। मामले की विवेचना शुरू कर दी

गई है। पत्नी ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। शव पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंपा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी मंगवाई है। सीओ सिटी प्रवीण तिवारी ने बताया कि पुलिस की जांच में सामने आया है कि बालमुकुंद और गजेंद्र सिंह 30 साल से व्यापारिक साझेदार थे। साझेदारी वाली ट्रांसपोर्ट कंपनी जय मां भवानी के फिरोजाबाद कार्यालय को गजेंद्र सिंह और हाथीघाट वाले कार्यालय को बालमुकुंद संभालते थे। दोनों के बीच अच्छी दोस्ती थी, ट्रांसपोर्ट कारोबार से पहले भी दोनों एक साथ काम करते थे। मृतक बालमुकुंद की पत्नी रूपम ने पुलिस को बताया कि पिछले कुछ समय से गजेंद्र के पैसों पर नियत खराब हो गई। कमाई के पूरे हिस्से को वह खुद हड़प जाता था। इसी विवाद में पति बालमुकुंद ने आगरा से लोड होने वाले माल को दूसरी ट्रांसपोर्ट पर उतारना शुरू कर दिया था। रविवार को भी यही हुआ। आल इंडिया ट्रांसपोर्ट कंपनी, ककरऊ कोठी पर आगरा से लदे माल को उतारा जा रहा था। इसी का विरोध करने गजेंद्र अपने बेटों, भाई के साथ आया था। उसने आते ही पति के साथ अभद्रता, गाली-गलौज की। इसके बाद हत्या की धमकी देने लगे। पति ने विरोध किया तो उनके साथ गजेंद्र, उसके बेटे नितिन, अंकुर और भाई पिंटू ने मारपीट की। इसके बाद भी जब मन नहीं भरा तो पति को लेकर जय मां भवानी ट्रांसपोर्ट कंपनी के कार्यालय ले गए। वहां फिर से मारपीट करते हुए हत्या कर डाली।

क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को मारी टक्कर

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर मंगलवार तड़के क्रेटा कार

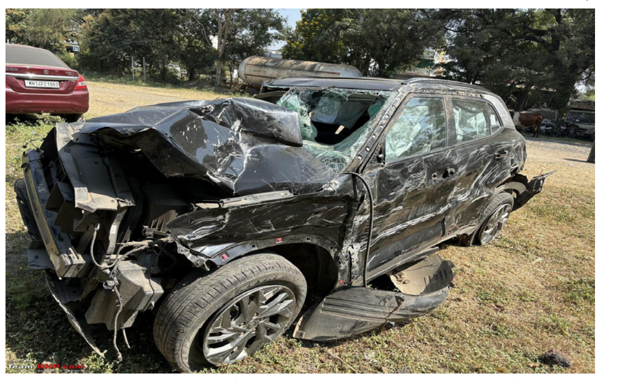

चालक नाबालिग ने मारुति वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन के साथ-साथ क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। हादसे में वैन में पिछली सीट पर बैठे एक युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त चंदन कुमार (48) के रूप में हुई है। हादसे में उसके साथ वैन में मौजूद साथी नीरज, सुमित और हिमांशु मामूली रूप से जख्मी हो गए। इनको जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने चंदन का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने जीटीबी एन्क्लेव थाने में मामला दर्ज कर आरोपी 17 वर्षीय नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। देर रात उसके साथ क्रेटा में उसके चार दोस्त भी मौजूद थे। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी। पुलिस नाबालिग की सही उम्र का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस बात का भी पता किया जा रहा है कि नाबालिग ने शराब तो नहीं पी हुई थी। जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया के चंदन कुमार अपने परिवार के साथ गांव साहिबाबाद, गाजियाबाद में रहते थे। इनके परिवार में पिता महेश कुमार के अलावा छोटा भाई, पत्नी और एक बेटा व बेटी है। चंदन कौशांबी के एक सिनेमा हॉल में काम करते थे। अक्सर उनकी नाइट शिफ्ट होती थी। सिनेमा हॉल की ओर से घर पहुंचाने के लिए देर रात को स्टाफ के लिए मारुति वैन उपलब्ध करवाई जाती थी। चंदन ड्यूटी खत्म करने के बाद बाकी स्टाफ नीरज, सुमित और हिमांशु के साथ देर रात घर के लिए निकले थे। चारों स्टाफ को लेकर चालक जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर पहुंचा। इसी दौरान लालबत्ती तोड़कर क्रेटा कार ने वैन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वैन के अलावा क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। राहगीरों ने घायलों को निकालकर जीटीबी अस्पताल भेजा, जहां चंदन को मृत घोषित कर दिया गया। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। बाकी स्टाफ को मामूली चोटें थीं। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेटा कार को कब्जे में ले लिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की छानबीन कर रही है।

नाबालिग ने युवक पर बरसाई ताबड़तोड़ गोलियां,हत्या के मामले में पुलिस ने 3 को पकड़ा

नई दिल्ली। रणहौला इलाके में बुधवार रात 18 साल के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त सैनिक एन्क्लेव, मोहन गार्डन निवासी नितिन (18) के रूप में हुई है। वह फर्नीचर की फैक्टरी में काम करता था। पुलिस ने हत्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस ने मामले की छानबीन कर वारदात में शामिल तीन नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर हत्या के कारणों की जांच कर रही है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि बुधवार शाम करीब सात बजे रणहौला थाना पुलिस को जीडी लांसर पब्लिक स्कूल के पास एक युवक को गोली मारे जाने की जानकारी मिली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, तब तक परिवार वाले युवक को पास के अस्पताल में ले जा चुके थे। अस्पताल में पुलिस को पता चला कि डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। उसके शरीर पर तीन गोली के घाव थे। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कर जांच शुरू कर दी। जांच में उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि बुधवार शाम करीब सात बजे रणहौला थाना पुलिस को जीडी लांसर पब्लिक स्कूल के पास एक युवक को गोली मारे जाने की जानकारी मिली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, तब तक परिवार वाले युवक को पास के अस्पतालपता चला कि घटना के समय नितिन स्कूल के सामने बैठा हुआ था, इसी दौरान वहां तीन युवक पहुंचे। इस दौरान एक नाबालिग ने उसपर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। पुलिस ने क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने वहां से कई साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की। जिसमें वारदात को अंजाम देते आरोपी कैद हुए थे। मुखबिरों के जरिये पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर बृहस्पतिवार को तीन आरोपियों को पकड़ लिया।

बैंड-बाजे के साथ निकाली पालतू गाय की शव यात्रा

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के जैतीपुर क्षेत्र के करकौर गांव में किसान सर्वेश शर्मा की पालतू गाय की मौत के बाद ढोल-बाजों के साथ के सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया गया। गाय की अंतिम यात्रा में काफी लोग शामिल हुए। ग्रामीणों ने किसान के इस कार्य की सराहना की। कहा कि किसान ने गाय को अपने परिवार के सदस्य की तरह माना। जीते जी गाय उनके परिवार का सहारा बनी। गाय के मरने पर किसान ने धर्म-कर्म के अनुसार उसका अंतिम संस्कार किया। खेतीबाड़ी करने वाले सर्वेश शर्मा ने करीब 20 साल पहले गाय को पाला था। उन्होंने बताया कि जब उनकी आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी, तब गाय उनके परिवार का सहारा बनी। गाय का दूध बेचकर अपने बच्चों का पालन-पोषण किया। यह गाय उनके परिवार के लिए भाग्यशाली रही। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरी है। उनकी यह गाय काफी समय से बीमार चल रही थी। शनिवार रात गाय की मौत हो गई। रविवार को दोपहर के समय गाय की अंतिम यात्रा सम्मान के साथ निकाली गई। बैलगाड़ी पर गाय के शव को रखा गया। उसके आगे बैंड-बाजे वाले ढोल बजाते हुए चल रहे थे। अंतिम यात्रा में गांव के तमाम लोग शामिल हुए। सर्वेश ने अपने खेत में जेसीबी से गड्ढा खुदवाया और धर्म-कर्म के हिसाब से अंतिम संस्कार कर दिया। इस दौरान गांव महावीर सिंह, पूर्व प्रधान राजेंद्र पाल गुर्जर, अनूप मिश्रा, नेत्रपाल कश्यप, पप्पू मिश्रा, रामलखन गुप्ता, पेशकर गुर्जर, मैकू कश्यप, रामगोपाल कश्यप आदि मौजूद रहे।

दिल्ली विधानसभा की नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने 'गुरु' शब्द बोला ही नहीं: पंजाब पुलिस

प्रथम पृष्ठ का शेष

साथ ही गुरुओं का अपमान करने वाले भाजपा विधायकों को सदन से कम से कम छह महीने के लिए सस्पेंड किया जाना चाहिए। उधर, पंजाब पुलिस ने बीजेपी के मंत्री कपिल मिश्रा द्वारा अपने ट्विटर हैंडल से जारी किए गए वीडियो की फॉरेंसिक जांच की है। इस जांच में साफ हो गया है कि आतिशी ने 'गुरु' शब्द का इस्तेमाल ही नहीं किया है। एडिटेड वीडियो को अपलोड करने और प्रसारित करने के संबंध में जालंधर पुलिस कमिश्नरेट में एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में कहा गया है कि सोशल मीडिया पोस्ट से निकाले गए ऑडियो की फोरेंसिक जांच से पता चलता है कि आतिशी ने 'गुरु' शब्द का उच्चारण नहीं किया है। पुलिस इकबाल सिंह की शिकायत पर यह एफआईआर दर्ज की है। सोशल मीडिया पर कई पोस्ट वायरल हुए हैं जिनमें दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी को कथित तौर पर गुरुओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करते हुए दिखाया गया है। इन पोस्ट में भ ?काऊ कैप्शन भी हैं।

NAME CHANGE
It is for general information that I, GOMASE VILAS SURENDRA S/o SURENDRA GOMASE, permanent R/o Near Water Tank, At Post Jalamb, Jalamb, Buldhana, Maharashtra-444303, and currently residing at Quarter No. 95, Type-2, Block-3, Narela, Delhi, declare that name of mine, my wife and my minor daughter have been wrongly written as VILAS, BHAGYASHRI and PURVA in my minor daughter namely PURVA VILAS GOMASE aged 14 years in her School Records. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are GOMASE VILAS SURENDRA, BHAGYASHRI VILAS GOMASE and PURVA VILAS GOMASE respectively.

NAME CHANGE
I Sulochana Devi Agarwal W/o Deep Chand Agarwal R/o SD 302, Tower Apartments, Pitampura, Delhi - 110088 have changed my name to Sulochana Agarwal for all future purposes.

NAME CHANGE
I. ARPANA GI is a legally wedded spouse of No. GS-190796P Rank NURS ASST Name- KUMAR GI presently residing at HOUSE NO-134, DEEPAK VIHAR, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043, R/O VILL-BASANT BIHAR, PO-LALGANJ, DIST-PURNIA, (BIHAR)-854303 have changed my name from ARPANA GI to ARPANA KUMARI for all future purposes. Vide affidavit dated 09.01.2026 before Public Notary Delhi India.

NAME CHANGE
I, SUNITA is real Mother of No. 2814052P Rank HAV Name LOKHANDE RAHUL PANDURANG presently residing at VILL- AKOLA, POST-JATHARPETH AKOLA, TEH-AKOLA, DIST-AKOLA, (MAHARASHTRA)-444005 have changed my name from SUNITA to SUNITA PANDURANG LOKHANDE for all future purposes. Vide affidavit dated 09.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I Hanif S/o Hasan Mohd. r/o House No. 307, Sikhoh, Tauru, Mewar - 122107 have changed my name to Mohd. Haneef for all future purposes.

NAME CHANGE
I Babli S/o Samsuddin R/o Imam Nagar Colony, Near Dhranki Road, Ward No. 11, Hathin, Palwal - 121103 have changed my name to Bhabli for all future purposes.

NAME CHANGE
I Ruknudeen S/o Bhabli, R/o Imam nagar colony, near dhiranki road, ward no-11, hathin, palwal-121103 have changed my name to Ruknuddin for all future purposes.

NAME CHANGE
I Eslamudin S/o Esrael R/o 82, Nibhana Mohalla, Guwalda, Dist. Alwar, Rajasthan - 301707 have changed my name to Islamuddin for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MANIK is legally father of No.2808695W Rank-HAV Name-PAWAR SUNIL MANIK R/o VILL-RAHUD POST- USWAD TEH-CHANDWAD DIST-NASHIK (MAHARASHTRA)-423104 have changed my name from MANIK TO MANIK BHAVARAV PAVAR for all future purposes. Vide affidavit dated 09.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SUNANDA is legally Mother of No. 2808695W Rank- HAV Name-PAWAR SUNIL MANIK Presently resident of VILL RAHUD POST-USWAD TEH- CHANDWAD DIST-NASHIK (MAHARASHTRA)-423104, have changed my name from SUNANDA to SUNANDA MANIK PAVAR and date of birth from 02/04/1969 to 01/12/1970 for all future purposes. vide affidavit dated 09.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, BHOOP SINGH S/O MAHA SINGH R/O MAIN ROAD 169, MITRAON, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME "NIKHIL" TO "NIKHIL GAHLOT" FAR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, PRAKASH, is legally father of No. JC 462578Y, Rank – NB SUB, Name – NIKAM PRAMOD PRAKASH, 41 RR, At – Sangvi, Post – Bhose, Tal – Koregaon, Dist – Satara, State – Maharashtra, Pin – 415501, have changed my name from PRAKASH to PRAKASH PANDURANG NIKAM and date of birth from 23/03/1957 to 01/01/1955 for all future purposes. Vide affidavit dated 09/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, BAPU LAGAD is legally father of No. JC461823K Rank-SUB Name-LAGAD PRAKASH BAPU R/o VILL KOLGAON POST KOLGAON TEH SHRIGONDA DIST-AHILYANAGAR (MAHARASHTRA) PIN-413728 have changed my name from BAPU LAGAD to BAPU DNYANDEV LAGAD and date of birth from 17/09/1956 to 01/01/1956 for all future purposes. Vide affidavit dated 08.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, RAJEJADHAV SANJAY SHIVDAS is legally father of No. 2821707Y Rank- SEP Name-RAJEJADHAV HARSHAVARDHAN SANJAY Presently resident of VILL-MEHUNA RAJA POST-MEHUNA RAJA TEH-DEULGAON RAJA DIST-BULDHANA (MAHARASHTRA)-443206,have changed my name from RAJEJADHAV SANJAY SHIVDAS to SANJAY SHIVDAS RAJEJADHAV for all future purposes. Vide affidavit dated 08.1.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as ADITYA SOM S/o RAJEEV KUMAR R/o House No. No Fil, Gali No. 10, Near Taxila Public School, Hari Nagar, Shraddhapuri, Phase-01 Kanker Khera, Meerut, Kanker Khera, Uttar Pradesh-250001, have changed my name and shall hereafter be known as AKSHIT, for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे ग्राहक, **उज्जिवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड**, शाखा का पता- डी-11, भूतल, आरडीसी राज नगर, बीएसएनएल कार्यालय के सामने, गाजियाबाद -201002। यहां 1) श्रीमती अनु शर्मा और 2) श्री भूपेंद्र कुमार शर्मा (मालिक) ने मेरे ग्राहक से प्लॉट/मकान संख्या 22, क्षेत्रफल 150 वर्ग गज (यानी 83.61 वर्ग मीटर), गुलधर (दरगल) द्वितीय, परगना जलालाबाद, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित, के लिए ऋण सुविधा की स्वीकृति और वितरण हेतु संपर्क किया। श्री भूपेंद्र कुमार शर्मा उक्त प्लॉट संख्या 22 (भाग), क्षेत्रफल 50 वर्ग गज के मालिक थे। दिनांक 11.08.2022 को श्रीमती दीपा शर्मा द्वारा निष्पादित विक्रय विलेख के अनुसार, जो दस्तावेज़ संख्या 11804 के रूप में दिनांक 11.08.2022 को विधिवत पंजीकृत है, उक्त भूखंड संख्या 22, जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, की स्वामी श्रीमती अनु शर्मा थीं। इसके अतिरिक्त, दिनांक 03.08.2022 को श्री नरेंद्र तिवारी और श्री विक्की उर्फ विजय शर्मा द्वारा निष्पादित उपहार विलेख के अनुसार, जो दस्तावेज़ संख्या 11052 के रूप में दिनांक 03.08.2022 को विधिवत पंजीकृत है, श्रीमती अनु शर्मा उक्त भूखंड संख्या 22 की स्वामी थीं। हालांकि, यह ध्यान में लाया जाता है कि, 1) श्रीमती अनु शर्मा और 2) श्री भूपेंद्र कुमार शर्मा के पास संबंधित न्यायालय द्वारा जारी दिनांक 31.10.2012 की वसीयत का प्रमाण पत्र, संबंधित प्राधिकारी द्वारा जारी स्वर्गीय श्री एच.सी. तिवारी का उत्तरजीवी प्रमाण पत्र और संबंधित प्राधिकारी द्वारा जारी श्री राहुल शर्मा का उत्तरजीवी प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज मौजूद नहीं हैं। इसलिए, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी दस्तावेज के तहत या अन्यथा किसी भी प्रकार का कोई अधिकार, दावा, हक, हित, आपत्ति या भार रखने वाले किसी भी व्यक्ति, संस्था, वित्तदाता या बैंक को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से **7 (सात) दिनों** के भीतर अपने दावों को सहायक दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है।

दीपक मलिक (अधिवक्ता)
पता ङ्क प्लॉट नंबर 604, दुकान नंबर 2, कटारिया कॉम्प्लेक्स, न्यू रेलवे रोड, दयानंद कॉलोनी, गुड़गांव।
ईमेल-
advocatedeepak9009@gmail.com

NAME CHANGE
I, YAMUNA, is legally mother of No. JC 462578Y, Rank – NB SUB, Name – NIKAM PRAMOD PRAKASH, 41 RR, At – Sangvi, Post – Bhose, Tal – Koregaon, Dist – Satara, State – Maharashtra, Pin – 415501, have changed my name from YAMUNA to YAMUNA PRAKASH NIKAM and date of birth from 23/03/1962 to 01/01/1962for all future purposes. Vide affidavit dated 09/01/2026 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NARBADA DEVI NEGI W/o RAI SINGH NEGI R/o H.NO.6, Gali No.1, Uttranchal Enclave, Kamal Pur, Majra, Burari, Delhi-110084, declare that name of mine has been wrongly written as NARBA DEVI in my husband PPO No-224198400189 records . The actual name of mine is NARBADA DEVI NEGI, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, JAYAKUMARI T Mother of No-16112551P Rank-NK Name-RAJESH KUMAR MR residing at VPO-KUMBAZHA, TEHSIL-KOZHENCHERY, DIST-PATHANAMTHITTA, KERALA-689653, have changed my name from JAYAKUMARI T to JAYAKUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 09/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAVEENDRAN NAIR CN Father of No-16112551P Rank-NK Name-RAJESH KUMAR MR residing at VPO-KUMBAZHA, TEHSIL-KOZHENCHERY, DIST-PATHANAMTHITTA, KERALA-689653, have changed my name from RAVEENDRAN NAIR CN to RAVEENDRAN NAIR for all future purposes vide Affidavit Dated 09/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I DHEERAJ KRISHAN KAPOOR S/O KRISHAN KUMAR KAPOOR R/O H N C-4/205 YAMUNA VIHAR DELHI-110053 have changed my name to DHIRAJ KRISHAN KAPOOR for all future purpose.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-7787113K, Rank-NK(MP), Name-GOLLA RAVI residing at VPO-DEVANAKONDA, TEHSIL-DEVANAKONDA, DISTT-KURNOOL, ANDHRA PRADESH-518465, have changed my father's name from GOLLA NETTEKALLU (old name) to GOLLA NETTE KAL (new name) for all future purposes, in my service documents my father's date of birth is wrongly mentioned as 13/03/1955 instead of 13/06/1955 vide affidavit dated 09/01/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Harinder Gupta S/O Udaychand Gupta R/O Barola, Sec-49 Noida, Gautam Budha Nagar, Up-201301, Have Changed My Name to Harendar Gupta for All Future Purposes.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री दीपक गर्ग पुत्र श्री कृष्ण कुमार, प्लॉट नंबर 45 पर बने ऊपरी ग्राउंड फ्लोर, जिसका क्षेत्रफल 65 वर्ग गज है, कुल 100 वर्ग गज में से, खसरा नंबर 8/16 और 25 में स्थित, गांव मटियाला, जैन पार्क कॉलोनी, नई दिल्ली-110059 में स्थित संपत्ति के संबंध में, नोटरी GPA, ATS और 30.04.2003 की वसीयत के आधार पर, जो श्री शिव कुमार द्वारा निष्पादित की गई थी, और उक्त संपत्ति संजीव कुमार अपौरिया को बेची जा रही है और इसे SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाइनेंस किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपति में कोई चार्ज/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi,
Near HDFC Bank, U.P..
E-MAIL: sgassociatespl@gmail.com
Ph: 813030920, 01204968888

NAME CHANGE
I, Rajender Kumar Mishra s/o Dev Narayan Mishra R/o E-5/76, Gali No.14, 5th Pusta, Sonia Vihar, Karawal Nagar, Delhi-110094, have changed my name to Rajender Mishra for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Shanaaz Begum w/o Md Ahmad R/o Ward No.10, Jagdar Parihar, Jagdhar, Sitamarhi, Bihar-843324, have changed my name to Shahnaj Begam for all future purposes.

NAME CHANGE
I SACHIN KUMAR S/O SUNIL KUMAR R/O H.NO 16/297, BAPA NAGAR TANK ROAD KAROL BAGH NEW DELHI - 110005, I have changed my name to SACHIN KHINCHI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, Krishan Kumar S/O Sohan Lal, R/O ram grahi, Hapur, Hapur, Uttar Pradesh -245101, have change the name of my minor son Mohit aged 11 years and he shall hereafter be known as Nirbhay Kumar.

NAME CHANGE
I, SHAMMY M F Mother of No-15752716M Rank-NK Name-AKSHAY SEBASTIAN Presently residing at KALLARAKKAL HOUSE, KOTTAPPURAM KURUMBANAMKULAM, KOTTAPPURAM PO, KODUNGALLUR, THRISSUR, KERALA-680664, have changed my name from SHAMMY M F to SHEMMY M F for all future purposes vide Affidavit dated 09/01/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Smt. Bharti Sharma Owner of the Residential Plot/House- 154, situated at Block- I , Sector - Alpha-02, Greater Noida, Gautam Budh Nagar, U.P. Smt. Bharti Sharma have lost Allotment Letter dated 06.07.1995 issued by GNIDA in the name of Mr. Ramlal Ahuja and Transfer letter issued by GNIDA in favour of Smt. Sunita Rani and correction Deed executed by GNIDA in favour of Smt. Sunita Rani , dully registered as Doc No. 7849, Book no. 1, Dated 27.12.1999. and ATS executed by Smt. Sunita Rani in favour of Smt. Sushila Jain dated 02.09.2002, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor,
Patpargang Village, Mayur Vihar
Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
I SHAKIL AHMED S/O ILIYAS KHAN R/O H NO-00, WARD NO-00, GAON KANSALI, MEWAT, HARYANA-122108 have changed my name to SHAKIL AHMAD for all future purpose.

NAME CHANGE
I Vaishali D/o Satpal and W/o Mukesh Kumar Rana R/o Flat-106, Tower D, N R I SDS Residency, Greater Noida, PO-Knowledge Park-I, Dist-Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201310, have changed my name to Vaishali Bhatia

NAME CHANGE
I Pawan Agrawal Alias Pawan Kumar S/o Ramji Lal Saraf R/o J-12/34-B-1, Inside Shri Chitrakoot Ramllia Maidan, Dhoop Chandi, Varanasi, Uttar Pradesh - 221001, have changed my name to Pawan Kumar Saraf

NAME CHANGE
I Girish Chandra Mishra S/o Mohana Nand Mishra R/o 1A, Gurukul School Road, Behind FCI Godam, Narsingh Malla, Kamaluwaganja, Haldwani, Uttarakhand - 263139, have changed my name to Suman Prasad Mishra.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Ramniwash S/o Prabhu Nath Jogi R/o Dhwja Moroli, Post Jaspura, Bhaja Moroli, Kalsada, Bharatpur, Rajasthan-321409, declare that my name has been wrongly written as Ramniwash P. Jogi in my Service Record of Central Railway Zone, Indian Railways, Govt. of India. The actual name of mine is Ramniwash, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I PAYAL KUMARI KOHLI W/O ASHISH KOHLI R/O H N A-66, FIRST FLOOR, NEW FRIENDS COLONY, DELHI-110025 have changed my name to PAYAL KOHLI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SONWANE DHANASHRI DNYANESHWRA Wife of No-2813527F Rank-SEP Name-SONWANE DNYANESHWAR BALAJI Presently residing at VPO-SHIVANI LAKH, TQ-AUSA, DIST-LATUR, MAHARASHTRA-413521, have changed my name from SONWANE DHANASHRI DNYANESHWRA to SONWANE DHANASHRI DNYANESHWAR for all future purposes vide Affidavit dated 09/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Mumtaz W/O, Mohammad Ayyub R/O C-3B, Block-C, Harkesh Nagar, New Delhi-110020 have changed my name to Mumtaz Khan for all purposes.

NAME CHANGE
I RAZIA SULTAN W/O MUSHARRAF R/O 50 PLOT 8/25 GALI NO 3 KHUBRAM PARK PREM NAGAR-1 KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI-110086, I have changed my name to RAZIA MIRJA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, NEELAM D/o Shyam Sunder Chandok R/o C-107/4, 2nd Floor, Ganesh Nagar, Tilak Nagar, Delhi-110018, have changed my name to NEELAM CHANDOK permanently

NAME CHANGE
I, JUPITA KUJUR D/o VINCENT KUJUR R/o Flat No.C-4, 4th Floor, RD White House, Bartal, Delhi-110077, have changed my name to JUBITA KUJUR permanently

NAME CHANGE
I, SHELLY BANSAL W/o Anil Kumar R/o Flat No.120 B, Block-C-2, Keshavpuram, Delhi-110035 changed my name to SHELLY AGGARWAL permanently.

NAME CHANGE
I, MADHU KHURANA W/o Joginder Khurana R/o BB-379, Basti Bagrian, Nabi Karim, Pahar Ganj, Delhi-110055, changed my name to MADHU BALA permanently

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **तोहसीन, पुत्रः याकिम, निवासीः मकान नंबर-151, लोकप्रिय विहार, खोरा कॉलोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201309 और निवासीः नूरानी मस्जिद वाली गली-2, पुस्ता खोड़ा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No.: 09448/2024, U/s: 379/411/34 IPC, पुलिस थाना मधु विहार, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **तोहसीन** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **तोहसीन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना मधु विहार, दिल्ली** के अभियुक्त **तोहसीन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 10.03.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री उदभव कुमार जैन
जेएमएफसी-04, शाहदरा जिला,
कमरा नंबर 13, दूसरी मंजिल
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/371/ED/2026

कार्यालय- दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित बालोद,जिला-बालोद(छ.ग.)

//ई-निविदा सूचना//

ई-निविदा क्रं. 183554 व 183555 — दिनांक- 09/01/2026

दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित बालोद द्वारा पेराई सत्र 2025-26 में उत्पादित लगभग 500 मि.टन मोलासीस विक्रय एवं कारखाना बीमा हेतु प्रथम ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा हेतु इच्छुक फर्मो/निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई-निविदा के वेबसाईट में जाकर पृथक-पृथक ई-निविदा हेतु फार्म राशि 1000/-(311/-चिप्स के द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज अतिरिक्त) ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-procurement Portal://eproc.cgstate.gov.in) से फार्म अपलोड किया जाना है।

नोटः-निविदा की शर्ते व नियम निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साईड www.dmsskm.com में भी अवलोकन कर सकते है।
ई-निविदा हेतु तकनीकि सहयोग के लिए सम्पर्क-9340276297 एवं अन्य जानकारी हेतु 9907406733, 9098817773

प्रबंध संचालक

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

जींद के उपायुक्त को पीएचसी निडाना में मिली अव्यवस्थाएं

एजेंसी

जींद। जनसुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं तथा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने गांव निडाना स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जलघर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित स्थलों की स्थिति का गहन अवलोकन किया तथा सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन की वर्तमान स्थिति गंभीर पाई गई। भवन में सीलन, दीवारों व छत में दरारें, फर्श की जर्जर अवस्था तथा प्रकाश एवं वायु संचार की अपर्याप्त व्यवस्था को देखते हुए उपायुक्त ने मरीजों, विशेषकर महिला एवं बाल मरीजों, चिकित्सीय स्टाफ तथा आमजन की सुरक्षा के दृष्टिगत तत्काल एहतियाती कदम उठाने के सख्त निर्देश दिए। जनहित एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिए कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को अस्थायी रूप से किसी सुरक्षित सामुदायिक भवन अथवा धर्मशाला में स्थानांतरित किया जाए। इस संबंध में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को दो दिन के भीतर पंचायत से प्रस्ताव पारित करा कर अस्थायी स्थानांतरण की प्रक्रिया पूर्ण करवाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पंचायती राज विभाग के कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए गए हैं कि अस्थायी स्थान पर ओपीडी, जांच, दवा वितरण तथा महिला एवं बाल मरीजों के उपचार के लिए आवश्यक अस्थायी विभाजित कैबिनों का निर्माण शीघ्र करवाया जाए ताकि चिकित्सीय सेवाएं सुरक्षितए सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संचालित हो सकें।

गुरुग्राम में नियमों की अनदेखी करने वाले 286 सीएससी सेंटर किए बंद

गुरुग्राम। जिला में सीएससी सेंटरों की जांच के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर कड़ा कदम उठाया गया है। जिला प्रबंधक द्वारा अब तक 286 कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) को बंद कर दिया गया है। जांच में सामने आया कि इन केंद्रों पर सरकार द्वारा निर्धारित रेट लिस्ट, अधिकृत ब्रांडिंग तथा पुलिस वेरिफिकेशन जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं थीं, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। जिला प्रबंधक विकास पूनिया ने बताया कि आम नागरिकों को पारदर्शी एवं विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से जिले के सभी सीएससी सेंटरों का भौतिक व दस्तावेजी वेरिफिकेशन किया जा रहा है। वर्तमान में यह प्रक्रिया लगातार जारी है और प्रत्येक सेंटर को तय मानकों के अनुरूप जांचा जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि वेरिफिकेशन के दौरान यदि किसी भी सीएससी सेंटर पर रेट लिस्ट प्रदर्शित नहीं पाई गई, अधिकृत ब्रांडिंग नहीं होगी अथवा पुलिस वेरिफिकेशन अधूरा या अनुपस्थित मिला तो संबंधित सेंटर को बिना किसी पूर्व सूचना के तत्काल बंद कर दिया जाएगा। जिला प्रबंधक विकास पूनिया ने सीएससी संचालकों से अपील की है कि वे सभी निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को सुचारू और सुरक्षित सेवाएं मिलती रहें।

जयभगवान सैनी को 'बाल साहित्य भूषण' सम्मान

हिसार। हिसार के वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षाविद् जयभगवान सैनी को साहित्यिक क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए राजस्थान के नाथद्वारा में आयोजित साहित्यकार सम्मान समारोह में 'बाल साहित्य भूषण' सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री रविकांत गर्ग, आचार्य विनय महाराज, श्याम प्रकाश देवपुरा, प्रधानमंत्री, साहित्य मंडल द्वारा प्रदान किया गया। सहित्य मंडल श्री नाथद्वारा की ओर से आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला एवं साहित्यकार सम्मान-समारोह में जयभगवान सैनी को शॉल ओढ़ाकर, पटका प्रदान कर, नकद राशि, प्रशस्ति पत्र, प्रमाण पत्र एवं श्री नाथ द्वारा का स्वरूप भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में जयभगवन सैनी की साहित्यिक सेवाओं पर चर्चा की गई।राज्य मंत्री व अन्य अतिथियों ने जयभगवान की दो नई पुस्तकों 'भागती-दौड़ती मुंबई (यात्रा)', 'जीवन लहरें (उपन्यास)' का लोकार्पण भी किया गया। वैसे तो वरिष्ठ साहित्यकार जयभगवान सैनी की अब तक 35 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। बाल साहित्य पर केंद्रित इनकी 'चुन्नू-मुन्नू', 'पक्षियों का संसार' व 'कलरव करते पक्षी' तीन पुस्तकें भी छप चुकी हैं। इन्हें यह सम्मान बाल साहित्य लेखन में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया है।कवि-लेखक जय भगवान सैनी इसके अलावा देश के कई हिस्सों में अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुके हैं। इस सम्मान के लिए इन्हें गुरुवार को अनेक संस्थाओं, मित्रों ने बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

उपभोक्ता शिकायत निवारण में देरी पर लापरवाही स्वीकार नहीं: विक्रम सिंह

गुरुग्राम। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) ने उपभोक्ता शिकायतों के निस्तारण, सीजीआरएफ, ओम्बुड्समैन एवं एचईआरसी आदेशों के समयबद्ध अनुपालन तथा अदालती मामलों की प्रभावी पैरवी को लेकर व्यापक और सख्त स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी की है। यह कदम हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) द्वारा शिकायतों के निस्तारण और आदेशों की अनुपालना में तीव्रता लाने के लिए उठाया गया है। निगम द्वारा जारी सेल्स इंस्ट्रक्शन के अनुसार अब उपभोक्ता शिकायतों का पंजीकरण केवल डीएचबीवीएन के सीजीआरएफ आईटी पोर्टल के माध्यम से होगा और शिकायत की राशि के अनुसार उसका स्वतः संबंधित फोरम में आवंटन किया जाएगा। किसी भी प्रकार की मैनुअल या गैर-वैधानिक प्रक्रिया को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है।

हरियाणा में नई दरें तय करने को एचईआरसी प्रदेश भर में करेगा सुनवाई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में नई बिजली दरों को तय करने के लिए हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) ने प्रदेश भर में जनसुनवाई करने का फैसला किया है। इसकी शुरूआत पंचकूला से हुई। वर्तमान में प्रदेश में 83 लाख 40 हजार 34 बिजली उपभोक्ता हैं। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) द्वारा दायर वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) याचिकाओं पर जनसुनवाई हुई। इस जनसुनवाई में काफी संख्या में बिजली उपभोक्ताओं ने हिस्सा लिया। जनसुनवाई की अध्यक्षता एचईआरसी अध्यक्ष नंद लाल शर्मा, सदस्य मुकेश गर्ग व शिव कुमार ने की। इस अवसर पर यूएचबीवीएन के एमडी मनी राम शर्मा, डीएचबीवीएन के एमडी विक्रम सिंह सहित निगमों एवं एचईआरसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। नई बिजली दरों को लेकर करीब चार

घंटे चली सुनवाई में डिस्कॉम्स की ओर से बताया गया कि यूएचबीवीएन के अंतर्गत 3393 गांवों तथा डीएचबीवीएन के अंतर्गत 2517 गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। इस पर आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि जो गांव अभी शेष हैं, वहां भी अविलंब 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। दोनों बिजली वितरण निगमों की ओर से वर्ष 2026-27 के लिए एआरआर के संबंध में जानकारी दी गई कि नए वित्त वर्ष में 51,156.71 करोड़ रुपये के राजस्व की मांग की गई है, जबकि बताया गया कि इस वर्ष 1,605.16 करोड़ रुपये का सरप्लस होगा, यानी 52,761.87 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो जाएगा। हालांकि, वर्ष 2024-25 के राजस्व घाटे को जोडने् के बाद इस वर्ष 4,484.71 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा रह जाएगा। आयोग ने निर्देश दिए कि एग्रीगेट टेक्निकल एंड कमर्शियल (एटीएंडसी) लॉस हर हाल में कम किया जाए और किसी भी सूरत में यह नहीं बढना् चाहिए। साथ ही ऋण लेते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि वह सस्ती दरों पर लिया जाए। आयोग ने डीएचबीवीएन से अब तक लिए गए ऋण के संबंध में भी जानकारी मांगी। यूएचबीवीएन की ओर से बताया गया कि उनका डिस्ट्रीब्यूशन लॉस 9.33 प्रतिशत है, जबकि डीएचबीवीएन का डिस्ट्रीब्यूशन लॉस 10.26 प्रतिशत है। आयोग को बताया गया कि बीबीएमबी से 846.14 मेगावाट बिजली प्राप्त हो रही है, जिसकी दर लगभग 84 पैसे प्रति यूनिट है।

उपायुक्त ने चीफ जस्टिस के आगमन से पहले पेटवाड़ का किया दौरा

एजेंसी

हिसार। हांसी जिले के उपायुक्त राहुल नरवाल एवं पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के गांव पेटवाड़ व नारनौंद में होने वाले कार्यक्रमों की सुरक्षा व इंतजाम से जुड़ी सभी पुख्ता तैयारियों का अंतिम जायजा लिया। उपायुक्त राहुल नरवाल ने गांव पेटवाड़ में ग्रामीणों से मुलाकात कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में जानकारी ली। साथ ही चीफ जस्टिस सूर्यकांत के बड़े भाई मास्टर ऋषिकांत से भी बातचीत कर सभी कार्यक्रम स्थलों का दौरा किया। मुख्य न्यायाधीश के कार्यक्रम नारनौंद और उनके पैतृक गांव पेटवाड़ में प्रस्तावित हैं।

इसी कड़ी में हांसी कोर्ट कांप्लेक्स, नारनौंद तहसील व गांव पेटवाड़ के स्टेडियम में आयोजित सम्मान समारोह की सुरक्षा दृष्टि को ध्यान में रखते हुए, स्टेडियम की स्टेज व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग बैरिकेडिंग, ट्रेफिक रुट ड्यूटी और वीवीआईपी मुवमेंट इत्यादि से संबंधित सभी प्रकार के उचित प्रबंध बारे व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान हांसी जिले के नवनियुक्त

उपायुक्त राहुल नरवाल, एडिशनल सेशन जज हिसार निशांत शर्मा, सीजेएम अशोक कुमार भी मौजूद रहे। ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मचारियों ने ड्यूटियों की रिहर्सल की। पुलिस अधीक्षक ने सभी कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी दुरस्त व ईमानदारी से करने के निर्देश दिए व सभी ड्यूटी प्वाइंटों को चेक किया।

पानीपत में केंद्रीय मंत्री ने किया राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान के छात्रावास का उद्घाटन

एजेंसी

पानीपत। भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने पानीपत के राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान परिसर में नवनिर्मित अत्याधुनिक बालिका छात्रावास का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को सुरक्षित आवास, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और उद्योग आधारित कौशल उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। मंत्री ने कहा कि जब युवा महिलाएं बिना किसी रुकावट के तकनीकी शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं, तो देश की विकास यात्रा और अधिक सशक्त होती है।हरियाणा प्रतिभा, ऊर्जा और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जाना जाता है और यहां की बेटियां देश का नाम रोशन कर रही हैं। नया छात्रावास अधिक से अधिक छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ उच्च कौशल वाले करियर की ओर बढने् में मदद करेगा। मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि सरकार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को मजबूत करने के लिए 60 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी योजना चला रही है।

इस योजना से प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ेगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत पांच औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का एक समूह (क्लस्टर) बनाया गया है, जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम तैयार करते समय यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उद्योग को किस प्रकार की दक्षता चाहिए। जयंत चौधरी ने जानकारी दी कि पलवल, कुरुक्षेत्र और सोनीपत को प्रमुख समूहों के रूप में चुना गया है और औद्योगिक प्रशिक्षण क्षेत्र में बड़े स्तर पर निवेश किया जाएगा।

भाजपा सरकार बदल रही है 'मनरेगा' की मूल भावना : कुमारी सैलजा

एजेंसी

देहरादून। विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) कानून 2025 का विरोध करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की महासचिव एवं प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। सैलजा ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) की आत्मा को खत्म करना चाहती है। उन्होंने कहा कि इसमें बदलावों के विरोध में कांग्रेस पार्टी प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

देहरादून में प्रदेश कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कुमारी सैलजा ने कहा कि यह सिर्फ नाम या प्रक्रिया बदलने का मामला नहीं है, बल्कि मजदूरों के अधिकारों को समाप्त करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि मनरेगा एक मांग-आधारित रोजगार का

कानूनी अधिकार था, जिसमें सरकार काम देने के लिए बाध्य थी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने आरोप लगाते हुए कहा कि नए प्रावधानों के तहत मनरेगा को आपूर्ति-आधारित योजना में बदला जा रहा है, जिसमें काम की उपलब्धता केंद्र सरकार के बजट और तय मापदंडों पर निर्भर होगी। इससे ग्राम प्रधानों के अधिकार समाप्त होंगे और शक्ति के विकेंद्रीकरण की मूल भावना खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले योजना में श्रम लागत का लगभग 90 प्रतिशत केंद्र सरकार वहन करती थी, जबकि नए प्रावधानों में अधिकांश राज्यों के लिए यह अनुपात 60:40 कर दिया गया है। हालांकि पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए यह 90:10 रहेगा, फिर भी इससे राज्यों पर भारी वित्तीय बोझ पड़ेगा और वे रोजगार उपलब्ध कराने से हतोत्साहित होंगे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि नए कानून में कृषि के चरम मौसम के दौरान 60 दिनों तक काम रोकने की अनुमति दी गई है, जिससे मजदूरों की सौदेबाजी की शक्ति कमजोर होगी और वे बड़े किसानों व जमींदारों पर निर्भर होने को मजबूर होंगे। पहले यह रोजगार की गारंटी थी, लेकिन अब रोजगार न मिलने की गारंटी बनती जा रही है। प्रदेश प्रभारी ने मनरेगा को लेकर एक विस्तृत आंदोलन कार्यक्रम का शेड्यूल जारी किया। कार्यक्रम के अनुसार 10 जनवरी को जिलेवार प्रेस वार्ताएं आयोजित होंगी, 11 जनवरी को महात्मा गांधी या बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष धरना दिया जाएगा और 12 जनवरी से 29 फरवरी तक पंचायत स्तर पर चौपालों का आयोजन किया जाएगा। प्रेसवार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, करन माहरा, सुरेन्द्र शर्मा और मनोज यादव, समेत अनेक नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

2047 तक सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों व शैक्षणिक संस्थानों की होगी डिजिटल ट्रैकिंग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को ध्यान में रखते हुए नीव पोर्टल को विकसित किया गया है। नीव पोर्टल इंटेलिजेंट, डेटा-ड्रिवन डिसीजन सपोर्ट सिस्टम है, जो नीति निर्माण और संस्थागत क्रियान्वयन के बीच की दूरी को समाप्त करता है।

मुख्यमंत्री पंचकूला में आयोजित एमओयू एक्सचेंज कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नीव पोर्टल का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रत्येक प्रावधान का वास्तविक, निष्पक्ष और सतत मूल्यांकन हो सके। यह पोर्टल रियल-टाइम डेटा, प्रदर्शन संकेतकों और भविष्यसूचक विश्लेषण के माध्यम से शिक्षा प्रणाली की निरंतर निगरानी करता है। इससे यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि कौन-सी संस्थाएं नीति के अनुरूप आगे बढ़ रही हैं और कहां सुधार की जरूरत है। यह पोर्टल केवल निगरानी का साधन नहीं, बल्कि समय रहते सुधार और दिशा-निर्देशन का प्रभावी माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

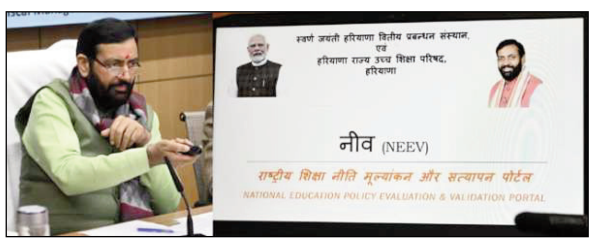

पहले चरण में नीव पोर्टल को विश्वविद्यालयों में लागू किया जा रहा है। इसके बाद महाविद्यालयों और आगे चलकर स्कूलों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों तक इसका विस्तार किया जाएगा। इस क्रमबद्ध विस्तार से शिक्षण संस्थानों में एकरूपता, गुणवत्ता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति तत्परता सुनिश्चित होगी। नीव पोर्टल के माध्यम से 2047 तक सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों में शत-प्रतिशत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अनुपालन की डिजिटल ट्रैकिंग संभव होगी। एमओयू के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ज्ञान सेतु' पहल के तहत स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टीट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट और राज्य के लगभग 28 प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया है। इसका उद्देश्य अकादमिक ज्ञान को वास्तविक प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियों से जोडना् है, ताकि शोध केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर समाज और शासन की समस्याओं का समाधान बन सके। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा गुरुओं पर की गई टिप्पणी पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुओं ने धर्म, मानवता और देश की रक्षा के लिए अपनी पीढ़ियों को कुर्बान कर दिया। गुरुओं के प्रति उनकी ऐसी सोच ही दुर्भाग्यपूर्ण है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुओं की शिक्षा से हमें प्रेरणा और आने वाली पीढ़ियों को ऊर्जा मिलती है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते हुए अरविंद केजरीवाल ने शिक्षा की बजाय शराब के ठेके खोले। महिलाओं के लिए अलग से शराब के ठेके खोले। ऐसा पूरे देश में केवल दिल्ली में हुआ है।

सेक्टरों की समस्याओं पर मेयर ने किया एचएसवीपी अधिकारियों से मंथन

एजेंसी

हिसार। शहर के सेक्टरों से जुड़ी सीवरेज, पेयजल और अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं बारे एचएसवीपी विभाग की नगर निगम कार्यालय में मेयर प्रवीण पोपली की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में एचएसवीपी के अधिकारियों के साथ-साथ नगर निगम के पार्षद और पार्षद प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक का उद्देश्य शहर के विभिन्न सेक्टरों में आ रही समस्याओं पर चर्चा कर उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना था। बैठक में एचएसवीपी के कार्यकारी अभियंता भूपेन्द्र सिंह, एसडीओ अनूप सिंह व नरेंद्र सिंह के अलावा पार्षद मनोहर लाल, जगमोहन मित्तल, डॉ. सुमन यादव, हरिसिंह सैनी, राजेन्द्र बिडलान, रवि सैनी, राजेश अरोड़ा, मोहित सिंघल, संजय डालमिया, भीम महाजन सहित कई पार्षद प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी पार्षदों व प्रतिनिधियों ने अपने-अपने वार्डों के अंतर्गत आने वाले सेक्टरों में पेयजल आपूर्ति, सीवरेज जाम, बरसाती नालों की सफाई और खाली प्लॉटों में उगी झाड़ियों जैसी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। पार्षदों ने गुरुवार को इस बैठक में बताया कि कई क्षेत्रों में सीवरेज लाइनें बार-बार जाम हो जाती हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं कुछ सेक्टरों में दूषित पेयजल की शिकायतें भी सामने आई हैं। इस पर मेयर प्रवीण पोपली ने एचएसवीपी अधिकारियों को सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिंदल चौक से जिंदल पुल तक बरसाती नाले की सफाई का कार्य प्रगति पर है, जबकि जिंदल अस्पताल रोड पर बरसाती लाइन की सफाई का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। दूषित पेयजल की शिकायतों पर अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही तकनीकी जांच कर समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा।

जी राम जी योजना से श्रमिकों को मिलेगी गारंटीशुदा मजदूरी:गंगवा

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) योजना के अंतर्गत इस बार पहले की तुलना में कई गुना अधिक बजट निर्धारित किया गया है। नए प्रावधानों के तहत रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन करने से श्रमिकों की गारंटीशुदा मजदूरी को काफी बढ़ावा मिलेगा। योजना में अब केवल श्रम आधारित कार्य ही नहीं, बल्कि जल प्रबंधन सहित अन्य विकास कार्यों को भी जोड़ा गया है, जिससे योजना का दायरा और प्रभाव दोनों बढ़े हैं। हरियाणा में इस योजना के माध्यम से 52 प्रतिशत अनुसूचित जाति श्रमिकों और 65 प्रतिशत से अधिक महिला श्रमिकों को रोजगार देने का काम किया है। मंत्री गंगवा सिरसा जिले के डबवाली शहर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मंत्री गंगवा ने कहा कि वर्तमान सरकार ने श्रमिकों को वास्तविक रूप से रोजगार देने का काम किया है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने इस वर्ष एक लाख 51 हजार 282 करोड़ रुपये का

आवंटन किया गया है, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 88 हजार करोड़ थी, जो उस समय तक का सबसे अधिक आवंटन था यानी पिछले रिकॉर्ड आवंटन को भी पार कर लिया गया है। इसमें अकेले केंद्र सरकार का हिस्सा 95 हजार करोड़ रुपये से अधिक होगा, जिसे सरकार आने वाले वर्षों में बढ़ाने का वादा करती है। योजना में केंद्र और राज्य सरकार का 60:40 का अनुपात है, जिससे राज्य सरकार पर किसी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रही है और कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। हाल ही में गांव गंगा में निर्माण कार्यों में खामियां मिलने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार विकास कार्यों को पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और जनहितकारी तरीके से पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस मौके पर भाजपा की डबवाली जिलाध्यक्ष रेणू शर्मा, चेयरमैन सतीश जग्गा, पूर्व सांसद चरणजीत रोड़ी, अमीलाल परीक आदि मौजूद थे।

हांसी जिले के पहले डीसी डॉ. राहुल नरवाल ने संभाला कार्यभार

एजेंसी

हिसार। नवगठित हांसी जिले के पहले डीसी के रूप में डॉ. राहुल नरवाल ने जिला सचिवालय पहुंच विधिवत रूप से कार्यभार संभाल लिया। डॉ. नरवाल इससे पूर्व फतेहाबाद और चरखी दादरी जिलों में उपायुक्त के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। जिला उपायुक्त द्वारा कार्यभार संभालने से पहले जिला सचिवालय परिसर में स्कूली बच्चों ने परेड के माध्यम से डॉ. राहुल नरवाल का स्वागत किया। इस दौरान जिला सचिवालय परिसर को गुब्बारों और फूलों की आकर्षक साज-सज्जा से सजाया गया था।

इस अवसर पर उपायुक्त डा. राहुल नरवाल ने कहा कि हांसी जिला उनके लिए नई जिम्मेदारी और एक बड़ा अवसर है। उन्होंने बताया कि जिले के समग्र विकास के लिए कई प्राथमिकताएं तय की गई हैं, जिन्हें सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय और योजनाबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। डॉ. नरवाल ने स्पष्ट किया कि जनहित, पारदर्शिता, समयबद्ध कार्यप्रणाली और विकास कार्यों में गति उनकी प्रशासनिक कार्यशैली का मूल आधार रहेगा। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे सरकार की नीतियों को ईमानदारी और प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू करें तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हांसी प्रदेश के अन्य जिलों में अग्रणीय जिले के रूप में कार्य करेगा।

अब नहीं जाना पड़ेगा हिसार : विधायक इस अवसर पर विधायक विनोद भयाना ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 16 दिसंबर को हांसी को जिला घोषित करने के बाद मात्र तीन दिन में जिले के गठन की अधिसूचना जारी कर दी थी। और अब डीसी के विधिवत पदभार ग्रहण करने से हांसी जिले की जनता को अपने प्रशासनिक कार्यों के लिए हिसार नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर हांसी के एसडीएम राजेश खोथ, तहसीलदार अनिल कुमार बिढ़ान व डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई सहित सभी प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर दस लाख ठगने वाले युवक को राशि लौटाने के आदेश

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने अपने दो दिवसीय गुरुग्राम दौरे के पहले दिन पुलिस आयुक्त कार्यालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में महिला उत्पीडन् एवं घरेलू हिंसा से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की। इस दौरान आयोग में दर्ज 20 शिकायतों पर विस्तार से सुनवाई की गई। सभी मामलों में संबंधित विभागों और पुलिस अधिकारियों को शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सुनवाई के दौरान एक मामले में सामने आया कि एक युवक से महिला की शादी तय हो चुकी थी और शादी होने वाली थी। इसी विश्वास के आधार पर युवक ने महिला से करीब 10 लाख रुपये ले लिए, लेकिन बाद में वह बिना जानकारी दिए लंदन चला गया। इस पर चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने सख्त रुख अपनाते हुए तीन माह के भीतर पूरी राशि महिला को वापस दिलाने के आदेश दिए। तय समयसीमा में कार्रवाई न होने पर कठोर कदम उठाने की चेतावनी दी। एक अन्य प्रकरण में एक महिला ने अपने पति पर शराब के नशे में मारपीट करने और जान से मारने का प्रयास करने का आरोप लगाया। महिला ने बताया

कि उसके दो बेटे हैं, जिनकी उम्र 10 और 6 वर्ष है, और वह पिछले आठ महीनों से मायके में रह रही है। पुलिस अधिकारियों ने आयोग को अवगत कराया कि इस मामले में चालान न्यायालय में पेश किया जा चुका है और ट्रायल जारी है। आयोग ने मामले की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। बीमारी का आरोप लगाकर साथ रहने से इनकार का मामला भी आया एक वैवाहिक विवाद में पति द्वारा पत्नी पर बीमारी का आरोप लगाकर साथ रहने से इनकार करने का मामला भी सामने आया। महिला ने आरोप लगाया कि उसका पति दूसरी शादी करना चाहता है और इसी उद्देश्य से उस पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। इस पर चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने सीएमओ को पत्र लिखकर महिला की मेडिकल स्थिति की निष्पक्ष जांच कराने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि यदि विवाह के लिए झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं तो ऐसी दूसरी शादी को किसी भी स्थिति में होने नहीं दिया जाएगा।

NAME CHANGE

I, hitherto known as SEKUN KHATUN W/O BABALU R/O VILLAGE BEHRAMPUR SECTOR-59, GURGAON HARYANA-122101 have changed my name and shall hereafter be known as SAIFUN KHATUN.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SARA W/o RAM RUP, R/o Gurnauthi(105), Rohtak, Garnauthi, Haryana-124412, declare that name of mine has been wrongly written as SARAN DEVI in my husband's PPO No. 202198200284. The actual name of mine is SARA, which may be amended accordingly.

जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: सुमित कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में जिला स्तरीय समाधान शिविर आयोजित किया गया। इस समाधान शिविर की अध्यक्षता मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), जिला परिषद गुरुग्राम सुमित कुमार ने की। शिविर के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिन्हें सीईओ द्वारा गंभीरता से सुना गया। संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए अधिकतर शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया गया। सीईओ सुमित कुमार ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में भाग लेने वाले अधिकारी पूरी तैयारी के साथ उपस्थित हों, ताकि

आमजन को अनावश्यक चक्कर न काटने पड़े। उनकी समस्याओं का यथाशीघ्र निस्तारण हो सके। समाधान शिविर में ग्रामीण विकास, पुलिस विभाग, सिंचाई विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के लिए संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर सीईओ सुमित कुमार ने कहा कि समाधान शिविर केवल शिकायत सुनने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त मंच हैं। ऐसे शिविरों से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है।

उत्तराखंड में सरकारी कर्मचारियों के लिए संपत्ति नियमों में होगा संशोधन

अब दो महीने के वेतन तक की चल और अचल संपत्ति बिना पूर्व अनुमति खरीद सकेंगे

देहरादून ।

उत्तराखंड सरकार सरकारी कर्मचारियों के संपत्ति अधिग्रहण नियमों में संशोधन करने जा रही है। वर्तमान नियमों के तहत, कर्मचारियों को 5,000 रुपये से अधिक मूल्य की चल संपत्ति खरीदने या बेचने के लिए पूर्व अनुमति और सूचना देना अनिवार्य है। इसके अलावा अचल या मूल्यवान संपत्ति की किसी भी खरीद-बिक्री के लिए भी अनुमति लेना जरूरी है। जुलाई में सरकार ने इस आदेश का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया था, जिसके बाद कर्मचारी संगठनों ने विरोध जताया। उनका कहना था कि यह 2002 का पुराना नियम अब अप्रचलित हो गया है और वर्तमान वेतन के अनुरूप नहीं है। प्रस्तावित संशोधन के अनुसार कर्मचारी अब दो महीने के वेतन तक की चल और अचल संपत्ति बिना पूर्व अनुमति के खरीद सकते हैं। इस सीमा से अधिक की संपत्ति के लिए अब भी सरकारी अनुमति आवश्यक होगी। कार्मिक सचिव शैलेश बागौली के अनुसार, यह बदलाव केंद्र सरकार के मानदंडों के अनुरूप किया जा रहा है। इसका मकसद प्रक्रियाओं को सरल बनाना, प्रशासनिक बोझ कम करना और कर्मचारियों को छोटी खरीदारी में स्वतंत्रता देना है। प्रस्ताव जल्द ही राज्य मंत्रिमंडल

के समक्ष रखा जाएगा।

लॉयड्स एंटरप्राइजेज का कॉल मनी नोटिस जारी

- 25 करोड़ शेयरों पर भुगतान अनिवार्य

मुंबई ।

लॉयड्स एंटरप्राइजेज ने अपने राइट्स इश्यू से जुड़ी आखिरी किस्त (कॉल मनी) की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बताया कि जिन शेयरों का पूरा पैसा अभी जमा नहीं हुआ है, उन पर अब हर शेयर के लिए 19 रुपये 50 पैसे का भुगतान करना होगा, जिसमें 19 रुपये प्रीमियम शामिल हैं। यह राशि 25 करोड़ से अधिक ऐसे शेयरों पर लागू होगी, जिनकी मूल कीमत 1 रुपये की थी, लेकिन अभी सिर्फ 50 पैसे जमा हुए थे। कंपनी ने 8 जनवरी 2026 को हुई राइट्स इश्यू कमेटी की बैठक में तय किया कि 16 जनवरी 2026 रिकॉर्ड डेट होगी। इसी दिन यह तय होगा कि किन शेयरधारकों को कॉल मनी के लिए नोटिस भेजा जाएगा। रिकॉर्ड डेट के बाद अधूरे भुगतान वाले शेयरों की खरीद-फरोख्त बंद कर दी जाएगी। कॉल मनी का भुगतान 2 फरवरी 2026 से शुरू होकर 16 फरवरी 2026 तक किया जा सकेगा। इस दौरान शेयरधारकों को तय राशि का भुगतान करना होगा, नहीं तो उनके शेयरों के अधिकार रद्द हो सकते हैं। हाल ही में कंपनी का शेयर 1.6 फीसदी गिरकर 62.89 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। हालांकि पिछले एक साल में शेयर ने 19 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जबकि निफ्टी टोटल रिटर्न इंडेक्स इस दौरान सिर्फ 5.83 फीसदी बढ़ा। बीते एक साल में शेयर 51 रुपए से लेकर 76 रुपए तक की सीमा में रहा।

रूस से तेल खरीद पर भारत को अमेरिकी द्वितीयक प्रतिबंधों का खतरा

- 500 फीसदी तक शुल्क लगाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत को अमेरिका के कड़े द्वितीयक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका में प्रस्तावित सैंक्शनिंग रशिया ऐक्ट 2025 के तहत रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। इस विधेयक को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का समर्थन मिल चुका है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा है कि राष्ट्रपति ने इस द्विदलीय विधेयक को हरी झंडी दे दी है। प्रस्तावित कानून के अनुसार, यदि कोई देश जानबूझकर रूसी पेट्रोलियम या यूरेनियम उत्पादों की खरीद में शामिल पाया जाता है, तो अमेरिका उसके उत्पादों और सेवाओं के आयात पर 500 फीसदी तक शुल्क लगा सकता है। अमेरिका पहले ही अगस्त से कई भारतीय उत्पादों पर कुल 50 फीसदी शुल्क लागू कर चुका है, जिसमें 25 फीसदी शुल्क रूस से तेल खरीद से जुड़ा दंड है। विशेषज्ञों का मानना है कि इतना अधिक शुल्क लगने पर अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात लगभग ठप हो सकता है, जिसकी सालाना कीमत 120 अरब डॉलर से अधिक है।

सरकार इंडियाएआई मिशन के तहत खरीदेगी एन वि डिया जीपीयू

- सरकार जल्द आमंत्रित करेगी एक और दौर की बोली

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार जल्द ही एने वि डिया के नवीनतम बी100 और बी200 जीपीयू की खरीद के लिए नया बोली दौर बुलाएगी। इस दौर का उद्देश्य इन अत्याधुनिक जीपीयू की आपूर्ति के लिए एल1 कीमत निर्धारित करना है। एल1 कीमत वह सबसे कम बोली है जो किसी कंपनी द्वारा जीपीयू आपूर्ति के लिए लगाई जाती है। अधिकारियों ने बताया कि पहले दौर में शामिल अन्य जीपीयू पहले तय की गई एल1 कीमत के अनुसार ही मिशन के तहत शामिल रहेंगे। बी100 और बी200 जीपीयू एने वि डिया के ब्लैकवेल आर्किटेक्चर पर आधारित हैं और उच्च प्रदर्शन वाले एआई और कम्प्यूटेशनल कार्यों के लिए बनाए गए हैं। अधिकारी उम्मीद कर रहे हैं कि बोली में अन्य नवीनतम जीपीयू भी शामिल होंगे, जिससे भारत में एआई रिसर्च और उद्योगों के लिए जीपीयू संसाधनों की विविधता बढ़ेगी। पहले तीन दौर की औसत एल1 कीमत लगभग 115 रुपये प्रति जीपीयू घंटा रही, जबकि एने वि डिया के एच100 जैसी प्रीमियम जीपीयू के लिए यह लगभग 140 रुपये प्रति जीपीयू घंटा तय हुई थी। नए जीपीयू की खरीद के बाद देश में कुल 50,000 से अधिक जीपीयू उपलब्ध होंगे। दिसंबर 2025 तक तीन दौरों में 38,000 से अधिक जीपीयू की आपूर्ति हो चुकी है, जिनमें से लगभग 25,000 जीपीयू सक्रिय हैं। ये जीपीयू विभिन्न स्टार्टअप, उद्योग और शिक्षाविदों द्वारा उपयोग किए जा

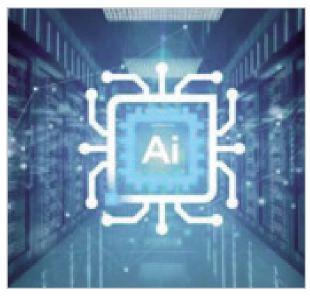

रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि नए बी100 और बी200 जीपीयू की आपूर्ति से एआई मिशन के तहत जीपीयू संसाधन और अधिक मजबूत होंगे।

वोडाफोन आइडिया के एजीआर बकाया भुगतान की समयसीमा घोषित

नई दिल्ली ।

वोडाफोन आइडिया के शेयर ने शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में लगभग 9 फीसदी की तेजी दर्ज की। पिछले बंद 11.50 रुपए के मुकाबले शेयर ने 12.52 रुपए का उच्च स्तर छुआ और वर्तमान में 11.90 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। निवेशकों ने सरकार द्वारा बकाया भुगतान पर राहत की घोषणा को सकारात्मक संकेत माना। सरकार ने वोडाफोन आइडिया के एजीआर बकाया 97,695 करोड़ रुपए को फ्रीज कर दिया है और कंपनी को भुगतान के लिए 10 साल की अवधि दी है। मार्च 2026 से मार्च 2031 तक छह वर्षों में प्रति वर्ष 124 करोड़ रुपए तक का भुगतान होगा। इसके बाद मार्च 2032 से मार्च 2035 तक चार साल में प्रति वर्ष 100 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा। शेष बकाया राशि मार्च 2036 से मार्च 2041 तक समान वार्षिक किस्तों में चुकाई जाएगी।

2026 में भारत की आर्थिक वृद्धि 6.6 फीसदी रहने का अनुमानः संयुक्त राष्ट्र

- अमेरिका द्वारा उच्च शुल्क लगाए जाने से भारत के निर्यात पर पड़ सकता है नकारात्मक प्रभाव

संयुक्त राष्ट्र ।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि 2026 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह 2025 में अनुमानित 7.4 प्रतिशत से थोड़ी कमी को दर्शाता है। रिपोर्ट में भारत को चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में भी असाधारण रूप से उच्च वृद्धि दर्ज करने वाला बताया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत में आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने वाले मुख्य कारक हैं- मजबूत निजी उपभोग और घरेलू मांग, सार्वजनिक निवेश में वृद्धि, कर सुधार और कम ब्याज दरें और अच्छी फसल से मुद्रास्फीति में कमी। अमेरिका द्वारा उच्च शुल्क लगाए जाने से 2026 में भारत के निर्यात पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

भारत के कुल निर्यात में अमेरिकी बाजार का हिस्सा लगभग 18 प्रतिशत है। हालांकि, निर्यात बाजारों का यूरोपीय संघ और पश्चिम एशिया की ओर विविधीकरण हुआ है और सेवाओं का निर्यात सबसे मजबूत बना हुआ है। यूएन डीईएसए के अनुसार दक्षिण एशिया की औसत वृद्धि दर 5.6 प्रतिशत रहेगी, जिसमें भारत का योगदान सबसे अधिक होगा। वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर 2025 में 2.8 प्रतिशत, 2026 में 2.7 प्रतिशत और 2027 में 2.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। महामारी से पहले के औसत 3.2 प्रतिशत की तुलना में यह कम है।

एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर में मामूली कटौती की

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफी बैंक ने अपनी मो र्जिनल कॉस्ट आफ फंड्स बेस्ड लें डिंग रेट (एमसीएलआर) में 5 बेसिस पॉइंट तक की कटौती की है। यह बदलाव 7 जनवरी 2026 से लागू हो चुका है। ओवरनाइट और 1 महीने की एमसीएलआर अब 8.25 फीसदी हो गई है, जबकि 3 महीने की दर 8.30 फीसदी पर आ गई है। 6 महीने की एमसीएलआर में कोई बदलाव नहीं हुआ और यह 8.40 फीसदी पर स्थिर है। 1 साल की दर 8.40 फीसदी हो गई है, जबकि 2 साल और 3 साल की एमसीएलआर क्रमशः 8.50 फीसदी और 8.55 फीसदी पर स्थिर रही। एमसीएलआर वह न्यूनतम ब्याज दर है जिस पर बैंक किसी लोन को प्रदान करती है। इसे आरबीआई ने 2016 में लागू किया था ताकि ब्याज दरों में पारदर्शिता बनी रहे। एचडीएफसी बैंक की वर्तमान बेस रेट 8.90 फीसदी है और बीपीएलआर 17.40 फीसदी पर लागू है। इस कटौती से एमसीएलआर से जुड़े लोन लेने वाले ग्राहकों को खासकर छोटे टेन्योर के लोन पर हल्की राहत मिलेगी।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 27 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.17 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया सात पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.97 पर बंद हुआ था। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा दबाव में रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका के शुल्क बढ़ाने की चिंताओं और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी ने विदेशी निवेशकों द्वारा शेयर की बिकवाली को बढ़ावा दिया जिससे स्थानीय मुद्रा पर और दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.88 पर खुला। हालांकि बाद में फिसलकर 89.97 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दिखाता है। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख के कारण रुपया गुरुवार को तीन पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.90 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 98.93 पर स्थिर रहा।

दिसंबर में म्यूचुअल फंड निवेश घटकर पहुंचा 28,054 करोड़

- गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेशक दिखा रहे हैं विशेष रुचि

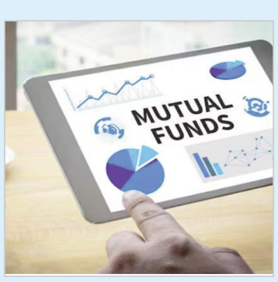

नई दिल्ली । एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार दिसंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश घटकर 28,054 करोड़ रुपये रह गया, जो नवंबर के 29,911 करोड़ रुपये से लगभग 6 फीसदी कम है। हालांकि यह अक्टूबर के 24,690 करोड़ रुपये से अधिक है। फ्लेक्सी-कैप फंड सबसे लोकप्रिय विकल्प बने रहे, जिसमें 10,019 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। इसके बाद मिड-कैप फंड में 4,176 करोड़ रुपये, लार्ज एवं मिड-कैप फंड में 4,094 करोड़ रुपये और स्मॉल-कैप फंड में 3,824 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। वहीं ईएलएसएस और लाभांश प्रतिफल फंड में क्रमशः 718 करोड़ और 254 करोड़ रुपये की निकासी हुई। म्यूचुअल फंड उद्योग के समग्र परिसंपत्ति आधार (एयूएम) में नवंबर के 80.80 लाख करोड़ रुपये से घटकर दिसंबर में 80.23 लाख करोड़ रुपये रह गया। इसमें मुख्य कारण ऋण योजनाओं से हुई भारी निकासी है। दिसंबर में ऋण फंड से 1.32 लाख करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई, जबकि नवंबर में यह 25,692 करोड़ रुपये थी। गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेशक विशेष रुचि दिखा रहे हैं। दिसंबर में गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध निवेश 11,647 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो नवंबर के 3,742 करोड़ रुपये और अक्टूबर के 7,743 करोड़ रुपये से काफी अधिक है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 604, निफ्टी 193 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 604.72 अंक की गिरावट के साथ 83,576.24 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 193.55 अंक की गिरावट के साथ 25,683.30 अंक के आस-पास बंद हुआ।बाजार जानकारों के अनुसार आने वाली तीसरी तिमाही की आय को लेकर अनिश्चितता से निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी। ऐसे मे निवेशक इस बात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं कि बड़ी कंपनियां कैसा प्रदर्शन करती हैं। इस बड़ी गिरावट के कारण बीएसई के मिड-कैप और स्मॉल-कैप इंडेके स में गिरावट दर्ज की गई। यह बिकवाली मुख्य रूप से रूस से तेल आयात करने वाले देशों के खिलाफ अमेरिकी व्यापारिक कार्रवाइयों में बढ़े दबाव के कारण हुई है।

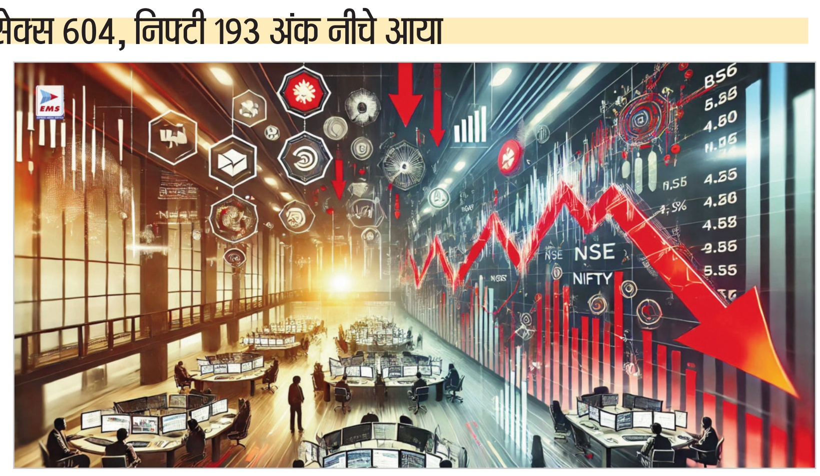

बीएसई के मार्केट कैप के आधार पर मापी गई निवेशक संपत्ति पिछले सत्र के 472.25 लाख करोड़ रुपये से घटकर 467.87 लाख करोड़ रुपये रह गई, जिसमें 4.38 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। पिछले पांच सत्रों में यह आंकड़ा 13.37 लाख करोड़ रुपये कम हुआ है।

इससे पहले आज सुबह बाजार ने सीमित बढ़त के साथ शुरुआत की। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में कमजोरी के साथ 84,022 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी भी गिरावट के साथ 25,840 अंक पर खुला। कारोबार की शुरुआत में निफ्टी 25,900 के स्तर के ऊपर गया, लेकिन बाद में दबाव में आ गया। आईटी और एनर्जी शेयरों में सीमित खरीदारी देखने को मिली, जबकि कुछ बैंकिंग और मेटल शेयरों में मुनाफावसूली का दबाव रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में मजबूती से बाजार को सहारा मिला, लेकिन व्यापक बाजार में निवेशकों का उत्साह सीमित दिखा। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला वैश्विक व्यापार और बाजारों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसी वजह से घरेलू बाजार में फिलहाल सतर्कता का माहौल है और निवेशक बड़े दांव लगाने से बचते नजर आ रहे हैं।

कीस्टोन रियल्टर्स की 9 महीने की बिक्री में 23 फीसदी बढ़ी

- पिछले साल की समान तिमाही में 863 करोड़की बिक्री की तुलना में 3 फीसदी कम

मुंबई । रियल एस्टेट डेवलपर कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बिक्री बुकिंग 837 करोड़ रुपए दर्ज की। यह पिछले साल की समान तिमाही में 863 करोड़ रुपए की बिक्री की तुलना में 3 फीसदी कम है। कंपनी ने इस मामूली गिरावट को ÷मजबूत प्रदर्शन की तिमाही÷ के रूप में बताया है। कंपनी ने अप्रैल-दिसंबर 2025 के पहले नौ महीनों में बिक्री बुकिंग 2,676 करोड़ रुपए की, जो पिछले वर्ष की 2,174 करोड़ रुपए की बिक्री से 23 फीसदी अधिक है। इससे पता चलता है कि वर्ष की शुरुआत से ही कंपनी की परिचालन गति मजबूत रही। कीस्टोन रियल्टर्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी का व्यापार मॉडल मजबूत है और अनुशासित क्रियान्वयन से निरंतर वृद्धि बनी हुई है। उन्होंने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही को कंपनी की क्षमता और स्थिरता का प्रमाण बताया। कीस्टोन रियल्टर्स रुस्तमजी ब्रांड के तहत संपत्तियों की बिक्री करती है और मुंबई महानगर क्षेत्र में कई आवासीय परियोजनाओं का विकास कर चुकी है। यह देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में शामिल है।

लेनोवो भारत को एआई सर्वर का वैश्विक निर्यात केंद्र बनाएगी

- बेंगलुरु विकास प्रयोगशाला का उपयोग कर एआई सर्वर सिस्टम डिजाइन करेगी

लास वेगास ।

वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी लेनोवो भारत में अपने बेंगलुरु विकास प्रयोगशाला का उपयोग कर एआई सर्वर सिस्टम डिजाइन करेगी। इसके बाद इन सर्वरों का निर्माण पांडिचेरी संयंत्र में होगा, जो घरेलू उपयोग और वैश्विक निर्यात दोनों के लिए काम करेगा। कंपनी ने बताया कि वह सिंगल और टू-सॉकेट सिस्टम भारत में ही तैयार करेगी और भविष्य में इन्हें एआई के मुख्य आधार के रूप में देखा जाएगा। लेनोवो का कहना है कि भारत में मोबाइल और पीसी का सफल विनिर्माण पहले से हो चुका है। इसी अनुभव के आधार पर कंपनी भविष्य में भारत से सर्वर बनाकर दुनिया भर में निर्यात करेगी। लेनोवो भारत को आईटी हार्डवेयर उत्पादन प्रोत्साहन योजना (17,000 करोड़ रुपए) के तहत लाभार्थी कंपनियों में से एक चुना गया है। कंपनी भारतीय सरकार की सॉवरेन एआई नीति की

सराहना करती है।

पारंपरिक एयर कूलिंग की तुलना में लेनोवो की लिक्विड कूलिंग प्रौद्योगिकी (नेपच्यून) ऊर्जा खपत को लगभग 40 फीसदी तक कम करती है और अपशिष्ट ऊष्मा का पुनर्चक्रण संभव बनाती है।

एआई और बढ़ती प्रतिस्पर्धा से पेशेवरों की नई नौकरी पाने की चुनौती बढ़ी

नई दिल्ली ।

देशभर के पेशेवरों में 84 फीसदी नई नौकरी पाने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। हाल ही में किए गए एक शोध के मुता बिक 72 फीसदी का कहना है कि वे 2026 में सक्रिय रूप से नई भूमिका की तलाश में हैं, लेकिन 76 फीसदी का मानना है कि पिछले एक साल में कंपनी बदलना बेहद मुश्किल हो गया है। डेटा दिखाता है कि खुली भूमिकाओं पर आवेदकों की संख्या 2022 की तुलना में दोगुनी हो गई है। एआई-संचालित भर्ती प्रक्रियाओं के चलते कई पेशेवर स्वयं को पर्याप्त तैयार महसूस नहीं कर पा रहे हैं, जिससे आत्मविश्वास में कमी आई है। लगभग 74 फीसदी भारतीय भर्तीकर्ता पिछले साल योग्य प्रतिभा ढूंढने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। हालांकि 87 फीसदी लोग काम पर एआई के उपयोग में सहज हैं, फिर भी सही उम्मीदवार चुनना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि पेशेवरों को डिजिटल कौशल सुधारना, नेटवर्किंग बढ़ाना और-द्ध-संचालित भर्ती प्रक्रियाओं की तैयारी करनी चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य और मेंटरशिप कार्यक्रम भी आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

खदान परिचालन की समयसीमा घटा सकती है सरकार

- खान मंत्रालय ने 3 साल से घटाकर 2 साल करने का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली । खान मंत्रालय ने कंपनियों के लिए नई नीलाम की गई खदानों को चालू करने की समयसीमा मौजूदा 3 साल से घटाकर 2 साल करने का प्रस्ताव रखा है। इसके साथ ही मंत्रालय ने राज्य सरकारों को दिए जाने वाले एक साल के विस्तार को हटाने का सुझाव दिया है। एमएमडीआर अधिनियम की धारा 4ए(4) के तहत अगर खनन पट्टा मिलने के 2 साल के भीतर उत्पादन और प्रेषण शुरू नहीं होता है, तो खनन पट्टा स्वतः समाप्त हो जाता है। प्रस्तावित संशोधन के लागू होने के बाद यह समयसीमा और भी सख्त हो जाएगी। मंत्रालय ने हाल ही में जारी अधिसूचना में कहा कि प्रौद्योगिकी, ऑटोमेशन, डिजिटल प्रक्रियाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार के कारण खदान चालू करने में लगने वाला समय कम हो गया है। मंत्रालय ने एमएमडीआर (संशोधन) विधेयक, 2026 के लिए व्यापक परामर्श के हिस्से के रूप में 22 जनवरी तक सार्वजनिक टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन मिनरल्स इंडस्ट्रीज के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रस्ताव में पट्टा मिलने के बाद मंजूरी और कानूनी प्रक्रियाओं की जटिलताएं नजरअंदाज की गई हैं।

ट्रंप के 500प्र. टैरिफ हथौड़े का वार बेअसर करेगी मोदी की ढाल, देखती रह जायेगी दुनिया

नीरज कुमार दुबे

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका की इस आक्रामक नीति से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ने की आशंका है। यूरोपीय संघ के लिए यह चेतावनी है कि अमेरिका अपने हितों के लिए किसी को भी निशाना बना सकता है।

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी देकर वैश्विक व्यापार में नया तूफान खड़ा कर दिया है। इस कदम को सीधे तौर पर भारत, चीन और यूरोपीय संघ जैसे बड़े बाजारों के खिलाफ दबाव की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। खास बात यह है कि अमेरिका पहले से ही भारत पर ऊंचे टैरिफ लागू कर चुका है लेकिन इसके बावजूद भारत का निर्यात तेजी से बढ़ा है और अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है।

देखा जाये तो अमेरिकी राजनीति में आक्रामक व्यापार नीति की वापसी हो चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के दौर की टैरिफ भाषा जोर पकड़ रही है। इसी कड़ी में अमेरिका ने भारत के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से खुद को अलग कर लिया है जिससे यह संकेत भी मिला है कि वह जलवायु और व्यापार दोनों मोर्चों पर बहुपक्षीय सहयोग से पीछे हट रहा है। अमेरिका की इस रणनीति से सिर्फ भारत या चीन ही नहीं बल्कि यूरोपीय संघ भी असहज है और वहां भी अमेरिकी धमकियों को लेकर बेचैनी बढ़ रही है।

वैसे भारत की स्थिति इस पूरे घटनाक्रम में अलग दिखाई देती है। हालिया आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात तीन वर्षों की सबसे तेज दर से बढ़ा है। घरेलू मांग में मजबूती, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं, विनिर्माण को बढ़ावा देने और नियमों को सरल बनाने से भारतीय उद्योग को नया आत्मविश्वास मिला है। साथ ही मोदी सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देकर और सुधारों को तेज कर यह संदेश दिया है कि बाहरी दबावों के आगे झुकने की बजाय भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका की इस आक्रामक नीति से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ने की आशंका है। यूरोपीय संघ के लिए यह चेतावनी है कि अमेरिका अपने हितों के लिए किसी को भी निशाना बना सकता है। वहीं भारत ने साफ कर दिया है कि वह दबाव की कूटनीति से नहीं बल्कि आर्थिक ताकत से जवाब देगा। देखा जाये तो अमेरिका का 500 प्रतिशत टैरिफ का शोर दरअसल डर की राजनीति है। यह उस व्यवस्था की घबराहट को दिखाता है जो दुनिया के बदलते आर्थिक संतुलन को स्वीकार नहीं कर पा रही। भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहां वह न तो किसी के सामने झुकने को तैयार है और न ही टकराव की बेकार लड़ाई में पड़ना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीति साफ है यानि सीधी भिड़ंत नहीं बल्कि नीतिगत प्रहार किया जाये।

देखा जाये तो मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में जो सुधार किए हैं वे आज इस संकट के समय ढाल बनकर सामने आ रहे हैं। विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं हों या विदेशी निवेश के लिए नियमों का सरलीकरण हो, हर कदम का मकसद एक ही है भारत को आत्मनिर्भर बनाना। घरेलू उपभोक्ता बाजार की ताकत को सरकार ने रणनीतिक हथियार में बदला है। जब बाहरी बाजार दबाव बनाते हैं तब भीतर की मांग अर्थव्यवस्था को संभाल लेती है।

यदि अमेरिका सचमुच भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाता है तो मोदी के पास कई विकल्प हैं। पहला है निर्यात बाजारों का और विविधीकरण। हम आपको बता दें कि भारत पहले ही एशिया अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। दूसरा उपाय है घरेलू विनिर्माण को और आक्रामक समर्थन। तीसरा उपाय है व्यापार समझौतों को तेज करना ताकि अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम हो। चौथा उपाय है विश्व व्यापार संगठन जैसे मंचों पर कानूनी और कूटनीतिक लड़ाई।

वैसे अमेरिका की यह नीति खुद उसके लिए भी जोखिम भरी है। यूरोपीय संघ और चीन के साथ एक साथ टकराव वैश्विक मंदी को न्योता दे सकता है। भारत इस पूरे खेल में संतुलन की भूमिका निभा रहा है। न तो आंख दिखा रहा है और न ही आंख झुका रहा है। यही रणनीतिक परिपक्वता है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की शैली टैरिफ धमकी और दबाव पर आधारित रही है लेकिन मोदी की शैली नीतियों और सुधारों पर टिकी है। दोनों नेताओं के बीच यही मूल फर्क है। भारत ने दिखा दिया है कि टैरिफ से डर कर फैसले नहीं बदले जाते बल्कि अर्थव्यवस्था को इतना मजबूत बनाया जाता है कि टैरिफ बेअसर हो जाएं।

उधर, अमेरिका के सौर गठबंधन से हटने का फैसला भी यही बताता है कि वह सहयोग की नहीं बल्कि नियंत्रण की राजनीति चाहता है। इसके उलट भारत बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर रहा है। यही कारण है कि आज भारत को ग्लोबल साउथ की आवाज माना जा रहा है। देखा जाये तो आज भारत की अर्थव्यवस्था सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं है बल्कि आत्मविश्वास की कहानी है। निर्यात का बढ़ना, घरेलू मांग का मजबूत होना और सुधारों की निरंतरता यह सब बताता है कि भारत सही दिशा में है। अमेरिका चाहे जितनी भी ऊंची दीवार खड़ी करे भारतीय अर्थव्यवस्था उसके ऊपर से रास्ता निकाल लेगी।

साथ ही यूरोपीय संघ और चीन के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। अमेरिकी दबाव के आगे झुकना समाधान नहीं है। भारत ने यह रास्ता दिखा दिया है कि आर्थिक मजबूती ही सबसे बड़ा जवाब है। इसलिए यह साफ है कि टैरिफ की राजनीति अल्पकालिक हथियार है जबकि सुधार और आत्मनिर्भरता दीर्घकालिक शक्ति हैं। मोदी की नीतियां इसी दीर्घकालिक सोच पर आधारित हैं। अगर अमेरिका 500 प्रतिशत टैरिफ का हथौड़ा उठाता है तो भारत के पास नीति सुधार, उपभोक्ता शक्ति और वैश्विक साझेदारी की पूरी ढाल मौजूद है। यही वजह है कि शोर चाहे जितना भी तेज हो, भारत की चाल शांत लेकिन घातक बनी हुई है।

बहरहाल, अमेरिका चाहे यह कह दे कि व्यापार समझौता इसलिए अटका क्योंकि मोदी ने फोन नहीं किया, लेकिन सच्चाई इससे कहीं अलग है। मोदी ऐसे नेता नहीं हैं जो दबाव में आकर या किसी के इशारे पर फैसले लें। भारत की नीति फोन कॉल से नहीं, राष्ट्रीय हित से तय होती है। अगर शर्तें देश के हित में नहीं हैं, तो मोदी पीछे हटने में संकोच नहीं करते। यही कारण है कि भारत आज आत्मविश्वास के साथ दुनिया से बात करता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि नया भारत सम्मान चाहता है, आदेश नहीं। मोदी की विदेश नीति साफ है, बराबरी पर बात होगी, दबाव में नहीं।

संपादकीय

आधी रात दंगे की साजिश

जनवरी 6-7 की दरमियानी रात, करीब 1.30 बजे, गहरी नींद में सोने का वक्त था, लेकिन राजधानी दिल्ली के तुर्कमान गेट में उपद्रव था, पथराव किया जा रहा था, कांच की बोतलों से भी हमले किए गए। एक उन्मादी, मजहबी और जेहादी किस्म की भीड़ थी, जो दंगा फैलाने पर आमादा लग रही थी। सिर्फ एक सफेद झूठ, मस्जिद तोड? की अफवाह, ने भीड़ को सडकों पर उतरने को विवश किया था। एक वीडियो में एक शख्स भडका-उकसा रहा था-ह्वभाईयो! घरों से बाहर निकलने का वक्त है। अपनी दुकानें बंद करो। रात काली करो! मिलिट्री भी आ गई है। उधर कर्फ्यू लगा रखा है, ताकि मस्जिद को तोड़ा जा सके। देखो! मुसलमानों के क्या हाल किए जा रहे हैं! घरों से निकलो! हमें मस्जिद को बचाना है ह्ल सिर्फ यही नहीं, किसी जलाल इमरान ने बड़े झूठ का वीडियो जारी किया-ह्वमस्जिद तोड़ दी गई। 12 बजे से 3 बजे के बीच मस्जिद तोड़ दी गई ह्ल रिजवान पाशा ने भी सोशल मीडिया पर झूठ बोल कर दंगा भडकाने की साजिश की और मस्जिद को तोडे की झूठी खबर फैलाई। दिल्ली पुलिस ने ऐसे करीब 100 वीडियो जारी किए जाने की बात कही है, जिनमें मस्जिद तोडे की अफवाह फैलाई गई। सर्दी की आधी रात में पत्थर, ईंटें, कांच की बोतलें, कीलें आखिर कहां से आ गई, यह सवाल एक बार फिर उभरा है। यही दृश्य उन इलाकों में भी सामने आया है, जो मुस्लिम बहुल थे और जहां दंगे जैसी हिंसा हुई थी। दिल्ली दंगे भी इसी पृष्ठभूमि पर भडके और फैले थे। अब तो राजधानी दिल्ली की सुरक्षा को भी ठेंगा दिखाया जा रहा है। ब्रह्म-सत्य सा यथार्थ यह है कि प्राचीन ह्वह्वफैज-ए-इलाहीह्लह्ल मस्जिद पूरी तरह महफूज और सुरक्षित है। उसकी 0.195 एक-ड़ जमीन पूरी तरह वैध है। अलबत्ता उसके आसपास के करीब 36, 400 वर्ग फुट के अवैध अतिक्रमण को, 32 बुलडोजरों और 4 क्रेन के जरिए, जरूर ध्वस्त किया गया है। मस्जिद के आसपास मिट्टी-मलबे के ढेर लगे हैं।

यह दिल्ली उच्च न्यायालय का 12 नवंबर, 2025 का आदेश था और तीन माह की अवधि में अतिक्रमण ढहाए जाने थे। तुर्कमान गेट मुस्लिम-बहुल, संकरा, घनी आबादी वाला इलाका है, लिहाजा रात के वक्त ऑपरेशन करने का फैसला लिया गया। इलाके के दुकानदारों, ठेले-पटरीवालों से बातचीत कर पुलिस ने उन्हें सचेत और आगाह कर दिया था। बुनियादी मुद्दा अतिक्रमण और मजहब के बीच ऊंची दीवारें खड़ी हैं। वक्फ के खोखले, अवैध, दस्तावेजहीन दावे ह्वआग में घीह्ल का काम करते हैं। जब अफवाहें फैलाई जा रही थीं और भीड़ सडक पर उतर आई थी, तब सपा के रामपुर सांसद मोहिबुल्ला नदवी उस इलाके में क्या कर रहे थे? क्या उन्होंने भी भीड़ को उकसाने का संबोधन दिया था? पुलिस उनसे भी सवाल-जवाब करेगी। बेशक आरोपितों और संदिग्धों की धरपकड़ की गई है, फर्जी वीडियो जारी करने वालों की भी पहचान की जा रही है, लेकिन चिंता यह है कि कट्टरपंथ और जेहादी मानसिकता को कैसे समझाया जाए? आधी रात में लगभग दंगे के हालात बन गए थे। पथराव से अर्द्धसैन्य बल और पुलिस के जवान घायल हुए हैं। वे अस्पताल में उपचाराधीन हैं। पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। हकीकत यह थी और आज भी है कि प्राचीन मस्जिद को उंगली तक नहीं लगाई गई।

चिंतन-मनन

सुखी रहना है तो भगवान से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है। आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दुख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए।

ममता दीदी के बगावती तेवर

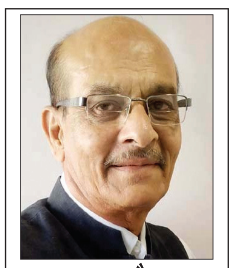

सनत जैन

कोलकाता में ममता बनर्जी के बगावती तेवर केवल एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं है। बल्कि उस असंतोष की अभिव्यक्ति है, जो पिछले कुछ वर्षों से विपक्ष के भीतर लगातार पनप रही है। प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के दौरान जिस तरह से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों के सामने खड़ी हुईं , उन्होंने पार्टी से जुड़े दस्तावेज ईडी के अधिकारियों से छीनकर अपने साथ ले आईं। उसने देश की राजनीति में एक नई और असहज स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। क्या जांच एजेंसियां कानून का निष्पक्ष पालन कर रही हैं ? या वह सत्ता की राजनीतिक रणनीति का हिस्सा और मोहरा बनती जा रही हैं? ममता बनर्जी का आरोप सीधा और गंभीर है। उनका कहना है कि आईपैक और पार्टी से जुड़े लोगों के यहां पड़े छापों का मकसद किसी आर्थिक अपराध की जांच नहीं, बल्कि तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रणनीति, उम्मीदवारों की सूची और आईटी सेल का डेटा हासिल करना था। चुनाव के ठीक पहले यदि जांच एजेंसियां सचमुच किसी पार्टी के राजनीतिक दस्तावेजों और डिजिटल डेटा को निशाना बना रही हैं। किसी भी पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र की आत्मा पर हमला ही माना जाएगा। चुनावी मुकाबला विचारों और जनसमर्थन से होना चाहिए, नाकि एजेंसियों के सहारे राजनीतिक लड़ाई लड़नी चाहिए।

ईडी का पक्ष है, सर्च कानूनी प्रक्रिया के तहत और पुराने मामलों के आधार पर की गई है। सवाल यह है कि पिछले कुछ वर्षों में ऐसे मामलों में जांच एजेंसियों की सक्रियता अक्सर चुनावों के आसपास ही क्यों दिखाई देती है। झारखंड में हेमंत सोरेन, महाराष्ट्र में शरद पवार और कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रीज किए जाने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री दिल्ली के मुख्यमंत्री और मंत्री सभी के खिलाफ एक जैसी घटनाएं यह धारणा मजबूत करती हैं। केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्हें चुनाव में पराजित करने के लिए इस तरह से जांच एजेंसी केंद्र सरकार के सारे पर काम करती है। अब तो यह आप न्यायपालिका पर भी लगने लगा है। न्यायपालिका के निर्णय अब खुली आंख से हो रहे हैं सत्ता पक्ष के लोगों के लिए अलग तरीके से निर्णय आते हैं विपक्ष के लिए अलग तरह से निर्णय देखने को मिलते हैं। जांच एजेंसियों की जांच लंबी चलती है। इसे विपक्षी दलों को बदनाम करने तथा उन्हें चुनाव लड़ने से रोकने के लिए इस तरह की कार्रवाई की जाती है जांच एजेंसी के नतीजे कई वर्षों तक दुर्लभ होते हैं। २जी ३जी और कोल घोटाले का क्या असर हुआ, अजीत पवार के ऊपर 70000 करोड रुपए के घोटाले के आरोप लगाए गए थे। उसका क्या हुआ ,यह सभी जानते हैं। जांच एजेंसियां चुनाव आयोग की कार्यवाही तथा न्याय पालिका के जो निर्णय हो रहे हैं। उसे विपक्षी राजनीतिक दलों को चुनाव में भारी नुकसान उठाना पड़ता है। पश्चिम बंगाल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश इस्तीफा देकर भाजपा की सदस्यता लेने और पश्चिम बंगाल की सरकार के खिलाफ समय-समय पर जो निर्णय देखने को मिले हैं उसमें पक्षपात होता हुआ दिखता है जिसके कारण अब ममता दीदी पूरे बगावती तेवर में है और वह आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर उतर गई हैं। ममता बनर्जी का यह आक्रामक रुख इस मायने में अलग है, उन्होंने डर की राजनीति को खुली चुनौती दी है। उन्होंने यह संकेत दिया कि विपक्ष केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहेगा। सत्ता की पक्षपात पूर्ण कार्रवाई जांच एजेंसियों और न्यायपालिका के पक्षपात का सड़कों पर आकर विरोध करेंगी। यह कदम कानूनी जोखिम से भरा हो सकता है। राजनीतिक रूप से उन्होंने खुद को एक आक्रामक नेता के रूप में स्थापित किया है। जो केंद्रीय सत्ता के आगे झुकने को किसी भी कीमत में तैयार नहीं है। यह विवाद केवल बंगाल या तृणमूल कांग्रेस तक सीमित नहीं रहेगा। जांच एजेंसियों, चुनाव आयोग और न्याय पालिका द्वारा जिस तरह से विपक्षी दलों के लिए अलग और सत्ता पक्ष के लिए अलग तरह से काम किया जा रहा है। यह पूरे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ा सवाल और विपक्ष के अस्तित्व से जुड़ा हुआ प्रश्न है। जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता पर बार-बार सवाल उठ रहे है। न्यायिक और संवैधानिक संस्थाओं की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। वह अपने कार्य को निष्पक्ष तरीके से करें। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है। जांच निष्पक्ष हो, चुनाव बराबरी के मैदान में हो। सत्ता तथा विपक्ष दोनों के लिए कानून समान हों। ममता दीदी के बगावती तेवर वर्तमान समय की राजनीति का आईना हैं। केंद्र सरकार और संवैधानिक संस्थाओं के लिए यह एक चेतावनी और चुनौती है। अगर लोकतांत्रिक संस्थाओं द्वारा अपने कर्तव्यों का सही तरीके से पालन नहीं किया गया। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच भेदभाव किया गया। इसका संतुलन पूरी तरह से बिगड़ चुका है। न्याय पालिका की विश्वसनीयता भी धीरे-धीरे खत्म होती चली जा रही है। न्यायपालिका के निर्णय या तो टाल दिए जाते हैं या वह सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाते हैं। जिसके कारण अब विपक्ष के पास सड़कों पर आने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। जिस तरह से चुनाव आयोग का केंद्रीकरण हो गया है मतदाता सूची से लेकर मतदान तक की सारी प्रक्रिया केंद्रीय चुनाव आयोग के पोर्टल से तय हो रही है। जांच एजेंसियां चुनाव के पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई शुरू करती हैं न्यायपालिका चुपचाप तमाशा देखती रह जाती है ऐसी स्थिति में भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता दोनों ही खतरे में पड़ गई हैं। इसको बनाए रखने की जिम्मेदारी संवैधानिक संस्थाओं और केंद्र सरकार की है। पश्चिम बंगाल में जो बगावती तेवर ममता दीदी ने दिखाए हैं। इसका असर अब संपूर्ण देश में देखने को मिल सकता है। विपक्षी दल लड़कर ही अपने आप को जिंदा रख सकते हैं। यदि वह डर गए तो उनका खत्म होना तय है। ममता दीदी का स्वभाव डरने वाला नहीं है इसलिए उन्होंने अपनी आक्रामकता दिखने में अब कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। देश की राजनीति और लोकतांत्रिक संघीय व्यवस्था में इसका व्यापक असर पढ़ना तय है।

विश्व में हिन्दी की बढ़ती साखः भारत में उपेक्षा क्यों?

ललित गर्ग

हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक या प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हिंदी भाषा की वैश्विक यात्रा, उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा, उसके सामने उपस्थित चुनौतियों और हमारे अपने राष्ट्रीय आचरण की विडंबनाओं पर गहन चिंतन का अवसर है। यह दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति कराता है जब पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी बोली गई थी और भारत की सांस्कृतिक आत्मा ने विश्व मंच पर अपनी मौलिक पहचान दर्ज कराई थी। आज स्थिति यह है कि हिंदी विश्व में सम्मान, स्वीकार्यता और लोकप्रियता की नई ऊँचाइयों को छू रही है, लेकिन अपने ही देश में वह अपेक्षा, उपेक्षा और संकोच के बीच झूलती दिखाई देती है। यही विरोधाभास विश्व हिंदी दिवस को और अधिक प्रासंगिक बना देता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में फैले हिंदी जानकारों, हिन्दीभाषियों को एकजुट करना, हिन्दी को विश्व स्तर पर स्थापित एवं प्रोत्साहित करना और हिंदी की आवश्यकता से अवगत कराना है। अंग्रेजी भाषा भले ही दुनियाभर के कई देशों में बोली है और लिखी जाती है लेकिन हिंदी हृदय की भाषा है। विश्व हिन्दी दिवस विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करने तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने का प्रभावी उपक्रम है।

हिंदी मात्र संवाद की भाषा नहीं है, वह भारतीय सभ्यता, संस्कृति, संवेदना और सामूहिक चेतना की वाहक है। यह लोक से उपजी, लोक में पली और लोक के लिए ही जीने वाली भाषा है। हिंदी का सबसे बड़ा गुण उसकी सहजता, सरलता और वैज्ञानिक संरचना है। यह ध्वन्यात्मक भाषा है, जिसमें जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है, जिससे इसे सीखना और अपनाना अपेक्षाकृत सरल हो जाता है। यही कारण है कि जिन देशों में भारतीय प्रवासी बसे हैं, वहां हिंदी ने सहज ही अपनी जड़ें जमा ली हैं। एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका तक हिंदी आज केवल भारतीयों की भाषा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवाद की भाषा बनती जा रही है। योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, बॉलीवुड, भक्ति साहित्य और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह दुनिया की तीसरी या चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, अंग्रेजी और मंदारिन चीनी के बाद, और भारत के साथ-साथ नेपाल, मॉरीशस, फिजी जैसे देशों में भी इसका व्यापक उपयोग है और यह विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है।

विश्व में लगभग साठ-सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरूआत 1975 में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। इन सम्मेलनों ने यह सिद्ध किया है कि हिंदी केवल भावनाओं या साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि विचार, विज्ञान, कूटनीति और वैश्विक संवाद की भी सक्षम भाषा है। हिंदी को वैश्विक मंच पर आत्मसम्मान और स्वाभिमान के साथ प्रस्तुत करने का श्रेय यदि किसी भारतीय नेता को जाता है, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हैं। 1977 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण केवल भाषण नहीं था, बल्कि वह एक सांस्कृतिक उद्घोषणा थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने यह सिद्ध कर दिया कि हिंदी में भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति, शांति, निरस्त्रीकरण और मानवता जैसे गहन विषयों पर प्रभावी संवाद संभव है। उनके लिए हिंदी भावुक आग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्रबोध की सशक्त अभिव्यक्ति थी। उन्होंने हिंदी को सत्ता की भाषा बनाने का प्रयास नहीं किया, बल्कि उसे संवाद और आत्मगौरव की भाषा के रूप में प्रतिष्ठित किया।

वैश्वीकरण और उदारीकरण के दौर में हिंदी की यात्रा कुछ हद तक धीमी अवश्य हुई, विशेष रूप से शासन और उच्च प्रशासनिक स्तर पर। अंग्रेजी को आधुनिकता, सफलता और वैश्विकता का प्रतीक मान लिया गया, जबकि हिंदी को प्रायः भावनात्मक या घरेलू दायरे में सीमित कर दिया गया। शिक्षा, न्यायपालिका, कॉर्पोरेट जगत और उच्च प्रशासन में हिंदी अपेक्षित स्थान नहीं बना सकी। हालांकि हिंदी साहित्य, पत्रकारिता और सिनेमा ने इस दौर में भी अपनी सृजनात्मक ऊर्जा बनाए रखी, लेकिन नीतिगत स्तर पर हिंदी को वह प्राथमिकता नहीं मिल पाई जिसकी वह हकदार थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हिंदी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ उपस्थिति दर्ज कराई है। वे विश्व के किसी भी मंच पर हिंदी में बोलने से संकोच नहीं करते। संयुक्त राष्ट्र महासभा, जी-20 सम्मेलन, शंघाई सहयोग संगठन या प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम, हर जगह उनकी हिंदी यह संदेश देती है कि अपनी भाषा में बोलना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। नरेंद्र मोदी ने हिंदी को अनुवाद की बैसाखी के सहारे नहीं, बल्कि उसकी मौलिक शक्ति के साथ प्रस्तुत किया। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों में हिंदी को केंद्र में रखा गया, जिससे आम नागरिक का शासन से संवाद अधिक सुलभ और प्रभावी हुआ। सरकारी योजनाओं, मोबाइल ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी की बढ़ती उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि तकनीक और हिंदी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं।

इसके बावजूद यह एक कटु सत्य है कि हिंदी आज विश्व में जितनी प्रतिष्ठित हो रही है, उतनी ही अपने ही देश में उपेक्षित होती जा रही है। अंग्रेजी को सामाजिक प्रतिष्ठा और बौद्धिक श्रेष्ठता का पैमाना बना दिया गया है। माता-पिता अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाकर गर्व महसूस करते हैं, जबकि हिंदी माध्यम को हीन दृष्टि से देखा जाता है। यह समस्या भाषा की नहीं, मानसिकता की है। यह मानसिक गुलामी है, जो हमें अपनी ही भाषा से दूर करती जा रही है। राजनीतिक दल हिंदी की बात तो करते हैं, लेकिन उसे शिक्षा, न्याय और प्रशासन की मुख्यधारा में स्थापित करने के लिए ठोस इच्छाशक्ति का अभाव दिखाई देता है। हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा भी है, यह तथ्य अक्सर उपेक्षित रह जाता है। इसकी वर्णमाला उच्चारण विज्ञान पर आधारित है। इसमें नए शब्द गढ़ने और विदेशी शब्दों को आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है। संस्कृत से जुड़ी होने के कारण यह तकनीकी, दार्शनिक और वैज्ञानिक शब्दावली के निर्माण में पूरी तरह सक्षम है। हिंदी में भावनाओं की अभिव्यक्ति जितनी सहज है, उतनी ही तार्किक और बौद्धिक विमर्श की भी क्षमता है। यही कारण है कि हिंदी जनभाषा होते हुए भी वैश्विक संवाद की भाषा बनने की पूरी क्षमता रखती है।

सच्चाई तो यह है कि देश में हिंदी अपने उचित सम्मान को लेकर जूझ रही है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं की सहायता जरूर ली जाए लेकिन तकनीकी एवं कानून की पढ़ाई एवं राजकाज की भाषा के माध्यम के तौर पर अंग्रेजी को प्रतिबंधित या नियंत्रित किया जाना चाहिए। आज भी भारतीय न्यायालयों में अंग्रेजी में ही कामकाज होना राष्ट्रीयता को कमजोर कर रहा है। हिन्दी के बहुआयामी एवं बहुतायत उपयोग में ही राष्ट्रीयता की मजबूती है, जीवन है, प्रगति है और शक्ति है किन्तु इसकी उपेक्षा में विनाश है, अगति है और स्खलन है। एथनोलॉग के वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के 22वें संस्करण में बताया गया है कि दुनियाभर की 20 सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में 6 भारतीय भाषाएं हैं, इनमें हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गयी है। हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन यह भविष्य तभी साकार होगा जब हम स्वयं अपनी भाषा पर विश्वास करेंगे। विश्व हिंदी दिवस इसी संकल्प का दिन है कि हिंदी को विश्व में प्रतिष्ठित करने के साथ-साथ अपने ही घर में उसका सम्मान और अधिकार लौटाया जाए, क्योंकि जब भाषा सशक्त होती है, तब राष्ट्र की आत्मा भी सशक्त होती है।

संक्षिप्त समाचार

साल्ट लेक सिटी में मॉर्मन चर्च की पार्किंग में गोलीबारी, दो लोगों की मौत

साल्ट लेक सिटी , एजेंसी। अमेरिका के यूटा की साल्ट लेक सिटी में एक चर्च के बाहर हुई गोलीबारी में बुधवार को दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। गोलीबारी की घटना द चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स (जिसे आमतौर पर मॉर्मन चर्च के नाम से जाना जाता है) के एक सभा भवन के पार्किंग स्थल में हुई। जानकारी के अनुसार जिस समय यह गोलीबारी की घटना हुई, उस समय अंदर एक अंतिम संस्कार हो रहा था। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी भी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है। पुलिस ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि हमलावर का किसी विशेष धर्म के प्रति कोई द्वेष था। साल्ट लेक सिटी के पुलिस प्रमुख ब्रायन रेड ने कहा कि हमारा मानना है कि यह किसी धर्म या इस तरह की किसी भी चीज के खिलाफ लक्षित हमला नहीं था। पुलिस का मानना है कि गोलीबारी आकस्मिक नहीं थी। ब्रेनन मैकइंटायर ने बताया कि वह और उनकी पत्नी केन्ना पार्किंग स्थल के बगल में स्थित अपने अपार्टमेंट में टीवी देख रहे थे, तभी उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी। वह सोफे से कूदकर बाहर भागे ताकि पता चल सके कि क्या हुआ है। मैकइंटायर ने कहा, जैसे ही मैं वहां पहुंचा, मैंने देखा कि कोई जमीन पर पड़ा है। लोग उसको देख रहे हैं और रो रहे हैं और आपस में बहस कर रहे हैं। घटना के बाद मौका-ए-वारदात पर लगभग 100 पुलिस की गाड़ियां मौजूद थीं और हेलीकॉप्टर ऊपर से उड़ान भर रहे थे। मेयर एरिन मेंडेनहॉल ने कहा, पूजा स्थल के बाहर ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था। जीवन के उत्सव के बाहर ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था। एक प्रवक्ता ने कहा कि चर्च कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग कर रहा था और आपातकालीन स्थिति में बचाव कार्य करने वाले कर्मियों के प्रयासों के लिए आभारी था। सैम पेनरोड ने एक बयान में कहा, हम इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं और इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं कि पूजा के लिए बने किसी भी पवित्र स्थान को किसी भी प्रकार की हिंसा का शिकार बनाया जाना चाहिए। इस चर्च का मुख्यालय साल्ट लेक सिटी में है और यूटा के 35 लाख निवासियों में से लगभग आधे लोग इसके अनुयायी हैं।

रूसी पोत झंडा-पेंट और नाम बदलकर अमेरिकी सेना को चकमा दे रहा था

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका ने रूस के तेल टैंकर मारिनेरा को अटलांटिक महासागर में तब्त कराया, जो पहले बेला 1 नाम से जाना जाता था। यह टैंकर लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने की कोशिश कर रहा था, लेकिन दो सप्ताह से अधिक नाटकीय पीछा के बाद अमेरिकी तट रक्षक और सैन्य बलों ने इसे रोका।

यह पहली बार माना जा रहा है कि हाल के वर्षों में अमेरिका ने रूसी झंडे वाला तेल टैंकर जब्त किया है। यह जहाज पहले ईरान से आया, स्वेज नहर और जिब्राल्टर पार कर रहा था और वेनेजुएला से तेल लेने की योजना बना रहा था, जब अमेरिका ने अपने प्रतिबंधों को कड़ा कर दिया। 21 दिसंबर को कैरिबियन सागर में अमेरिकी तटरक्षक बल ने टैंकर को रोका, जब यह अभी भी बेला 1 नाम से चल रहा था। अधिकारियों का कहना था कि जहाज वैध राष्ट्रीय झंडा नहीं फहराता था, जिससे उसके पास जब्ती वारंट था। लेकिन चालक दल ने बोर्डिंग की अनुमति नहीं दी और जहाज ने अटलांटिक की ओर भागने की कोशिश की, जबकि अमेरिकी बल लगातार उसे ट्रैक करते रहे। टैंकर के चालक दल ने अपने आप को बचाने के लिए सबसे पहले जहाज के बाहरी हिस्से पर रूसी झंडा पेंट किया। अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के तहत ऐसा झंडा फहराने पर जहाज उस देश के संरक्षण में माना जाता है। लेकिन अमेरिकी अधिकारियों का कहना था कि यह प्रयास विफल रहा क्योंकि जहाज ने पहली बार बोर्डिंग के समय कोई वैध झंडा नहीं फहराया था। इसके बाद इसे नाम बदलकर मारिनेरा कर दिया गया और रूस के आधिकारिक शिपिंग रजिस्ट्री में शामिल किया गया।

रूस की अपील: रूस ने औपचारिक रूप से अमेरिका से अनुरोध किया कि इस टैंकर का पीछा बंद किया जाए। रिपोर्ट्स के अनुसार यह अनुरोध न्यू ईयर ईव पर अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट को दिया गया था। अमेरिका ने इसके बावजूद पीछा जारी रखा, यह कहते हुए कि जहाज अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रहा है और ईरानी तेल ले जा रहा है।

ये है वो देश जहां बैंगनी रंग पहनने पर मिलती है मौत की सजा

● सोने से भी महंगा क्यों था बैंगनी रंग, एक गलती जिसने बदल दिया इतिहास

लंदन , एजेंसी।
आज के समय में बैंगनी रंग का कपड़ा पहनना बहुत सामान्य बात है लेकिन इतिहास में एक दौर ऐसा भी था जब इस रंग को पहनने की गलती करने पर किसी भी आम इंसान को सरेआम मौत की सजा दी जा सकती थी। प्राचीन रोमन साम्राज्य से लेकर एलिजाबेथ के शासनकाल वाले इंग्लैंड तक बैंगनी रंग सिर्फ एक फैशन नहीं बल्कि शक्ति और राजशाही का सबसे बड़ा प्रतीक था।

प्राचीन समय में बैंगनी रंग की कीमत हीरे-जवाहरात से भी कहीं ज्यादा थी। इसकी दुर्लभता के पीछे एक चौंकाने वाली वजह थी। उस दौर में आज की तरह केमिकल वाले रंग नहीं होते थे। मशहूर टायरियाई बैंगनी रंग भूमध्य सागर में पाए जाने वाले म्यूरेक्स नाम के एक समुद्री घोंघे से निकाला जाता था। इस रंग को बनाने की प्रक्रिया इतनी जटिल थी कि मात्र एक ग्राम रंग तैयार करने के लिए लगभग 9,000 घोंघों की जान लेनी पड़ती थी।

अपनी इसी दुर्लभता के कारण बैंगनी कपड़ा सोने के वजन के बराबर या उससे भी महंगा बिकता था। प्राचीन रोम~ रोमन कानून के अनुसार केवल सम्राट और उनके परिवार के सदस्य ही पूरी तरह से बैंगनी रंग के कपड़े पहन सकते थे। अगर कोई आम नागरिक ऐसा करता पाया जाता तो इसे राजद्रोह माना जाता था और उसे फांसी की सजा तक दी जा सकती थी।एलिजाबेथ प्रथम ने भी इंग्लैंड में सुम्पट्यूरी कानून लागू किए। ये कानून तय करते थे कि व्यक्ति अपनी सामाजिक हैसियत के हिसाब से क्या पहन सकता है।

बैंगनी रंग को केवल शाही परिवार के लिए सुरक्षित रखा गया। नियम तोड़ने वालों को भारी जुर्माना, जेल या संपत्ति की जब्ती का सामना करना पड़ता था। हजारों सालों से चला आ रहा यह शाही एकाधिकार साल 1856 में एक वैज्ञानिक प्रयोग के दौरान अचानक खत्म हो गया।

मात्र 18 साल के एक केमिस्ट विलियम हेनरी पर्किन मलेरिया की दवा (कुनैन) बनाने की कोशिश कर रहे थे। प्रयोग के दौरान उनके बीकर में एक गहरा बैंगनी रंग का पदार्थ बना। सिंथेटिक डाई~ पर्किन ने गलती से दुनिया की पहली सिंथेटिक डाई खोज ली थी। अब बैंगनी रंग को घोंघों के बजाय फैक्ट्रियों में बनाना संभव हो गया। सबके लिए उपलब्ध~ इस आविष्कार के बाद बैंगनी रंग इतना सस्ता और आम हो गया कि आम जनता भी इसे पहनने लगी। धीरे-धीरे शाही प्रतिबंधों का कोई महत्व नहीं रहा और यह कानून इतिहास के पन्नों में दफन हो गया।

अमेरिकी ऑपरेशन में मारे गए वेनेजुएला के सैनिकों को भावपूर्ण विदाई

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की सेना ने बुधवार को राजधानी काराकास में उन सैनिकों के लिए एक भावपूर्ण अंतिम संस्कार आयोजित किया, जो हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन में मारे गए थे। इस अभियान में पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को कब्जे में लिया गया था, जिसके बाद देश में गहरा शोक और तनाव फैल गया है। सैनिक ऑर्केस्ट्रा की धुन के बीच शहीद सैनिकों के डंडे पर लेटे ताबूतों को वेनेजुएला का झंडा ढकता दिखाई दिया। परिवारों और सैनिकों ने उन शवों के पीछे चलकर आखिरी विदाई दी। कई अधिकारियों के बीच ताबूतों को जमीन में समर्पित करते समय गन सैल्यूट भी दिया गया। वेनेजुएला की सेना ने कहा है कि कम से कम 24 सुरक्षा अधिकारी इस ऑपरेशन में मारे गए, जिनमें कई उच्च रैंक के अधिकारी भी शामिल हैं। वहीं, क्यूबा ने भी पुष्टि की है कि 32 क्यूबाई सैन्य और पुलिस कर्मी जो वेनेजुएला में तैनात थे, उनकी भी मौत हुई। इस फैसले के बाद क्यूबा में भी दो दिनों का शोक मनाया गया। शहीदों के सम्मान में कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने सात दिन का शोक घोषित किया है। उन्होंने कहा कि देश इन वीरों के बलिदान को कभी नहीं भूलेगा और उनके परिवारों के साथ खड़ा रहेगा। इन मौतों की जांच युद्ध अपराध के दायरे में की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अमेरिका ने मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस पर नशे के खिलाफ आरोपों के तहत मामला चलाने के लिए उन्हें हिरासत में लिया गया था।
और मादुरो ने अमेरिकी अदालत में अपना दावा उत्तरदायी नहीं बताया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस ऑपरेशन ने गंभीर विवाद और आलोचना को जन्म दिया है। कई देश और संगठनों ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन और नागरिक हताहतों पर चिंता जताई है, वहीं अमेरिका ने इसे लोकतंत्र बहाल करने और कानून लागू करने का कदम बताया है।

मादुरो के बाद अब वेनेजुएला के सुरक्षा प्रमुख पर निशाना

वॉशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने के बाद इस लैटिन अमेरिकी देश की व्यवस्था बनाए रखने में मदद न करने की स्थिति में सुरक्षा बलों के प्रमुख डियोसडाडो कैबेलो को निशाना बनाने की बात कही है। कैबेलो मानवाधिकार हनन के आरोपी रहे हैं और मादुरो के बेहद करीबी रहे हैं। उल्टा भी पड़ सकता है अमेरिका का ये दांव ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के कट्टरपंथी गृह मंत्री को इस बाबत चेताया भी है। यह जानकारी मामले से परिचित तीन अहम सूत्रों ने दी है। तीनों सूत्रों ने नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा कि अमेरिकी अधिकारी कैबेलो को लेकर विशेष रूप से चिंतित हैं। अमेरिका को संदेह है कि वे अपने अतीत और अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के साथ प्रतिद्वंद्विता के इतिहास को देखते हुए, व्यवस्था बिगाड़ सकते हैं। हालांकि अमेरिका जानता है कि कैबेलो को हटाना काफी जोखिम भरा हो सकता है। ऐसा करने से संभवतः सरकार समर्थक मोटरसाइकिल समूहों, जिन्हें कलेक्टिवोस के नाम से जाना जाता है, सड़कों पर उतर जाएं। वाशिंगटन जिस अराजकता से बचना चाहता है। इसके साथ ही संभावित लक्ष्यों की सूची में रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो भी शामिल हैं, जिन पर कैबेलो की तरह ही अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी का आरोप है और दो सूत्रों के अनुसार, उनके सिर पर करोड़ों डॉलर का इनाम अमेरिका ने रख रखा है। मादुरो के करीबी ही संभालेंगे वेनेजुएला के सत्ता मामले से संबंधित सूत्रों के अनुसार, ट्रंप ने सीआईए के एक गोपनीय आकलन को स्वीकार कर लिया है। इसमें यह निष्कर्ष निकाला गया है कि मादुरो के शीर्ष सहयोगी ही अंतरिम रूप से देश का संचालन करने में उपयुक्त होंगे। ट्रंप प्रशासन ने फिलहाल मादुरो के सहयोगियों के साथ काम का फैसला किया है, क्योंकि उन्हें चिंता है कि अगर वे लोकतांत्रिक सत्ता हस्तांतरण को थोपने की कोशिश करते हैं तो अराजकता फैल सकती है, और उनके करीबी तख्तापलट कर सकते हैं। ऐसे में ट्रंप पूरी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं।

बांग्लादेश-पाकिस्तान के बीच जेएफ-17 लड़ाकू विमान को लेकर बातचीत

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच जेएफ-17 लड़ाकू विमान को लेकर एक बड़ा रक्षा समझौता होने की संभावना जताई जा रही है। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट डेली स्टार ने पाकिस्तानी सेना के हवाले से बताया कि बांग्लादेश और पाकिस्तान के वायु सेना प्रमुखों ने ढाका को जेएफ-17 लड़ाकू विमान की बिक्री से संबंधित संभावित समझौते पर बातचीत की।

पाकिस्तानी सेना के प्रेस विंग का हवाला देते हुए डेली स्टार ने बुधवार को बताया कि यह बातचीत इस्लामाबाद में हुई। पाकिस्तान के वायु सेना प्रमुख जहीर अहमद बाबर सिद्धू और उनके बांग्लादेशी समकक्ष हसन

महमूद खान ने चीन के साथ संयुक्त रूप से विकसित बहु-भूमिका लड़ाकू विमान जेएफ-17 थंडर की खरीद पर विस्तृत चर्चा की।

डेली स्टार के अनुसार मंगलवार को जारी बयान में कहा गया है कि इस्लामाबाद ने ढाका को सुपर मुश्शक प्रशिक्षण विमान की जल्द डिलीवरी के साथ-साथ संपूर्ण प्रशिक्षण और दीर्घकालिक सहायता प्रणाली का आश्वासन दिया। यह बैठक बांग्लादेश में पाकिस्तान के उच्चायुक्त इमरान हैदर की बीते साल 28 दिसंबर को ढाका के स्टेट गेस्ट हाउस में मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस से शिष्टाचार भेंट करने के कुछ ही समय बाद हुई।

मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग के अनुसार बैठक के दौरान पाकिस्तान के उच्चायुक्त ने कहा कि ढाका-कराची के बीच सीधी उड़ानें जनवरी में शुरू होने की उम्मीद है। जेएफ-17 थंडर पाकिस्तान और चीन की ओर से संयुक्त रूप से विकसित एक आधुनिक, बहु-भूमिका लड़ाकू विमान है। हालांकि, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ये चीनी तकनीक वाला विमान फुस्स साबित हुआ था। इसकी प्रमुख खूबियां इस प्रकार हैं: मल्टी-रोल क्षमताः यह एयर-टू-एयर, एयर-टू-ग्राउंड और एयर-टू-सी मिशन में सक्षम है। विविध हथियार क्षमताः यह हवा-से-हवा और हवा-से-ज़मीन मिसाइलों, स्मार्ट बम और एंटी-शिप मिसाइल ले जाने में सक्षम है।

कम लागत और आसान रखरखावः इसकी परिचालन लागत अपेक्षाकृत कम है, जिससे विकासशील देशों के लिए आकर्षक विकल्प बनता है। पाकिस्तान के साथ बढ़ रही बांग्लादेश की नजदीकी बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश और विमानन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ सांस्कृतिक, शैक्षिक और चिकित्सा आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की।

बीएनपी नेता की गोली मार कर हत्या

ढाका , एजेंसी।
बांग्लादेश में युवा नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद से ही चुनाव पूर्व राजनीतिक हिंसा जारी है। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की स्वयंसेवी शाखा स्वेच्छासेवक दल के नेता अजीजुर रहमान मुसब्बीर की मंगलवार रात हत्या कर दी गई। पुलिस और पार्टी सूत्रों ने बताया कि राजधानी ढाका में अज्ञात हमलावरों ने मुसब्बीर की गोली मारकर हत्या कर दी।

बांग्लादेश में आगामी 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से पहले हिंसा बढ़ने के चलते मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। गौरतलब है कि उस्मान हादी के परिजनों ने भी यूनुस पर चुनावों को टालने के लिए उनकी

हत्या का आरोप लगाया था।

बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा का दौर: रिपोर्ट के अनुसार बीएनपी की स्वयंसेवी शाखा स्वेच्छासेवक दल के महासचिव मुसब्बीर को ढाका के कारवान बाजार स्थित सुपर स्टार होटल के पास रात करीब 8:30 बजे अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। ढाका महानगर पुलिस (तेजगांव जोन) के अतिरिक्त उपायुक्त फजलुल करीम ने बताया कि उन्हें पंथापथ स्थित बीआरबी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, इस हमले में एक शख्स सुफियान मसूद घायल हो गया, जो तेजगांव थाना वन श्रमिक संघ के महासचिव हैं। पार्टी सदस्यों ने बताया कि मुसब्बीर ने शाम को सुपर स्टार होटल में शरीयतपुर के निवासियों के एक समूह के साथ एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके बाद मुसब्बीर और मसूद पास की एक गली में चल रहे थे, तभी दो लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं।

पुलिस ने बताया कि हमलावर पैदल ही मौके से फरार हो गए। इस घटना के बाद स्थानीय बीएनपी कार्यकर्ताओं सहित लोगों के एक समूह ने सोनारगांव चौराहे के पास विरोध प्रदर्शन किया। परिवार के सदस्यों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने कहा कि मुसब्बीर ने अपना अधिकांश समय अवामी लीग शासन के दौरान जेल में बिताया और कई राजनीतिक मामलों में उन्हें बार-बार गिरफ्तार किया गया।

हिंसक झड़प में 4 लोगों की मौत

अफगानिस्तान में सोने के लिए खून-खराबा

काबुल, एजेंसी। उत्तरी अफगानिस्तान में स्थानीय निवासियों और सोना खनन कंपनी के संचालकों के बीच झड़प में चार लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन काने ने बताया कि मंगलवार को तखर प्रांत के 'चाह अब जिले में हिंसा में तीन स्थानीय निवासी और कंपनी का एक कर्मचारी मारा गया। उन्होंने यह नहीं बताया कि झड़प किस वजह से हुई या कंपनी का मालिक कौन है।

काने की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि इस मामले में कंपनी के एक सुरक्षा कर्मचारी और एक सथानीय निवासी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने तुरंत व्यवस्था बहाल की और तखर के उप राज्यपाल ने भी स्थिति का जायजा लेने के लिए जिले का दौरा किया।

कंपनी का कामकाज निलंबित कर दिया गया है। प्रांतीय प्रवक्ता अकबर हकानी ने कहा कि अधिकारियों ने भी घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जांच की जा रही है। अफगानिस्तान की सत्तारूढ़ तालिबान सरकार ने 2023 में कहा था कि उसने 6.5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश वाले सात खनन अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से सबसे बड़ा सौदा है। अफगानिस्तान कोयला, तांबा, लौह अयस्क, जस्ता, सोना और चांदी जैसी धातुओं के अलावा खनिजों से भी समृद्ध है।

सीईएस-2026 में बढ़ेगी भारतीय टेक कंपनियों की धमक, अल्ट्राह्यूमन जैसे स्टार्टअपस लाएंगे नवाचार

लंदन, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी मेले कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (सीईएस) में भारतीय कंपनियों और स्टार्टअप की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। आने वाले वर्षों में भारतीय टेक एवं स्टार्टअप कंपनियों की भागीदारी और बढ़ने की उम्मीद है। सीईएस के उपाध्यक्ष जॉन केली ने कहा, आप कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो में भाग लेने वाले भारतीय स्टार्टअप की संख्या में लगातार वृद्धि देख रहे हैं। निश्चित रूप से, हम आने वाले वर्षों में व्यापक भारतीय भागीदारी का स्वागत करते हैं।

केली ने विशेष रूप से बंगलूरू स्थित प्रौद्योगिकी एवं वियरेबल कंपनी अल्ट्राह्यूमन का जिक्र किया। कहा, हम सीईएस-2026 में उनका स्वागत कर वास्तव में उत्साहित हैं। अल्ट्राह्यूमन के उत्पादों में दुनिया का सबसे हल्का स्लीप-ट्रैकिंग वियरेबल (स्मार्ट रिंग),

एक निरंतर ग्लूकोज मॉनिटरिंग मंच (कंटीन्यूअस ग्लूकोज मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म) और एक प्रिवेंटिव ब्लड टेस्टिंग प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

कंज्यूमर टेक्नोलॉजी एसोसिएशन के कार्यकारी प्रमुख गैरी शापिरो ने कहा कि 9 जनवरी तक चलने वाले इस शो में वैश्विक कंपनियां, स्टार्टअप और उद्योग जगत के लोग शिरकत कर रहे हैं। केली ने बताया, इस साल सीईएस में करीब 150 देशों की भागीदारी है। कई भारतीय कंपनियां, स्टार्टअप और व्यापार संवर्धन संगठन भी भाग ले रहे हैं। वैश्विक भागीदारीः शो में उपस्थित 40 फीसदी लोग और प्रदर्शन अमेरिका से बाहर के।

नवाचार पर जोरः करीब 4,000 से अधिक प्रदर्शक डिजिटल हेल्थ, ऊर्जा, रोबोटिक्स, एआई और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में अपना नवाचार दिखा रहे हैं।

1,300 से ज्यादा वक्ताओं की मौजूदगी। 400 से अधिक सत्रों का आयोजन होगा।

कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक शो में 2024 में पहला भारतीय मंडप बनाया गया था। सीईएस की वेबसाइट के मुताबिक, कई भारतीय कंपनियां और स्टार्टअप इस बार अपनी तकनीक एवं नवाचार का प्रदर्शन कर रही हैं।

नॉइज (गुरुग्राम)ः प्रमुख ग्लोबल स्मार्टवॉच ब्रांड। आर्व्या एक्स टेक्नोलॉजीज (भोपाल)ः स्यूडो-रियलिटी फर्म। आबोः एआई-संचालित स्वास्थ्य समाधानों में विशेषज्ञ मेडटेक कंपनी। सोना कॉमस्टारः ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी कंपनी।

जूनडियाः ग्लोबल टेक्नोलॉजी पार्टनर - मोबाइल एवं टेलीकॉम संघ।

त्वचा रहे नर्म, मुलायम और जवां-जवां

सर्दी का मौसम यूं तो बडा रूमानी होता है, लेकिन सौंदर्य की दृष्टि से उतना ही प्रभावशाली होता है। यानी इस मौसम में त्वचा और सौंदर्य का विशेष ध्यान रखना होता है। दरअसल सर्द और शुष्क हवाएं त्वचा को बहुत नुकसान पहुंचाती हैं, क्योंकि वे त्वचा की कुदरती नमी को चुरा लेती हैं। इससे त्वचा खिंची-खिंची, रूखी और बेजान-सी नजर आने लगती है। लेकिन आप चाहें तो कुछ कारगर टिप्स अपनाकर और नियमित देखभाल से त्वचा की खोई हुई नमी और चमक को वापस लौटा सकती हैं।

- बहुत सी स्त्रियां यह सोचती हैं कि इस मौसम में सनस्क्रीन लगाने की आवश्यकता नहीं होती है, जब कि ऐसा नहीं करना चाहिए। यूवीए और यूवीबी किरणों के प्रभाव से बचने के लिए कम से कम 30 एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें। सनस्क्रीन में मॉयस्चराइजर भी होता है, जो त्वचा को रूखी होने से बचाता है।
- माइल्ड फेशियल क्लींजर का इस्तेमाल करें।
- मॉयस्चराइजर हमेशा हलकी गीली त्वचा पर लगाएं, यानी त्वचा को पानी से धोकर नर्म हाथों से तौलिया रखकर दबाएं लेकिन पोंछें नहीं।
- हाथों और पैरों की त्वचा रूखी हो जाए तो कोशिश करें कि उन्हें बार-बार साबुन से न धोएं। इसके लिए मॉयस्चरयुक्त माइल्ड हैंडवॉश का इस्तेमाल करें। हाथों को सुखाकर हैंडक्रीम जरूर लगाएं।
- पैरों की त्वचा जब हलकी नम हो, तब कोई एंटीबायोटिक ऑइंटमेंट लगाकर हलका मसाज करें और छोड दें।
- शुष्क और तेज हवाओं के कारण त्वचा को अतिरिक्त नमी और पोषण की जरूरत होती है इसलिए आप रोजाना 15 एसपीएफ वाला मॉयस्चराइजर लोशन लगाएं।
- ऑयली त्वचा के लिए लाइट मॉयस्चराइजर जो बीटा हाइड्रॉक्सी एसिड (बीएचए) युक्त हो, का इस्तेमाल करें।
- अगर आपकी त्वचा काफी रूखी है तो टोनर का प्रयोग न करें, क्योंकि वह त्वचा को और भी अधिक रूखा बना देगा।
- आधा चम्मच दरदरे पिसे संतरे के छिलके, आधा चम्मच दरदरे पिसे हुए बादाम और आधा चम्मच दरदरे पिसे जौ के आटे में एक चम्मच कच्चे पपीते का पेस्ट अच्छी तरह मिलाएं। इसे महीने में एक बार चेहरे और रूखी त्वचा पर इस्तेमाल करें और पाएं कोमल और चमकदार त्वचा।
- एक चम्मच गुलाबजल को एक चौथाई चम्मच सी सॉल्ट के साथ मिलाकर चेहरे पर कुछ देर हलके हाथों से मलते हुए लगाएं। यह डीप क्लींजिंग का काम करता है और त्वचा की कुदरती चमक और नमी को लौटाने में मदद करता है।
- त्वचा के मृत कोशों को हटाने के लिए एक चम्मच शहद में आधा चम्मच चंदन पाउडर और आधा चम्मच खसखस मिलाकर चेहरे और शरीर पर लगाएं। यह न केवल मृत त्वचा को हटाता है, बल्कि त्वचा को पोषण भी देकर उसे नर्म, मुलायम और कांतिमय बनाता है।
- दूध में आटे का चोकर मिलाकर त्वचा का कुछ देर हलके हाथों से मसाज करें। हलका सूखने पर ताजे पानी से धो लें।
- गीली त्वचा पर हलके हाथों से स्क्रब करें। अगर आप स्क्रब बलपूर्वक करेंगी तो यह विपरीत प्रभाव डाल सकता है। मृत त्वचा को निकालने के लिए अपने चेहरे पर पहले गोलाई में अपने हाथों को घुमाएं। फिर नीचे से ऊपर की ओर हाथों को घुमाते हुए स्क्रब को पोंछें।
- एक चम्मच दूध की मलाई में आधा चम्मच गिल्सरीन मिलाकर चेहरे पर लगाएं।

साबुत मूंग लड्डू विद काजू, बादाम

सामग्री : 250 ग्राम साबूत मूंग, 50 ग्राम टुकड़ा काजू, 50 ग्राम बादाम, 1 छोटा चम्मच खरबूजा मिंगी, 250 ग्राम गुड़, 1 कप गेहूं का आटा, एक चौथाई कप देसी घी, इलायची का पाउडर, नारियल का बुरादा, 1 बड़ा चम्मच सफेद तिल।

विधि: मूंग को पैन में धीमी आंच पर सूखा भून लें। ठंडा होने पर मिक्सी में पीस कर पाउडर बना लें। आधा घी गरम करें। इस में मूंग का आटा धीमी आंच पर 5 मिनट भूनें। शेष आधा घी गरम करें। इसमें काजू, बादाम तल कर निकालें। फिर गेहूं का आटा इसमें गुलाबी होने तक भूनें। गुड़ को 2 कप पानी में घोल कर छान लें। मिंगी को सूखा चटका लें। तिल को भी सूखा चटका लें। सारी सामग्री को अच्छी तरह मिला लें। गुड़ के पानी की 2-2 तार की चाशनी बना लें। स्वादिष्ट पौष्टिक लड्डू को नारियल बुरादे में लपेटें। डब्बे में बंद कर के रखें और रोज सेवन करें।

कहीं आपका बच्चा जिद्दी तो नहीं?

अकसर छोटे बच्चों में किसी एक खास खिलौने, कंबल या मुलायम वस्तु के प्रति खास लगाव हो जाता है, जो कई बार माता-पिता के लिए शर्म की वजह बन जाता है। दरअसल ये वस्तुएं बच्चों को मां के नरम और कोमल स्पर्श का अनुभव करवाती हैं।

कुछ हद तक तो यह लगाव सामान्य है, लेकिन इसके सीमा से बढ़ जाने की वजह उसके अंदर असुरक्षा का भाव हो सकती है। अगर माता-पिता के संबंध सामान्य ना हों, तो बच्चे के ऐसे व्यवहार को अनदेखा नहीं करना चाहिए। बच्चे से जबर्दस्ती उसके प्रिय खिलौनों को ना छीनें, ना ही इन्हें ले कर उसका मजाक बनाएं या धमकाएं, इससे बच्चे के मन में निराशा का भाव आ सकता है।

आमतौर पर स्कूल जाने के बाद बच्चों का ध्यान बंट जाता है। उसे नए दोस्त बनाने या पेंटिंग करने के लिए प्रेरित करें। संभव हो, तो कुत्ता या बिल्ली पाल लें, इससे बच्चे का ध्यान बंट जाएगा।

दादी-नानी के नुस्खे

- वंशलोचन पीस कर शहद के साथ चाटने से खांसी ठीक होती है।
- आक के दूध में काले तिल पीसकर इसका लेप करने से पसली का दर्द दूर होता है।
- कैथे के गूदे में अंदाज से थोड़ी सोंठ, काली मिर्च, पीपल का चूर्ण, शहद और चीनी के साश मिला कर खाने से अजीर्ण दूर होता है।
- जिन बच्चों को चेचक निकल आती है, उनके शरीर से बहुत दिनों तक गर्मी नहीं जाती। ऐसी अवस्था में उन्हें गूलर के रस में मिश्री मिला कर पिलाने से आराम मिलता है।
- बेल, सोंठ, जायफल का काढ़ा बना कर पीने से हैजा दूर होता है।
- मोच आने पर नारियल की गिरी को महीन पीस कर उसमें चौथाई भाग हल्दी का चूर्ण मिला कर पोटली बांध कर आग पर गर्म करके मोचवाले हिस्से को सेकिए। तुरंत राहत मिलेगी।
- यदि गिरने या मोच की वजह से बच्चे के हाथ-पैर में सूजन आ गयी हो, तो उबले हुए बथुए का तीन-चार बार लेप लगाइए, फायदा होगा।
- जल जाने पर उस स्थान पर तुरंत शहद लगाने से फफोला नहीं पड़ता।
- नाभि में सरसों का तेल लगाने से होंठ नहीं फटते।

आपकी कहानी परिधानों की जुबानी

आपका मिजाज, आपकी रूचियां, यहां तक कि आपके स्वभाव के बारे में भी आपके परिधान बहुत कुछ बयां कर जाते हैं। कपड़े पहनने का आपका क्या स्टाइल है... समय, देश और मौसम से आपका ड्रेस सेंस तालमेल करता है या नहीं, इन सबकी चुगली आपके वस्त्र कर देते हैं।

आज के युग में सफलता की सीढ़ी चढ़ने के लिए आकर्षक व्यक्तित्व की भी अहम भूमिका है। पर्सनैलिटी ग्रूमिंग की कक्षाओं के लिए कुछ सुझाव इस प्रकार हैं-

पर्सनैलिटी ग्रूमिंग के अंतर्गत उठने- बैठने, बात करने, मेकअप के तरीके, ड्रेस सेंस, सही बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार आदि मुख्य रूप से आते हैं।

इन कक्षाओं में पंद्रह-सोलह वर्ष के लड़के-लड़कियों से लेकर बड़ी उम्र के महिला-पुरूष भी आ सकते हैं।

दबे हुए गुणों को, प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उन्हें अपने आत्मविश्वास को बढ़ाना सिखाना जरूरी है। आत्मविश्वास की कमी के कारण ही कुछ लोग पार्टियों में ठीक ढंग से अपनी बात नहीं कह पाते। उनमें हिचक, घबराहट, भय बना रहता है। कहीं वे कुछ गलत न कह जाएं। इन कमियों को दूर करने के लिए उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना आवश्यक है।

ड्रेस सेंस के अंतर्गत कॉलेज में, ऑफिस में, पार्टी या समारोह में किस तरह के परिधान पहनने चाहिए, यह सिखाया जाता है। किसी अवसर विशेष पर वेशभूषा भी विशेष होती है, इस बात को विस्तार से समझाएं।

व्यक्तित्व निखार में सकारात्मक सोच का बहुत महत्व है। यह जीवन के प्रति उत्साह, उमंग जगाती है। नकारात्मक सोच निराशा, अवसाद पैदा करके असफलता की ओर ले जाती है। सोच वाले लोगों के साथ घनिष्ठता कदापि न बनाएं। हमेशा ऊर्जा, जोश, उत्साह से भरे रहना है, तो सकारात्मक सोच से संबंधित विचारों को पढ़ें वहा से ही लोगों से संबंध बनाएं।

बॉडी लैंग्वेज को समझना सीखें। इसमें शरीर के हावभाव के साथ-साथ चेहरे के भाव पढ़ने की भी कोशिश की जाती है। उठने-बैठने का तरीका, चलने का ढंग, पहनावा, आदतें व व्यवहार, आंखों की भाषा इन सभी से व्यक्तित्व को समझने में आसानी होती है।

अपने आचरण, व्यवहार और गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। दूसरों को प्रभावित करने में ये गुण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इंटरव्यू में जाते समय पहनावा, आत्मविश्वास, बोलने, उठने-बैठने का सलीका, योग्यता बहुत महत्व रखते हैं।

बेसन सदाबहार

इतिहास में एक किस्सा बड़ा मशहूर है कि जब शाहजहां को औरंगजेब ने कैद में डाला और खान-पान की बंदिशों के तहत कोई एक अनाज चुनने की बात रखी तो शाहजहां ने सजा के दौरान कोई एक अनाज में चने को चुना। कहने का तात्पर्य यह कि शाहजहां को पता था कि चना बहुआयामी अनाज है। चने या बेसन से जहां नाना प्रकार की भोज्य सामग्री तैयार की जा सकती है, सौंदर्य की दुनिया में भी यह पैठ रखता है।

विश्वास के संग कहा जा ता है कि बिन बेसन रसोई सून। रसोई में यदि बेसन नहीं तो मनमुताबिक पकवान बनाने की आपकी ख्वाहिश पूरी नहीं हो सकती। कढ़ी -पकौड़ा खाना हो, राजस्थानी गट्टा पकाना हो या मिस्सी रोटी का मन हो, बिना बेसन कुछ भी संभव नहीं। सिर्फ नमकी ही क्यों मिठाइयों की दुनिया का भी बेसन सरताज है। सोंधे-सोंधे बेसन के लड्डू, मूंग थाल या मैसूर पाक सब बेसन सदाबहार से जुड़े हैं। चना दाल या छोले के बगैर कोई भी पार्टी या उत्सव अधूरा है। चना जोर गर्म...का गीत तो आज भी पुराने समय को महका जाता है।

- नाना पकवानों को बनाने में सहयोगी बेसन के भीतर खूबसूरती बढ़ाने का राज भी छिपा है। नन्हे शिशु के शरीर के रोएं हटाने हों या शरीर और चेहरे के मैल से छुटकारा पाना हो, बेसन का उबटन लाजवाब है। बेसन का प्रयोग शैंपू, और हेयर रिमूवर की तरह किया जा सकता है। त्वचा का रंग निखारने में यह बेहद लाभदायक है।
- रूखी त्वचा के लिए बेसन में शहद, मलाई और कुछ बूँदें नीबू की मिलाकर चेहरे पर लगाएं और कुछ समय बाद रगड़ कर छुड़ादें और हलके कुनकुने पानी से चेहरा धोएं। चेहरा खिलखिला उठेगा।
- सामान्य या तैलीय त्वचा के लिए बेसन में चंदन पावडर व दही मिलाकर पेस्ट-सा बनाकर चेहरे पर लगा लें। रंग निखर आएगा।
- चकत्तेदार त्वचा के लिए भी बेसन लाभदायक है। बेसन में दूध, गुलाबजल, गाजर का रस और खीरे का रस मिलाकर चेहरे पर लगा लें। पंद्रह मिनट बाद धोएं और फर्क महसूस करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1953

■	↓4	↓7	■	■	■	■	■	■	■
→3			↓10	■	↓10	↓10	■	↓6	↓4
→8				→11			→3		
■	→3			↓6 →4			↓23 →4		
■	■	↓6 →4			→15				■
■	↓10 →7				↓3 →7			↓30	↓17
→11			↓11 →4			↓17 →24			
→9				↓4 →11			↓16 →15		
■	■	→7			→24				■
■	■	→3			■	→17			■

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

↓24 →15	1	2	3	4	5
7					
8					
9					

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1952 का हल

■	↓15	↓24	■	■	■	■	■	■	■
→17	9	8	↓29	■	↓11	↓10	■	↓23	↓11
→22	6	7	9	→3	2	1	→17	8	9
■	→17	9	8	↓23 →12	9	3	↓16 →8	6	2
■	■	↓6 →14	5	9	→14	2	3	9	■
■	↓4 →18	3	7	8	↓4 →13	4	9	↓10	↓3
→3	1	2	↓8 →9	6	3	↓5 →7	4	1	2
→8	3	1	4	↓11 →3	1	2	↓17 →4	3	1
■	■	→12	3	9	→15	3	8	4	■
■	■	→3	1	2	■	→11	9	2	■

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 1953

1		2	■	3		4	■	5	■
	■	6			■	7	8		9
■	10		■		■	■		■	
11		■	12		13		■	14	
■	15			■		■	16		■
17		■	■	18		19	■	20	
	■	21		■	■	22		■	■
	■		■	23	24		■	■	25
■	26		27	■		■	28		
29		■		■	30			■	

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुध्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५.'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1952

सं	गी	त	■	भा	भी	■	दी	दा	र
ग्रा	■	ह	स्ती	■	गी	ता	■	स्ता	■
म	ह	ल	■	ही	रा	■	जा	न	म
■	■	का	श	■	त	मि	ल	■	न
शो	ले	■	गु	ड्डु	■	थु	■	■	मौ
र	■	शा	न	■	जा	न	की	बा	जी
■	डॉ	न	■	स	नी	■	■	द	■
क	■	दा	सी	■	दु	■	स	ल	मा
सौ	■	र	■	दु	श्म	न	■	■	चि
टी	ना	■	माँ	■	न	■	पा	र	स

सूडोकु -1953

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1952 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - 1953

1		2	3	4	■	5	6	7		8
	■	9			■	10			■	
11	12	■	■		■		■	■	13	
14		■	15		16		17	■	18	
19				■		■	20			
■	■	■	21		■	22		■	■	■
23	24			■	25	■	26		27	28
29		■	30	31		32		■	33	
34		■	■		■		■	■	35	
	■	36	37		■	38	39	40	■	
41					■	42				

बाएँ से दाएँ

1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे

1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली - 1952 का हल

सा	ल	■	ब	ला	■	य	म	■	श	र
या	■	क	ल	■	जो	श	■	जा	य	ज
■	कै	द	■	श	र	■	का	न	न	■
न	दी	■	खे	मा	■	का	त	ना	■	जा
म	■	जा	ल	■	का	य	र	■	ता	ल
■	मा	न	■	र	म	ल	■	का	ला	■
का	या	■	बी	न	ना	■	रा	म	■	सी
र	■	क	ह	र	■	शो	र	■	बा	धा
■	की	च	ड़	■	सा	ला	■	री	त	■
क	म	रा	■	ख	र	■	सी	ता	■	द
म	त	■	जी	त	■	मा	मा	■	दा	म

उत्तराखंड में एक पखवाड़े की देरी से पहुंचे प्रवासी पक्षी

एजेंसी

हरिद्वार। उत्तराखंड में सर्दियों के दौरान आने वाले विदेशी प्रवासी पक्षी इस वर्ष लगभग 15 से 18 दिन की देरी से पहुंचे हैं। पक्षी वैज्ञानिकों के अनुसार, इसका मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और लंबे मानसून के बाद नवम्बर-दिसम्बर में बारिश व बर्फबारी का न होना है। आमतौर पर रूस, मध्य एशिया, स्कैंडिनेवियाई और यूरोपीय देशों से प्रवासी पक्षी नवम्बर-दिसम्बर में हरिद्वार के नीलधारा तट सहित उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचते हैं, लेकिन इस बार उनका आगमन देर से हुआ। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पूर्व डीन व अंतर्राष्ट्रीय पक्षी वैज्ञानिक डॉ. दिनेश भट्ट के अनुसार अत्यधिक ठंड और बर्फबारी के कारण भोजन की कमी होने पर पक्षी हजारों किलोमीटर उड़कर अपेक्षाकृत गर्म क्षेत्रों में आते हैं, जहां भोजन और धूप प्रचुर मात्रा में मिलती है। वसंत ऋतु में तापमान बढ़ने पर वे फरवरी के अंत या मार्च की शुरुआत में अपने मूल स्थान लौट जाते हैं। भारत में अधिकतर प्रवासी पक्षी सेंट्रल एशियन फ्लाइवे मार्ग का उपयोग करते हैं। पिछले कुछ वर्षों से साइबेरियाई क्रेन का उत्तराखंड न आना चिंता का विषय है। इसके पीछे ग्लोबल वॉर्मिंग, प्राकृतिक आपदाएं, मानव गतिविधियों में वृद्धि और रूस-यूक्रेन संघर्ष को भी कारण माना जा रहा है। लगातार युद्ध, प्रदूषण और रेडिएशन ने पक्षियों की आवाजाही को प्रभावित किया है।

'यूपी दिवस' केवल उत्सव नहीं, प्रदेश की पहचान और सामर्थ्य का वैश्विक मंच बनेगा : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की स्थापना की स्मृति में आयोजित होने वाला उत्तर प्रदेश दिवस-2026 इस वर्ष और अधिक व्यापक, भव्य एवं वैश्विक स्वरूप में मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि 24 से 26 जनवरी तक प्रस्तावित तीन दिवसीय समारोह के अंतर्गत राजधानी लखनऊ में मुख्य आयोजन के साथ-साथ प्रदेश के सभी जनपद मुख्यालयों, देश के सभी राजभवनों तथा विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों में भी यूपी दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग पर तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के नागरिक आज देश-दुनिया के अनेक हिस्सों में अपनी पहचान बना चुके हैं। उप्र दिवस ऐसा अवसर बने, जो प्रवासी उत्तर प्रदेशवासियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े। इसके लिए सभी राजभवनों में संवाद स्थापित कर आयोजन सुनिश्चित किए जाएं। इन आयोजनों में प्रदेश सरकार के मंत्री उपस्थित रहकर प्रवासी यूपीवासियों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री ने विदेशों में भारतीय दूतावासों के माध्यम से भी यूपी दिवस आयोजन के लिए संवाद बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'यूपी दिवस' केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक चेतना, आर्थिक शक्ति और विकास यात्रा को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का माध्यम है।

टीईसी ने आईआईटी कानपुर के साथ एमओयू पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) की तकनीकी इकाई टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग सेंटर (टीईसी) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के साथ उन्नत दूरसंचार तकनीकों और वैश्विक मानकीकरण गतिविधियों में संयुक्त अध्ययन, अनुसंधान और तकनीक में शोध के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार यह सहयोग भारत-विशिष्ट मानकों और परीक्षण ढांचे के विकास पर केंद्रित होगा, जिसमें 6जी, दूरसंचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नॉन-टेरेस्ट्रियल नेटवर्क (एनटीएन), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), डिजिटल ट्विन, मेटावर्स और क्वांटम कम्युनिकेशन जैसी भविष्य की संचार तकनीकें शामिल हैं। साथ ही यह भारत की सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व को अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण निकायों जैसे आईटीयू-टी, आईटीयू-आर, 3जीपीपी और अन्य वैश्विक मंचों में बढ़ावा देगा। मंत्रालय ने बताया कि इस साझेदारी के तहत 6जी आर्किटेक्चर, 4जी और 5जी और भविष्य के नेटवर्क, एआई-सक्षम दूरसंचार प्रणाली, उन्नत एंटीना और रेडियो तकनीक, सैटेलाइट और एनटीएन, आईओटी, डिजिटल ट्विन और इमर्सिव प्लेटफॉर्म, तथा क्वांटम कम्युनिकेशन जैसे क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान और तकनीकी योगदान किया जाएगा।

मप्र के परिवहन मंत्री ने राजमार्गों से संबंधित विषयों पर गडकरी से की विस्तार से चर्चा

भोपाल। मध्य प्रदेश के परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने नई दिल्ली में प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों और परिवहन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। प्रदेश के परिवहन मंत्री उदय प्रताप अपने प्रवास के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सौजन्य मुलाकात में प्रदेश के एटीएस विहीन जिलों में वाहन स्वामियों की सुविधा को देखते हुए मैनुअल वाहन फिटनेस प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति देने का केन्द्रीय मंत्री से आग्रह किया। केन्द्रीय मंत्री गडकरी से भेंट के दौरान प्रदेश के परिवहन मंत्री सिंह ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के 01 जनवरी 2026 को जारी पत्र के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जिला परिवहन कार्यालयों में वाहनों की मैनुअल फिटनेस प्रक्रिया को समाप्त कर केवल ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) के माध्यम से ही फिटनेस परीक्षण कराए जाने का प्रावधान किया गया है।

महाराष्ट्र के बीड में आतंकी संगठनों को कथित तौर पर फंडिंग करने वाले 5 आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) की टीम ने बीड़ जिले के केज इलाके से आतंकवाद फैलाने वाले आतंकी संगठनों को कथित तौर पर फंडिंग के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले की एटीएस की टीम गहन छानबीन कर रही है।

इन आरोपितों पर फर्जी ट्रस्ट बनाकर लोगों से करोड़ों रुपये जमा करने और उस धनराशि को आतंकी संगठनों को भेजने का आरोप है। मामले की जांच कर रहे एटीएस अधिकारी ने आज मीडिया को बताया कि केज पुलिस स्टेशन की मदद से 8 जनवरी की दोपहर में गुलजार-ए-रजा नामक ट्रस्ट से जुड़े पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन पांचों ने इस ट्रस्ट के नाम पर एक्सिस बैंक सहित कई अन्य बैंकों में गलत पहचान पत्र के आधार पर खाता खोला था और इन बैंक खातों से आतंकी संगठनों को फंडिंग की थी। इन पांचों की पहचान अहमदुद्दीन कैसर काज़ी, इमरान कलीम शेख, मुज़म्मिल नूर सैयद, अहमदुद्दीन सत्तार काज़ी और तौफ़ीक जावेद काज़ी के रुप में की गई है। इन पांचों ने जिन्होंने धार्मिक काम की आड़ में जनता से करोड़ों रुपये एकत्र किए और फ़र्ज़ी कागज़ात के आधार पर बैंकों और इनकम टैक्स विभाग को चूना लगाया।

इसकी भी छानबीन की जा रही है । अब तक की जांच में पता चला है कि इस ट्रस्ट ने 4 करोड़ 73 लाख 67 हज़ार रुपये के फंड का गबन किया है। इस मामले में एटीएस ने बीड के माजलगांव रूरल पुलिस स्टेशन में आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। एटीएस अधिकारी ने बताया कि उनकी टीम जब छत्रपति संभाजी नगर में आतंकी संगठनों को आर्थिक मदद करने वाली संस्थाओं की छानबीन कर रही थीं, उसी समय गुलजार-ए-रजा संगठन शक के घेरे में आया। इस संगठन की वेबसाइट और सोशल मीडिया पर दी गई जानकारी के मुताबिक, यह संगठन धार्मिक कामों के लिए डोनेशन इकट्ठा कर रहा था। हालांकि, जब टेक्निकल जांच की गई तो चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई। इस ट्रस्ट ने एक्सिस बैंक की लातूर ब्रांच में 5 अकाउंट खोले थे। इसके लिए इसने बैंक को गुमराह करते हुए दूसरे संगठन फैजान-ए-कंजुल ईमान ऑफ वक्फ बोर्ड, अहिल्यानगर का रजिस्ट्रेशन नंबर अपना बताया।

महाराष्ट्र की राजनीति में 5 साल बाद न शिंदे रहेंगे न अजित पवारः असदुद्दीन ओवैसी

एजेंसी

धुले । महाराष्ट्र के धुले में आयोजित एक जनसभा में एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस पर तल्ख टिप्पणी की और पार्टी द्वारा लगाए गए उस आरोप का जवाब दिया, जिसमें एआईएमआईएम को भाजपा की 'बी-टीम' कहा गया। ओवैसी ने कहा कि ऐसे आरोप सच्चाई से ध्यान भटकाने की कोशिश हैं। अपने भाषण में ओवैसी ने मुंबई ट्रेन ब्लास्ट का जिक्र करते हुए कहा कि मुंबई ट्रेन धमाकों में 185 भारतीय नागरिकों की मौत हुई थी और इस मामले में 11 मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया गया। ये सभी 11 लोग करीब 19 साल तक जेल में बंद रहे। उन्होंने कहा, 'जरा सोचिए, अगर आप यहां बैठे हों और अचानक आपको फोन आए कि तुरंत आ जाइए। अब उन 11 लोगों के बारे में सोचिए, जिन्होंने अपनी जिंदगी के 19 साल सलाखों के पीछे गुजार दिए। ' ओवैसी ने महाराष्ट्र की राजनीति पर भी टिप्पणी करते हुए उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, अजित पवार अपने ही चाचा शरद पवार के सामने खड़े नहीं हो सके तो जो लोग आंख बंद करके उनका पीछा कर रहे हैं, उनका क्या होगा? असदुद्दीन ओवैसी ने दावा किया कि आने वाले पांच साल बाद जब फिर से चुनाव होंगे, तब न तो एकनाथ शिंदे रहेंगे और न ही अजित पवार। उस वक्त असदुद्दीन ओवैसी की जमात रहेगी। एआईएमआईएम प्रमुख ने संसद में अपने एक पुराने कदम का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने संसद में खड़े होकर कहा था कि कुछ कानून बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान के खिलाफ हैं और उन्होंने उस कानून की प्रति फाड़कर संसद के फर्श पर फेंक दी थी।

पुणे में सीनियर इकोलॉजिस्ट डॉ. माधव गाडगिल का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

एजेंसी

मुंबई। पुणे के वैकुंठ श्मशान घाट में सीनियर इकोलॉजिस्ट डॉ. माधव गाडगिल का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उन्हें तीन तोपों की सलामी दी गई। पर्यावरणविदों और पुणे के लोगों ने नम आंखों से उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस मौके पर डॉ. गाडगिल का परिवार, उनके छात्र और पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले प्रतिनिधि मौजूद थे। इस बीच राजनीतिक, सामाजिक और पर्यावरण क्षेत्र के कई जाने-माने लोगों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। डॉ. माधव गाडगिल का आज पुणे के एक अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। उनके बेटे सिद्धार्थ गाडगिल ने अपने पिता को श्मशान धाट में मुखाग्नि दी। इसके बाद उनका राजकीय संस्कार के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उल्लेखनीय है कि एक महीने पहले, 5 दिसंबर को, वनराई संस्था के सालाना स्पेशल इश्यू के पब्लिकेशन में उनकी स्पीच उनकी जिंदगी की आखिरी स्पीच बन गई। वनराई के एग्जीक्यूटिव एडिटर और प्रेसिडेंट रवींद्र धारिया ने कहा कि उनकी बहुत नाजुक सेहत के बावजूद, देवराय की सुरक्षा के लिए उन्होंने जो चिंता जताई और जो संदेश दिया कि अगर देवराय बचेंगे, तो इंसान बचेंगे वह आज और भी ज़्यादा मतलब वाला लगता है। सह्याद्री के जंगलों में पाई जाने वाली बांस की जावित्री और मांगा प्रजाति के बीच का अंतर पहली बार रिसर्च के ज़रिए साफ़ हुआ है। सीनियर पर्यावरणविद डॉ. माधव गाडगिल के सम्मान में बांस की जावित्री की प्रजाति का नाम 'स्यूडोऑक्सीट्रेनेंथेरा माधवी' रखा गया है। निगडी में ज्ञानप्रबोधिनी बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट में बांस की जावित्री की प्रजाति पर रिसर्च और स्टडी चल रही है। यह प्रजाति जिले के वेल्हे इलाके में भी पाई जाती है। टिशू कल्चर से तैयार इस प्रजाति के पौधे डॉ. गाडगिल को देने की इच्छा थी। हालांकि, डिपार्टमेंट की डायरेक्टर संगीता कुलकर्णी ने अफ़सोस जताया कि यह इच्छा पूरी नहीं हो पाई। उन्होंने यह भी कहा कि अब वे ये पौधे गाडगिल के परिवार को देंगी। जीव विज्ञान के लिए शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार, विक्रम साराभाई पुरस्कार, ईश्वर चंद्र विद्यासागर पुरस्कार, हार्वर्ड विश्वविद्यालय का शताब्दी पदक, कर्नाटक सरकार का राज्योत्सव पुरस्कार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता के लिए फिरोदिया पुरस्कार, उष्णकटिबंधीय जीव विज्ञान और इसके संरक्षण पर शोध कार्य के लिए एटीबीसी (एसोसिएशन फॉर ट्रॉपिकल बायोलॉजी एंड कंजर्वेशन) की मानद फेलोशिप, 2015 में दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय का टायलर पुरस्कार, समाज के 146वें स्थापना दिवस के अवसर पर पुणे प्रार्थना समाज पुरस्कार, एक लंबी भूमिका वाली पुस्तक वरुल पुराण के लिए मराठी साहित्य परिषद द्वारा विशेष पुस्तक लेखक पुरस्कार 2018, विकास-एक महानाट्य पुस्तक के लिए अखिल भारतीय मराठी प्रकाशक संघ द्वारा सर्वश्रेष्ठ पुस्तक निर्माण पुरस्कार 2020, कुसुमाग्रज प्रतिष्ठान द्वारा गोदावरी गौरव पुरस्कार 2020, विकासः एक महानाट्य पुस्तक के लिए राठी विज्ञान परिषद द्वारा विज्ञान पुस्तक पुरस्कार 2021 डॉ. माधव गाडगिल को प्राप्त हुए थे।

मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने असम के सिल्क विलेज सुआलकुची का किया भ्रमण

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने असम प्रवास के दौरान गुवाहाटी के समीप स्थित ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान के केंद्र सुआलकुची का भ्रमण किया। उन्होंने 'सिल्क विलेज' के नाम से विख्यात सुआलकुची पहुंचकर रेशम उत्पादन की प्राचीन और पारंपरिक प्रक्रिया को बेहद करीब से देखा और इस कला की बारीकियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

बुनकरों के कौशल से अभिभूत हुए मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुआलकुची में बुनकरों के घरों और कार्यशालाओं का अवलोकन किया। उन्होंने देखा कि किस तरह यहां की समृद्ध विरासत को सहेजते हुए लगभग हर घर में हाथकरघों (हैंडलूम) के माध्यम से कलाकृतियाँ उकेरी जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुनकरों से सीधे संवाद कर उनके श्रम और शिल्प कौशल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यहां की पारंपरिक बुनाई तकनीक न केवल कला का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ रीढ़ भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'बस्त्रा उद्यान' और 'आमार सुआलकुची' संग्रहालय का भी दौरा किया। संग्रहालय में प्रदर्शित हाथकरघा

'पूर्व का मैनचेस्टर' है सुआलकुचीउल्लेखनीय है कि गुवाहाटी से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित सुआलकुची को 'पूर्व का मैनचेस्टर' कहा जाता है। यह गांव अपनी विशिष्ट रेशम बुनाई तकनीकों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यहां मुख्य रूप से तीन प्रकार के रेशम मूगा (सुनहरा), पैट (हाथीदांत जैसा सफेद) और एरी (हल्का बेज) का उत्पादन किया जाता है, जो असम की मूल पहचान हैं। संग्रहालय और वस्त्र कला का अवलोकनभ्रमण के दौरान गतिविधियों और इस शिल्प के क्रमिक विकास की प्रदर्शनी ने मुख्यमंत्री को विशेष रूप से प्रभावित किया। उन्होंने यहाँ तैयार होने वाले पारंपरिक परिधानों जैसे मेखला चादर, साड़ियां, कुर्ते और गमछे की निर्माण पद्धति को भी समझा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इस भ्रमण का उद्देश्य अन्य राज्यों की श्रेष्ठ पारंपरिक कलाओं और कुटीर उद्योगों की कार्यप्रणाली को समझना और उनके अनुभवों से प्रदेश के शिल्प क्षेत्र को लाभान्वित करना है।

जम्मू-कश्मीर पर उच्च-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक, गृह मंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों को दिए चौकसी बरतने के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में जम्मू-कश्मीर पर एक उच्च-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। केन्द्रीय गृह मंत्री ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को चौकसी बरतने का निर्देश दिया और तालमेल के साथ काम करते हुए अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद हासिल हुई उपलब्धियों को बरकरार रखने और 'आतंक मुक्त जम्मू-कश्मीर' के लक्ष्य को जल्द प्राप्त करने के लिए कार्य करने को कहा। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस प्रयास में सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। बैठक में जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा, केन्द्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो (आईबी) के निदेशक, जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस

बलों (सीआपीएफ) के प्रमुख तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। गृह मंत्रालय के अनुसार केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार, जम्मू और कश्मीर में चिरस्थायी शांति स्थापित करने और आतंकवाद का पूरी तरह सफाया करने के लिए कटिबद्ध है। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराते हुए शाह ने कहा कि मोदी सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद का इकोसिस्टम ध्वस्त हो गया है। गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आतंकवादी ढांचे और आतंकवादियों की फंडिंग को टारगेट करके आतंक रोधी अभियानों को मिशन मोड में जारी रखा जाना चाहिए।

राज्यपाल को जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपित साल्ट लेक से गिरफ्तार

एजेंसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को ई-मेल के जरिए जान से मारने की धमकी देने वाले व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। राजभवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। आरोपित को गुरुवार देर रात कोलकाता के साल्ट लेक इलाके से हिरासत में लिया गया।

अधिकारी के अनुसार, आरोपित से मामले को लेकर गहन पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि धमकी के पीछे उसकी मंशा क्या थी और इसमें कोई अन्य व्यक्ति या संगठन शामिल है या नहीं। गौरतलब है कि, गुरुवार रात राज्यपाल सीवी आनंद बोस को ई-मेल के माध्यम से जान से मारने की धमकी मिली थी, जिसके बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था तत्काल कड़ी कर दी गई थी। धमकी देने वाले ने राज्यपाल को बम से उड़ाने की बात कही थी। अधिकारी ने बताया कि धमकी भरे ई-मेल में आरोपित ने अपना मोबाइल नंबर भी लिखा था, जिसके आधार

पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ लिया। धमकी मिलने के बाद राज्य पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त रूप से राजभवन की सुरक्षा की समीक्षा की और अतिरिक्त सतर्कता बरती गई। फिलहाल मामले की जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां हर पहलू से छानबीन कर रही हैं।

आई-पैक ऑफिस पर ईडी की छापेमारी पर बोले अखिलेश यादव, भाजपा की हार का पहला प्रमाण

एजेंसी

लखनऊ । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कोलकाता में आई-पैक ऑफिस और इसके निदेशक प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की गई है। इसके बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। इस छापेमारी पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी प्रतिक्रिया दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी के लिए काम करने वाली कंपनी आई-पैक के ऑफिस में हुई छापेमारी को पश्चिम बंगाल में भाजपा की हार का प्रमाण बताया है।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि भाजपा बंगाल में बुरी तरह हार रही है। यह पहला प्रमाण है।

इससे पहले सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी की आगामी विधानसभा चुनाव रणनीति, उम्मीदवारों की सूची, आंतरिक डेटा और वित्तीय दस्तावेजों को केंद्रीय जांच एजेंसी ने छापेमारी के नाम पर 'लूट' लिया है। उन्होंने कहा कि ईडी अधिकारियों द्वारा साल्ट लेक स्थित उनकी पार्टी की रणनीति के लिए काम करने वाली एजेंसी 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पैक) के कार्यालय और प्रतीक जैन

के आवास पर की गई छापेमारी और तलाशी अभियान को एक 'अपराध' के रूप में देखा जाना चाहिए, क्योंकि भाजपा बंगाल पर जबरदस्ती 'कब्जा' करना और उसे 'कुचलना' चाहती है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, 'छापेमारी के नाम पर उन्होंने हमारी पार्टी की चुनाव रणनीति चुरा ली है, जो एक अपराध है। उन्होंने हमारा डेटा, उम्मीदवारों की सूची, बूथ एजेंटों की सूची, हार्ड डिस्क, एसआईआर से संबंधित डेटा, हमारी पार्टी से जुड़े वित्तीय दस्तावेज, राजनीतिक दस्तावेज, बैंक खाते की जानकारी और आंतरिक डेटा भी लूट लिया है। उन्होंने मेरी पार्टी से संबंधित सारी जानकारी चुरा ली है। उन्होंने सब कुछ लूट लिया है। ' सीएम ममता बनर्जी ने आई-पैक के साल्ट लेक सेक्टर में मौजूद ऑफिस का उस समय दौरा किया, जब ईडी की टीम छापेमारी कर रही थी। इसके बाद उन्होंने कहा कि आई-पैक को किसी कॉर्पोरेट संस्था के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रणनीति को लागू करने में लगी हुई है, इसलिए छापे जानबूझकर मारे गए, जिनका एकमात्र उद्देश्य हमारी चुनावी रणनीति को भाजपा को सौंपना था।

आई-पैक प्रमुख प्रतीक जैन के परिवार ने ईडी के खिलाफ दर्ज कराई चोरी की शिकायत

एजेंसी

कोलकाता। राजनीतिक परामर्श संस्था इंडिया पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के प्रमुख प्रतीक जैन के परिवार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कोलकाता स्थित उनके आवास पर छापेमारी के दौरान ईडी अधिकारियों ने महत्वपूर्ण दस्तावेज चुरा लिए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रतीक जैन की पत्नी ने शेक्सपियर सरणी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि लाउडन स्ट्रीट स्थित आवास पर हुई छापेमारी के दौरान घर से आवश्यक और अहम दस्तावेज गायब हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमें ईडी के खिलाफ चोरी का औपचारिक आरोप मिला है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

प्रवासी भारतीय दिवसः पीएम मोदी बोले- भारतीय डायस्पोरा भारत और दुनिया के बीच मजबूत सेतु

एजेंसरी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रवासी भारतीय दिवस के मौके पर विदेशों में रहने वाले भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय डायस्पोरा भारत और दुनिया के बीच एक मजबूत सेतु का काम कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, 'प्रवासी भारतीय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। भारतीय डायस्पोरा भारत और दुनिया के बीच एक मजबूत सेतु बना हुआ है। वे जहां भी गए, उन्होंने वहां के समाजों को समृद्ध किया और साथ ही अपनी जड़ों से भी जुड़े रहे। मैं अक्सर कहता हूं कि हमारा डायस्पोरा हमारे राष्ट्रदूत हैं, जिन्होंने भारत की संस्कृति को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया है। हमारी सरकार ने हमारे डायस्पोरा को भारत के और करीब लाने के लिए कई कदम उठाए हैं।' प्रवासी भारतीय दिवस हर साल 9 जनवरी को मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जो भारत के विकास और दुनिया में उसकी स्थिति में भारतीय डायस्पोरा के योगदान को पहचानने और सम्मानित करने के लिए मनाया जाता

है। यह अवसर विदेशों में रहने वाले भारतीयों के साथ जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है और विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रगति को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका को स्वीकार करता है। 9 जनवरी का दिन 1915 में महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने की याद में चुना गया था। जिन्हें व्यापक रूप से सबसे महान प्रवासी माना जाता है, महात्मा गांधी ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया और देश के इतिहास को गहराई से प्रभावित किया। यह दिन भारत और विदेशों में रहने वाले उसके लोगों के बीच स्थायी बंधन का प्रतीक है। प्रवासी भारतीय दिवस कन्वेंशन की शुरुआत सबसे पहले 2003 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में हुई थी। इसे विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय से जुड़ने और उन्हें पहचानने और भारत के साथ उनके जुड़ाव को मजबूत करने के लिए एक औपचारिक तरीके के रूप में शुरू किया गया था। प्रवासी भारतीय दिवस विदेश मंत्रालय (एमईए) का मुख्य कार्यक्रम है और इसे देश के अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है। यह भारत की क्षेत्रीय विविधता, विकास और सांस्कृतिक विरासत को दिखाता है। साथ ही, विदेशों में रहने वाले भारतीयों को देश के साथ सीधे जुड़ने का मौका देता है। 2015 से विदेश मंत्रालय ने इस कार्यक्रम के फॉर्मेट में बदलाव किया है और प्रवासी भारतीय दिवस कन्वेंशन को दो साल में एक बार होने वाली सभा के रूप में आयोजित किया है, जिसमें बीच के सालों में थीम-आधारित कॉन्फ्रेंस होती हैं। यह तरीका खास रुचि वाले क्षेत्रों पर ज्यादा फोकस वाली चर्चाओं को संभव बनाता है और दुनिया भर में फैले भारतीय समुदाय के सदस्यों के बीच सार्थक बातचीत और नेटवर्किंग को बढ़ावा देता है। प्रवासी भारतीय दिवस का मुख्य उद्देश्य भारत के विकास में विदेशों में रहने वाले भारतीयों के योगदान को पहचानना और विदेशों में भारत के बारे में समझ बढ़ाना है।

आईजीएनसीए में आवाज़ों के जुगनूः द वॉइस मास्टर्स ऑफ़ इंडिया' पुस्तक का लोकार्पण

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) में आवाज़ों के जुगनूः द वॉइस मास्टर्स ऑफ़ इंडिया' पुस्तक का लोकार्पण किया गया। आईजीएनसीए की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि वर्षों के निरंतर प्रयासों के बाद, यह संग्रह किताब और ऑडियो, दोनों फॉर्मेट में जारी किया गया है। इस अवसर पर ब्रॉडकास्टर और वॉइस एक्टर हरीश भिमानी ने कहा कि यह पुस्तक सिर्फ अक्षरों का संग्रह नहीं है, बल्कि उस 'अदृश्य प्राण तत्व' को पकड़ने का प्रयास है जो सामूहिक स्मृति में गूंज रहा है। उन्होंने कहा कि जब शब्द मौन हो जाते हैं, तब भी उसके स्वर शिल्प में सभ्यता की गूंज जीवित रहती है।

आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि आज के डिजिटल युग के बच्चों को हर चीज़ परोस कर मिल रही है, जिससे उनकी सोचने की शक्ति और रचनात्मकता कम हो रही है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अगली पीढ़ी की क्रिएटिविटी को नष्ट करने वाला बताया।

ब्रॉडकास्टर और वॉइस एक्टर शम्मी नारंग ने कहा कि जब किसी से मिले, तब स्पष्ट और अच्छा बोलने का प्रयास करें। विशेष अतिथि वॉइस एक्टर सोनल कौशल ने कहा कि आवाज़ केवल ध्वनि नहीं है, बल्कि संस्कृति, परंपरा और स्मृति है। उनका मानना है कि आवाज़ तब तक जीवित रहती है जब तक उसमें सच्चाई होती है। आईजीएनसीए के मुताबिक, इस पुस्तक में ऑल इंडिया रेडियो, एफएम चैनल, वॉइसओवर इंडस्ट्री, ब्रॉडकास्टिंग और मंचीय कविता परम्परा से जुड़े 31 लोगों की यात्रा के बारे में बताया गया है। यह पुस्तक रेडियो और आवाज पर आधारित नरेशन की उस परंपरा को दर्शाती है जिसने दर्शकों के साथ एक गहरा भावनात्मक रिश्ता बनाया है। इस पुस्तक की संयोजन एवं संकलनकर्ता डॉ. शेफाली चतुर्वेदी हैं। वक्ताओं ने डिजिटल युग में भी वॉइस-ओवर कला को एक ज़रूरी और प्रासंगिक सांस्कृतिक माध्यम बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ब्रॉडकास्टर और वॉइस एक्टर हरीश भिमानी, विशिष्ट अतिथि ब्रॉडकास्टर और वॉइस एक्टर शम्मी नारंग और विशेष अतिथि वॉइस एक्टर सोनल कौशल और आकाशवाणी के पहले न्यूज रीडर राजेन्द्र चुघ सहित अन्य गणमान्य जन मौजूद रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने की और स्वागत वक्तव्य आईजीएनसीए के मीडिया नियंत्रक अनुराग पुनेठा ने दिया।

गायकवाड़ लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत वाले बल्लेबाज बने, ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज को पीछे छोड़ा

जयपुर (राजस्थान) (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ऋतुराज गायकवाड़ ने लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत वाले बल्लेबाज बनकर इतिहास रच दिया है। कुछ ही दिन पहले उन्हें न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम से बाहर कर दिया गया था। उनका शानदार औसत 58.83 ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज माइकल बेवन के 57.86 से ज्यादा है जिससे वह औसत के हिसाब से लिस्ट ए क्रिकेट में टॉप रैंक वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने यह उपलब्धि गुरुवार को चल रही विजय हजारे ट्रॉफी (VHT) में गोवा के खिलाफ हासिल की, जब उन्होंने जयपुर में महाराष्ट्र के लिए 131 गेंदों पर नाबाद 134 रन बनाए। गायकवाड़ ने लिस्ट ए क्रिकेट में 102.20 के शानदार स्ट्राइक रेट से 5,060 रन बनाए हैं। गायकवाड़ ने 20 लिस्ट ए शतक और 5000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बनकर भी इतिहास रचा, उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 99 पारियों में हासिल की।

न्यूजीलैंड वनडे टीम से बाहर किए जाने के बाद गायकवाड़ ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला वनडे शतक बनाया था, ने इस सीजन का अपना दूसरा शतक लगाया और टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा शतकों के लिए अंकित बावने के रिकॉर्ड की बराबरी की, दोनों के 15-15 शतक हैं। जहां बावने के शतक 101 मैचों में आए हैं। वहीं गायकवाड़ ने वहां तक पहुंचने के लिए सिर्फ 59 मैच लिए। गायकवाड़ की निरंतरता न सिर्फ उनके शतकों में बल्कि सभी फॉर्मेट में उनके आंकड़ों में भी दिखती है। गायकवाड़ ने 59 VHT मैचों में 65.41 के शानदार औसत और 105.00 के स्ट्राइक रेट से 3336 रन बनाए हैं।

गायकवाड़ की 131 गेंदों में 134* रनों की जुझारू पारी जिसमें 8 चौके और 6 छक्के शामिल थे, ने महाराष्ट्र को 249/7 तक पहुंचाया जिसमें विक्की ओत्सवाल (82 गेंदों में 53 रन, दो चौके और दो छक्के) ने एक महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाया। गोवा के रन चेज़ में ललित यादव ने 67 गेंदों में नाबाद 57* रन बनाकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिसमें 5 चौके और एक छक्का शामिल था, लेकिन वे 5 रन से पीछे रह गए और प्रशांत सोलंकी (4/56) की शानदार चार विकेट की बदौलत उन्हें 244/9 पर रोक दिया गया।

अकाने यामागुची रिटायर, पीवी सिंधु 13 महीनों में अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंचीं

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शुक्रवार को हराकर सुपर 1000 इवेंट मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु को तीसरी सीड जापान की अकाने यामागुची के रिटायर होने से सेमीफाइनल में प्रवेश मिल गया। यामागुची पहला गेम 21-11 से हारने के बाद मैच से रिटायर हो गईं।

सिंधु एक साल से ज्यादा समय बाद अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंच गईं, जब सीज़न के पहले मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची पहले गेम के बाद चोट के कारण रिटायर हो गईं। सिंधु गुरुवार को यामागुची की हमवतन टोमोका मियाज़ाकी पर शानदार जीत के साथ क्वार्टर में पहुंची थीं, लेकिन यामागुची के खिलाफ मुकाबला इतना आसान होने की उम्मीद नहीं थी। लेकिन यामागुची अपनी पुरानी फॉर्म में नहीं दिख रही थीं, क्योंकि सिंधु ने पहले गेम के इंटरवल में 11-5 की बढ़त बना ली थी। इसके बीच में पूर्व खिलाड़ी शॉट लगाने की कोशिश में चोटिल हो गईं और उनके टखने में मोच आ गई। पहला गेम खत्म होने में थोड़ा समय लगा, सिंधु ने इसे सिर्फ 12 मिनट में 21-11 से जीत लिया। इसके खत्म होने के तुरंत बाद, यामागुची अंपायर के पास गईं और उन्हें मैच से रिटायर होने के अपने फैसले के बारे में बताया और सिंधु से हाथ मिलाया। सिंधु आखिरी बार दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल में सेमीफाइनल में पहुंची थीं, जहां उन्होंने हमवतन उन्नति हुड्डा को सीधे गेम में हराया था और फिर फाइनल में चीन की वूओ लुओ यू को आसानी से हराकर खिताब जीता था।

वह सिंधु की आखिरी जीत थी और वह मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी या छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वर्दानी में से किसी एक का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सिंधु, जो पैर की चोट के कारण बाहर थीं और अक्टूबर के बाद किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था, ने मियाजाकी पर अपनी जीत के बाद टॉप-लेवल प्रदर्शन बनाए रखने में फिटनेस के महत्व पर जोर दिया।

यूनाइटेड कप : ऑस्ट्रेलिया को हराकर पोलैंड सेमीफाइनल में पहुंचा

सिडनी (एजेंसी)। पोलैंड ने शुक्रवार रात सिडनी में क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ निर्णायक मिक्स्ड डबल्स जीतकर पिछले साल यूनाइटेड कप फाइनल में यूनाइटेड स्टेट्स से मिली हार का बदला लेने का मौका हासिल कर लिया। शाम को पहले इगा स्वियाटेक और एलेक्स डी मिनौर ने अपने-अपने देशों के लिए अलग-अलग सिंगल्स मैच जीते, जिसके बाद जान जिलिंस्की और कटारजीना कावा ने जॉन-पैट्रिक स्मिथ और स्टॉर्म हंटर को 6-4, 6-0 से हराकर पोलैंड की जीत पक्की कर दी।

लगातार चौथे साल सेमीफाइनल में पहुंचकर पोलैंड को शनिवार रात डिफेंडिंग चैंपियन यूनाइटेड स्टेट्स से भिड़ने का मौका मिलेगा, जब सिंगल्स मैच - स्वियाटेक बनाम कोको गॉफ और हुरकाज बनाम टेलर फ्रिट्ज - 2025 के फाइनल की तरह ही होंगे। पिछले साल गॉफ ने 6-4, 6-4 से जीत हासिल की थी, जबकि हुरकाज को फ्रिट्ज से तीसरे सेट के टाई-ब्रेक में दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा था।

शुक्रवार को एक नाटकीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के भारी समर्थन के सामने, डी मिनौर ने सिडनी में शुक्रवार रात अपने करियर के सबसे शानदार शुरुआती सेट प्रदर्शनों में से एक दिया, जिससे उन्होंने हुरकाज पर 6-4, 4-6 6-4 से जीत हासिल की और आखिरी यूनाइटेड कप क्वार्टर फाइनल को निर्णायक मिक्स्ड डबल्स तक पहुंचाया। वर्ल्ड नंबर 6 ने अपने पहले चार सर्विस गेम में मिले सभी नौ ब्रेक पॉइंट बचाए, जिसमें मैच के दूसरे गेम में चार शामिल थे जिससे ऑस्ट्रेलिया मैच में बना रहा, जबकि पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 इगा स्वियाटेक ने ऑस्ट्रेलियाई टीनएजर माया जॉइंट को 6-1, 6-1 से हरा दिया था।

शुभमन गिल ने नेट्स में जमकर बहाया पसीना, न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे से पूर्व किया अभ्यास

वडोदरा (गुजरात) (एजेंसी)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे से पहले नेट्स में प्रैक्टिस शुरू कर दी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज रविवार से शुरू हो रही है। पिछले महीने पैर की उंगली में चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज से बाहर होने के बाद गिल की भारतीय टीम में वापसी होगी और आखिरकार उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत की टीम से बाहर कर दिया गया था।

इंस्टाग्राम पर गिल ने वडोरा में एक प्रैक्टिस सेशन की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। पिछले कुछ महीनों में गिल चोटों से जूझ रहे हैं। पैर की उंगली में चोट लगने से पहले पिछले साल गर्दन की चोट के कारण उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से भी बाहर कर दिया गया था। उन्होंने सीरीज के बाकी मैचों में नहीं खेला जिसमें ऋषभ पंत ने भारत की कप्तानी की थी।

गिल 50 ओवर के फॉर्मेट में कीवी टीम के खिलाफ शानदार रहे हैं। उन्होंने सिर्फ 12 मैचों में 69.22 की शानदार औसत से 623 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला वनडे दोहरा शतक (208) भी बनाया था। इस बीच भारतीय मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल होने की मंजूरी मिल गई है।

इस महीने की शुरुआत में श्रेयस को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे टीम में शामिल किया गया था, जिसमें उनकी भागीदारी उनकी फिटनेस और ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी प्लीहा की चोट से उबरने के बाद बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) से मंजूरी पर निर्भर थी। श्रेयस ने चल रही विजय हजारे ट्रॉफी (VHT) में मुंबई की कप्तानी की है और अब तक दो मैच खेलने के बाद वह कीवी वनडे के लिए मजबूत दिख रहे हैं।

श्रेयस फिलहाल भारत के वनडे उप-कप्तान हैं और पिछले साल अक्टूबर में सिडनी में तीसरे वनडे के दौरान एक शानदार डाइविंग कैच लेते समय उन्हें प्लीहा में चोट लगी थी। मैच के बाद उन्हें अंदरूनी ब्लीडिंग के कारण तुरंत अस्पताल ले जाया गया और बाद में टेस्ट में पता चला कि उनकी स्प्लीन फट गई थी। इस चोट के कारण वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT) और साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू वनडे मैचों में नहीं खेल पाए।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान)*, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (WK), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल।

कलिंगा लांसर्स ने बंगाल टाइगर्स को 2-1 से हराकर हासिल किया दूसरा स्थान

चेन्नई। वेदांता कलिंगा लांसर्स ने गुरुवार को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में श्राची बंगाल टाइगर्स पर कड़े मुकाबले में 2-1 से जीत हासिल करके पुरुषों की हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी। वेदांता कलिंगा लांसर्स के लिए अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स (52') और बॉबी सिंह धामी (57') ने गोल किए, जबकि टाइगर्स के लिए एकमात्र गोल अफ्फान यूसुफ (56') ने किया। यह लांसर्स की लगातार दूसरी जीत थी, जिससे वे पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। मैच के बारे में बात करते हुए हेड कोच जे स्टेसी ने कहा, 'यह उतार-चढ़ाव वाला एक कठिन मैच था। पहला क्वार्टर हमारा था, दूसरा टाइगर्स का था, हाई-लेवल हॉकी में अक्सर ऐसा ही होता है। उसके बाद मुकाबला काफी बराबरी का था, लेकिन हमने बहुत जल्दी बहुत ज़्यादा करने की कोशिश में कुछ टर्नओवर किए।' लांसर्स ने चेन्नई लेग का अंत लगातार 2 जीत के साथ किया और अब वे 11 जनवरी को रांची में अपने अगले मैच में एचआईएल जीसी का सामना करेंगे।

तीरंदाज अंकिता की नजरें एशियाई खेलों पर लगीं

नई दिल्ली। तीरंदाज अंकिता भकत आजकल 2026 एशियाई खेलों की तैयारियों में लगी हैं। अंकिता एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हैं। इसमें वह अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ औसत स्कोर पार करना चाहती हैं। उनका मानना है कि अगर तकनीक पर पूरी पकड़ बन गई, तो वह बड़े मंच पर देश के लिए बड़ा पदक जीत सकती हैं। अंकिता ने अपनी मेहनत से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से पहचान बनाई है। पिछले साल उसने दक्षिण कोरिया में विपरीत हालातों में अभ्यास किया था। पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहने के कुछ महीनों बाद ही उन्होंने खुद को और बेहतर बनाने का फैसला लिया। अंकिता ने हाल ही में टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता कांग चेयॉन्ग और जांग मिन ही को हराया, वहीं पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट सु-ह्योन पर भी जीत दर्ज की। ऐसे में अब वह एशियाई खेलों को लेकर उत्साह से भरी हैं। अंकिता ने बहुत कम उम्र में कोलकाता के सर्कस ग्राउंड से तीरंदाजी शुरू की थी। लकड़ी के धनुष से शुरुआत कर उन्होंने टाटा आर्चरी अकादमी, जमशेदपुर तक का सफर तय किया। 2016 में पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली और तब से अब तक वह कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। 2023 एशियन गेम्स में टीम ब्रॉन्ज भी उनके खाते में है। पेरिस ओलंपिक में हालांकि कुछ निर्णायक तीर निशाने से रह गये थे जिससे वह असफल रहीं। अंकिता का साफ कहना है कि हर खिलाड़ी से कभी-कभी गलती होती है और वह उन पलों को सीख की तरह लेती हैं। कोच के अनुसार वह अब पहले से बेहतर हुई है।

अभी हमारा ध्यान टी20 नहीं एकदिवसीय सीरीज पर : मिचेल

वडोदरा (एजेंसी)। न्यूज़ीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने कहा है अभी उनका ध्यान भारतीय टीम के खिलाफ 11 जनवरी से शुरु होने वाली एकदिवसीय सीरीज पर है। इसलिए टीम अभी उसी की तैयारी में लगी है। इसके समाप्त होने के बाद ही टीम अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप को लेकर अपनी रणनीति बनाएगी। मिचेल का मानना है कि भारतीय टीम के टी20 सीरीज में उनके बल्लेबाजों के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर वरुण चक्रवती का सामना करना आसान नहीं होगा।

इस बल्लेबाज के अनुसार अभी टीम उस सीरीज हो देख रही है जो सामने है। इसलिए अभी टी20 विश्वकप के बारे में सोचा नहीं जा सकता। मिचेल ने कहा, टी20 विश्व कप अभी एक महीने दूर है। इसलिए अभी हम केवल एकदिवसीय सीरीज में ही बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। भारतीय टीम के पास बुमराह और वरुण जैसे शानदर गेंदबाज हैं, जो हमारे लिए चुनौतियां पेश करेंगे।

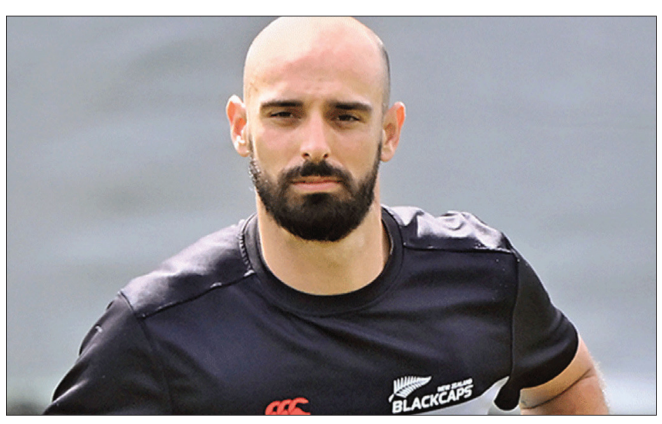

तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के बाद दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय खेल होगी। एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ उतरेगी जिससे किवी गेंदबाजों को काफी अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। ये मुकाबले टी20 वर्ल्ड कप से पहले लय हासिल करने का अवसर भी देते हैं, मिचेल ने साफ किया कि टीम इसे केवल अभ्यास नहीं, बल्कि एक अहम द्विपक्षीय सीरीज की तरह ही ले रही है। मिचेल ने भारतीय पिचों को लेकर भी अपनी बात रखी और कहा कि यहां की परिस्थितियों में ढलना विदेशी टीमों के लिए हमेशा कठिन रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि टर्न लेती पिचें कीवी बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी परेशानी होंगी। उन्होंने कहा, एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के तौर पर आपको दुनिया भर के हालातों के अनुसार अपने को ढालना होता है। भारत में खेलना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है।

उम्र बढ़ने के साथ और बेहतर खिलाड़ी हो रहा हूं : दुनिया के सबसे उम्रदराज पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी

तोक्यो। दुनिया के सबसे उम्रदराज पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी जापान के काजुयोशी मियूरा का मानना है कि बढ़ती उम्र के साथ उनका खेल और बेहतर होता जा रहा है। 'किंग काजू' के नाम से पहचाने वाले मियूरा अगले महीने 59 बरस के हो जाएंगे। उन्होंने शुक्रवार को तोक्यो में जे-लीग (जापान की घरेलू फुटबॉल लीग) की तीसरी डिवीजन क्लब फुकुशिमा यूनाइटेड एफसी से जुड़ने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं जितना ज्यादा अपने जुनून का पीछा करता हूं, वह उतना ही वह बढ़ता जाता है। भले ही मेरी उम्र बढ़ रही है लेकिन मुझे लगता है कि मेरा जोश पहले से भी ज़्यादा बढ़ रहा है।' फुकुशिमा यूनाइटेड ने मियूरा को योकोहामा एफसी से उधार (लोन पर) लिया है। वह पिछले सत्र में चौथी डिवीजन क्लब एटलेटिको सुजुका के लिए लोन पर खेले थे। इस 58 साल के खिलाड़ी ने हालांकि सुजुका के लिए खेले गए सात मैचों में कोई गोल नहीं किया था। मियूरा ने जापान के अलावा ब्राजील, इटली, क्रोएशिया, ऑस्ट्रेलिया और पुर्तगाल में पेशेवर फुटबॉल खेला है। उन्होंने 1986 में ब्राजील के प्रसिद्ध क्लब सैंटोस से अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की थी। दुनिया से सबसे महान खिलाड़ियों में शुमार पेले ने इस क्लब को विश्व प्रसिद्ध बनाया। मियूरा 2017 में, 50 वर्ष की उम्र में पेशेवर मैच में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के महान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी स्टेनली मैथ्यूज के नाम था। मियूरा जापान फुटबॉल के शुरुआती बड़े सितारों में से एक रहे हैं। 1990 के दशक में उन्होंने जापान की राष्ट्रीय टीम के लिए 89 मैचों में 55 गोल किए हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी प्रबल इच्छा है कि मैं मैच में अच्छा प्रदर्शन करूं। मैं इसके लिए पूरी तैयारी करूंगा और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दूंगा।'

श्रीलंका ने राठौड़ को बल्लेबाजी कोच बनाया

कोलंबो। श्रीलंका ने टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ को अपने साथ जोड़ा हैं। अब राठौड़ श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। राठौड़ को बल्लेबाजी कोच का खासा अनुभव है और वह राहुल द्रविड़ के कार्यकाल में भारतीय पुरुष टीम के बाजी कोच रहे थे और 2024 में टी20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थे। श्रीलंका अपना पहला मैच 8 फरवरी को आयरलैंड से खेलेगा। विश्वकप की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से कर रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार राठौड़ 15 जनवरी तक टीम से जुड़ जाएंगे। राठौड़ एक सफल प्रथम श्रेणी बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए 6 टेस्ट और 7 एकदिवसीय खेले हैं। उन्होंने बल्लेबाजी कोच के रूप में अहम भूमिका निभाई है। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीत (2020-21) और 2023 विश्व कप में भी वह भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच थे। इसके साथ ही वह घरेलू और आईपीएल टीमों के भी कोच रहे हैं।

डब्ल्यूपीएल से भारतीय खिलाड़ियों में 'विनिंग माइंडसेट' आया है : हरमनप्रीत कौर

मुंबई (एजेंसी)। भारत और मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि भारत सिर्फ एक विश्व कप जीत से संतुष्ट नहीं है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान और भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य टी20 विश्व कप 2026 है और डब्ल्यूपीएल उस लक्ष्य तक पहुंचने का एक अहम रास्ता है। दोनों ने डब्ल्यूपीएल2026 के उद्घाटन मैच से पहले बताया कि आने वाला यह सीजन किस तरह वनडे चैंपियन को टी20 विश्व कप चैंपियन बनने में मदद कर सकता है।

मंधाना ने कहा, 'अगर हम टी20 विश्व कप जीतते हैं, तो बहुत बढ़िया होगा। हमने वनडे विश्व कप जीता है, लेकिन टीम में अभी भी बहुत सी चीज़ें हैं, जिन पर हमें काम करना है। हम सच में ऐसा समय चाहते हैं, जब हम कह सकें कि 'हां हम दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम हैं।' मुझे लगता है कि हमें अभी भी बहुत सुधार करना है। मुझे पूरा भरोसा है कि डब्ल्यूपीएल इस अंतर को आने वाले सालों में कम करेगा। जब भी हम भारत के लिए खेलते हैं, हम हमेशा बात करते हैं कि हम सिर्फ एक या दो टूर्नामेंट के लिए नहीं, बल्कि पूरे साल दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम बनना चाहते हैं। मैं सोचती हूं कि हर डब्ल्यूपीएल हमें उस लक्ष्य के और करीब ले जा रहा है।'

उन्होंने कहा, 'वनडे विश्व कप जीते हुए डेढ़ महीना ही हुआ है और डब्ल्यूपीएल उसी लय को आगे बढ़ाएगा। डब्ल्यूपीएल में लौटना हमेशा रोमांचक रहता है क्योंकि घरेलू खिलाड़ी, विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं और यह अनुभव महिला क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा है। तो मुझे भरोसा है कि डब्ल्यूपीएल उस मोमेंटम को आगे ले जाएगा, जो हमें विश्व कप ने दिया और उम्मीद है कि यह हमेशा ऐसे ही चलता रहे।'

वहीं हरमनप्रीत ने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी है कि भारतीय टीम में आ रही युवा खिलाड़ी, सीनियर खिलाड़ियों के लक्ष्य से जुड़ी हुई हैं और इसका श्रेय डब्ल्यूपीएल को जाता है, जिसने 'जीतने वाली सोच' दी है। उन्होंने कहा, 'हम सिर्फ एक विश्व कप से संतुष्ट नहीं हैं। हमारे पास इस साल और अगले दो-तीन साल में बहुत क्रिकेट है। हर बार जब हम मैदान पर जाते हैं, तो हम सबसे बेहतरीन माइंडसेट के साथ जाना चाहते हैं और वही माइंडसेट हमारे लिए सबसे जरूरी है।'

भारतीय कप्तान ने कहा, 'अच्छी बात यह है कि सिर्फ हम ही नहीं, बल्कि बाकी खिलाड़ी भी यही सोचते और बोलते हैं कि हम हमेशा चैंपियन बनना चाहते हैं। इससे दिखता है कि डब्ल्यूपीएल ने हम पर कितना बड़ा असर डाला है।' हरमनप्रीत ने यह भी समझाया कि यह टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों को दबाव में खेलने के लिए कैसे तैयार करता है। अब खिलाड़ी अपने कंफ़र्ट 'ज़ोन में नहीं हैं। वे बहुत मेहनत कर रहे हैं। वे विदेशी खिलाड़ियों के साथ और ख़िलाफ़ खेल रहे हैं, तो वे उनसे बहुत कुछ सीख रहे हैं। अब वह गैप नहीं है, जो पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में महसूस होता था। मुझे लगता है डब्ल्यूपीएल ने हमारी क्रिकेट पर बहुत बड़ा असर डाला है। टीम के तौर पर हमें खुशी है कि हम बड़े लक्ष्य स्थापित कर रहे हैं।' इंग्लैंड में टी20 विश्व कप शुरू होने में छह महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में मंधाना ने बताया कि डब्ल्यूपीएल उन खिलाड़ियों के लिए मौका है जो अभी भारतीय टीम में नहीं हैं।

उन्होंने कहा, 'जब डब्ल्यूपीएल में नई प्रतिभाएं उभरकर सामने आती हैं, तो यह बहुत रोमांचक होता है। मैं कभी नहीं कहूंगी कि दरवाजे बंद हैं और यहां से किसी को कुछ नहीं मिलेगा। अगर कोई खिलाड़ी बहुत शानदार प्रदर्शन करता है, तो टी20 विश्व कप का मौका जरूर बनता है। वह (हरमनप्रीत) भी इससे सहमत होंगी। लेकिन यह भी देखना होगा कि वह खिलाड़ी कहां फिट बैठती है। लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि अगर किसी ने डब्ल्यूपीएल में अच्छा खेला तो हमेशा मौका रहता है।'

स्टोइनिस ने बाबर के आउट होने पर मनाया जश्न, सोशल मीडिया में आया वीडियो

सिडनी। मेलबर्न स्टार्स के गेंदबाज मार्कस स्टोइनिस ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक मैच में सिडनी सिक्सर्स की ओर से खेल रहे पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को 14 रनों पर ही आउट कर दिया। स्टोइनिस ने बाबर को एलबीडबल्यू करने के बाद आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इस मैच की पहली पारी में स्टोइनिस का कैच बाबर ने ही पकड़ा था। स्टोइनिस ने 33 रन बनाये थे। ऐसे में जब उन्होंने बाबर को एलबीडब्ल्यू किया तो उनकी खुशी देखते लायक थी। मानो उन्होंने बाबर से बदला पूरा कर लिया हो। अंपायर के बाबर को आउट देने के साथ ही स्टोइनिस ने आक्रामक प्रतिक्रिया दी। वहीं बाबर मायूस होकर मैदान से वापस लौटे। बाबर का बिग बैश लीग में अब तक प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने एक ही मैच में 58 रन बनाये बाकि मैचों में वह दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे। उनका स्ट्राइक रेट भी केवल 126 ही रहा। वहीं बाबर के असफल होने के बाद भी इस मुकाबले में स्टोनिस की टीम हारी। मैच में मेलबर्न स्टार्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 128 रन बनाये। वहीं सिडनी सिक्सर्स ने चार विकेट खोकर ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

सोशल मीडिया सिर्फ प्रमोशन का जरिया नहीं, समाज में सकारात्मकता फैलाने का भी प्लेटफॉर्म : अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट कर प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहती हैं। खास बात है कि वह इस प्लेटफॉर्म को केवल अपनी फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं। उनके लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां वह लोगों को प्रेरित कर सकती हैं, जागरूकता फैला सकती हैं और दूसरों की जिंदगी में खुशी ला सकती हैं। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में अदा ने सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की। अदा से जब पूछा गया कि आज के समय में वह सोशल मीडिया को कितना महत्व देती हैं तो उन्होंने बताया, " मेरे लिए सोशल मीडिया का मतलब सिर्फ फिल्मों या प्रोजेक्ट्स का प्रमोशन नहीं है। यह एक एक ऐसी जगह है, जहां कई सकारात्मक काम किए जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, मैं हाथियों के कल्याण के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर्स के साथ मिलकर काम करती हूं।" अदा ने सोशल मीडिया के महत्व पर एक उदाहरण देते हुए बताया, "हाथी बाहर से बहुत बड़े और मजबूत लगते हैं, लेकिन जब इंसान उन्हें कैद में रखते हैं, जैसे सर्कस में, तो उनकी हालत बहुत बुरी हो जाती है। सर्कस में हाथियों की पीठ पर भारी वजन रखा जाता है, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी टूट जाती है। उन्हें पीटा जाता है और वे दर्द में भी चुप रहते हैं क्योंकि बोल नहीं सकते। मैंने कई वीडियो पोस्ट किए, जिसे देखकर कई लोगों ने बताया कि उन्हें पहले नहीं पता था कि हाथी की सवारी करना गलत है। सर्कस में हाथियों की स्थिति देखकर दिल टूट जाता है। इतने बड़े जानवर को इंसान घुटनों के बल ला देते हैं। मैं सोशल मीडिया के जरिए ऐसी चीजों को उजागर करती हूं।" उन्होंने बताया, " इसके अलावा, मैं स्ट्रीट डॉग्स के एडॉप्शन को बढ़ावा देने और प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने की भी अपील सोशल मीडिया के जरिए करती हूं। इसके परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। मैं शाकाहारी हूं और अपने नाश्ते या खाने की तस्वीरें डालती हूं, सच बताऊं तो इससे कई लोग प्रेरित होकर शाकाहारी बन चुके हैं। शाकाहारी भोजन में भी भरपूर प्रोटीन होता है। इससे मांसपेशियां, ताकत, स्टैमिना, सुंदरता, अच्छी त्वचा और बाल सब कुछ मिल सकता है। लोग गलत समझते हैं कि मजबूत बनने के लिए केवल मांसाहार जरूरी है।" इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 10 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसलिए अदा मानती हैं कि उन्हें भी कुछ वापस देना चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए वह यही करती हैं। अदा ने बताया, "आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई तनाव में है। अगर एक वीडियो या पोस्ट से किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाए या किसी का दिन अच्छा बन जाए, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

परख मदन के लिए मुश्किल था लंबी बीमारी के बाद काम पर लौटना

बताया मुख्य भूमिकाएं छोड़कर क्यों चुनने पड़े साइड रोल

जीटीवी के पॉपुलर सीरियल 'भाग्य लक्ष्मी' में आंचल के रोल से सबका दिल जीतने वाली परख मदन दो दशकों से अधिक से टीवी पर सक्रिय हैं। अभिनेत्री ने टीवी जगत में आए बदलाव और अपने करियर के बारे में आईएएनएस से खुलकर बात की है। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि बीमारी के बाद वापस टीवी जगत में लौट पाना कितना चुनौतीपूर्ण रहा था। सवालः आपने अपने साक्षात्कारों में अक्सर कहा है कि आपने टेलीविजन उद्योग में एक बड़ा बदलाव देखा है। जब आपने शुरूआत की थी, तब की तुलना में आज का टेलीविजन कितना बदल गया है? जवाबः जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे अपने सफर की शुरूआत किए लगभग दो दशक हो चुके हैं। यह सफर हमेशा निरंतर नहीं रहा। ऐसे दौर भी आए जब मैं बहुत सक्रिय थी और ऐसे समय भी आए जब मैंने कुछ समय के लिए काम से ब्रेक लिया। हालांकि, उद्योग में बहुत बड़ा बदलाव आया है। पहले टेलीविजन में, प्रोडक्शन हाउस उतने संगठित नहीं थे जितने आज हैं। आज हम जो सिस्टम, विभागों के बीच समन्वय, निर्धारित भूमिकाएं और पेशेवर रवैया देखते हैं, वे उस समय मौजूद नहीं थे। मेरे विचार से, मनोरंजन उद्योग में आए सबसे बड़े बदलावों में से एक यही है। उस समय, सीमित चैनल थे और कोई स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नहीं थे। आज, अनगिनत प्लेटफॉर्म और अवसर हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा और अवसर दोनों में वृद्धि हुई है। सवालः आपने इतने सालों में कई तरह के किरदार निभाए हैं। क्या आपके करियर में कोई ऐसा मोड़ आया जिसने एक एक्ट्रेस के रूप में आपकी सोच को बदल दिया? जवाबः हां बिल्कुल, लंबे समय तक मैंने यह ठान लिया था कि मैं केवल मुख्य भूमिकाएं ही निभाऊंगी।

'मूड रखो अच्छा, फ्रिक को कहो अलविदा', ऋतिक रोशन ने फिटनेस से मचाया धमाल

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन हमेशा से अपनी अदाकारी और फिटनेस को लेकर चर्चा में रहते हैं। वह सोशल मीडिया के जरिए फैंस से जुड़े रहते हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक बीटीएस वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने एब्स को फ्लॉन्ट करते हुए दिख रहे हैं। ऋतिक ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, "मूड रखो अच्छा, टेंशन को कहो अलविदा।" इसके अलावा, वीडियो के बैकग्राउंड में उन्होंने 1972 की फिल्म 'जवानी दीवानी' का लोकप्रिय गाना 'सामने ये कौन आया' का इस्तेमाल किया। यह गाना उस दौर का आइकॉनिक सॉन्ग है। ऋतिक रोशन इन दिनों ओटीटी डेब्यू को लेकर काफी चचाओं में हैं। वह प्रोड्यूसर के तौर पर एक थ्रिलर प्रोजेक्ट 'स्टॉर्म' लेकर आ रहे हैं। इस शो का निर्माण प्राइम वीडियो के सहयोग से हो रहा है। फैंस इस नई थ्रिलर को लेकर उत्साहित हैं। इस सीरीज को अजितपाल सिंह डायरेक्ट कर रहे हैं। अजितपाल सिंह पहले वेब सीरीज 'टब्बर' और 'फायर इन द माउंटेंस' जैसी फिल्मों को निर्देशित कर चुके हैं। इसके अलावा, ऋतिक जल्द ही 'कृष 4' में डायरेक्शन और एक्टिंग दोनों करेंगे। इस फ्रेंचाइजी की सबसे पहली फिल्म साल 2003 में 'कोई... मिल गया' आई थी। इसमें ऋतिक के साथ प्रीति जिंटा और रेखा समेत कई सितारे नजर आए। इसका निर्देशन राकेश रोशन ने किया था। फिल्म को जबरदस्त सफलता मिली। इसके बाद राकेश रोशन ने साल 2006 में फिल्म 'कृष' को रिलीज किया। इसमें ऋतिक के साथ प्रियंका चोपड़ा, नसीरुद्दीन शाह, शरत सक्सेना और मानिनी मिश्रा भी थे। इस फिल्म के भी सुपरहिट होने के बाद 2013 में 'कृष 3' रिलीज हुई। इसे भी राकेश रोशन ने ही प्रोड्यूस किया। इसमें विवेक ओबेरॉय और कंगना रनौत शामिल हुए। राकेश रोशन ने एक इंटरव्यू में 'कृष 4' की रिलीज डेट को लेकर बयान जारी किया था। उन्होंने कहा, "फिल्म पर काम तेजी के साथ चल रहा है। हम 2027 में फिल्म रिलीज की प्लानिंग कर रहे हैं।"

सामंथा की नई तेलुगु फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज, एक्शन अंदाज में दिखी

साउथ एक्ट्रेस सामंथा की आने वाली तेलुगु फिल्म 'मां इनति बंगारम' है। इस फिल्म को उनके पति और प्रोड्यूसर राज निदिमोरु ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म की निर्देशक नंदिनी रेड्डी हैं। बुधवार को सामंथा की इस फिल्म का पहला पोस्टर लुक सामने आया है। साड़ी पहने एक्शन अंदाज में दिखीं सामंथा तेलुगु फिल्म 'मां इनति बंगारम' के पोस्टर में सामंथा ने साड़ी पहनी है। उनका किरदार गुस्से में नजर आ रहा है। वह बिल्कुल एक्शन मोड में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस के इस लुक पर उनके फैंस ने भी रिएक्शन दिया और उनको सराहा है। कब रिलीज होगा फिल्म का टीजर फिल्म 'मां इनति बंगारम' के पोस्टर रिलीज के साथ ही मेकर्स ने इसके टीजर, ट्रेलर की तारीख भी शेयर की है। इस फिल्म का टीजर दर्शकों को 9 जनवरी 2026 को देखने को मिलेगा। इसके रिलीज का समय भी बताया गया है। 9 जनवरी को सुबह दस बजे फिल्म 'मां इनति बंगारम' का टीजर सामंथा के फैंस देख पाएंगे। सामंथा इस वेब सीरीज में भी आएंगी नजर 'सिटाडेल हनी बनी' और 'फैमिली मैन 2' जैसी हिट वेब सीरीज करने के बाद सामंथा एक और वेब सीरीज का हिस्सा बनी हैं। इस वेब सीरीज को भी राज निदिमोरु प्रोड्यूस कर रहे हैं। सीरीज का नाम 'रक्त ब्रह्मांड' है। यह एक एक्शन सीरीज होगी।

यश राज फिल्म्स ने 'धुरंधर' को बताया भारतीय सिनेमा के 'मील का पत्थर', भावुक हुए रणवीर

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' का बॉक्स ऑफिस पर धमाल जारी है। चाहे आम जनता हो या फिल्मी सितारे, हर कोई फिल्म की तारीफ कर रहा है। इसी कड़ी में यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर न केवल फिल्म को शानदार, बल्कि भारतीय सिनेमा के मील का पत्थर बताया। देश में 700 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी 'धुरंधर' की यश राज फिल्म्स ने खूब तारीफ की है। कंपनी ने इसे भारतीय सिनेमा का एक यादगार मील का पत्थर बताया और निर्देशक आदित्य धर तथा जियो स्टूडियोज को बधाई दी। यश राज फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, " 'धुरंधर' अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी भाषा की भारतीय फिल्म बन गई है। यह एक फिल्म नहीं है... यह भारतीय सिनेमा के मील का पत्थर है, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा।ह्व कंपनी ने आदित्य धर और जियो स्टूडियोज को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी। आदित्य धर की तारीफ करते हुए लिखा, "जहाज के कप्तान की तरह आदित्य ने अपने मकसद की साफगोई दिखाई, बिना डरे कहानी सुनाने का साहस दिखाया और बेहतरीन काम करने का पक्का इरादा रखा। इससे भारतीय सिनेमा के लिए एक नया मानक स्थापित हुआ है। फिल्म के हर कलाकार और तकनीशियन को धन्यवाद।" कंपनी ने लिखा, ह्लहमें ऐसा सिनेमा देने के लिए धन्यवाद जो हमें रचनात्मक उत्कृष्टता की खोज में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। असली धुरंधर वही लोग हैं जिन्होंने फिल्म के विचार को बड़े पर्दे पर इतने जोरदार और शानदार तरीके से प्रस्तुत किया।" इस पोस्ट पर अभिनेता रणवीर सिंह ने भावुक प्रतिक्रिया दी।

'लक्ष्मी निवास' में अपने किरदार को लेकर अक्षिता मुदगल ने कहा

इतना सरल और जमीन से जुड़ा किरदार निभाना अपने आप में खास एहसास

जी टीवी का आने वाला फैमिली ड्रामा 'लक्ष्मी निवास' टेलीविजन पर एक ऐसी कहानी लेकर आ रहा है, जो देश के मिडिल क्लास संयुक्त परिवारों की रोजमर्रा की सच्चाइयों से गहराई से जुड़ी है। सपनों, जिम्मेदारियों और साथ निभाने की भावना के बीच बुना गया यह शो उन उम्मीदों को सामने रखता है, जो बड़ी खामोशी से कई घरों की ज़िंदगी को दिशा देती हैं, खासकर अपना घर बनाने का सपना और बच्चों का भविष्य सुरक्षित देखने की चाह।इस भावनात्मक सफर में एक नई परत जोड़ते हुए 'लक्ष्मी निवास' में अक्षिता मुदगल राधिका के किरदार में नजर आएंगी, जो लक्ष्मी और श्रीनिवास की बड़ी बेटी हैं। अपने किरदार को लेकर बात करते हुए अक्षिता मुदगल कहती हैं, 'राधिका एक ऐसी लड़की है, जो अपनी ज़िंदगी अपने माता-पिता और अपने परिवार के लिए जीती है। उसे अपने भाई-बहनों से बहुत लगाव है और उसके लिए परिवार ही उसकी पूरी दुनिया है। उसके सपने भी अपने माता-पिता की खुशियों से जुड़े हुए हैं। अगर वे चाहते हैं कि वो शादी करे और खुश रहे, तो वो उनके लिए यह करने को तैयार है। यही उसकी असली मजबूती है। वो समझदार है, शांत है और टकराव के हालात में भी परिवार की अहमियत समझती है। राधिका बहुत सरल और जमीन से जुड़ी हुई है। वो असल ज़िंदगी में मुझसे काफी अलग है, लेकिन उसके किरदार की दुनिया में उतरना मुझे सच में अच्छा लग रहा है।'

बेहद अलग है जूलॉजी में कॅरियर

जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। ऐसे बहुत से लोग है, जो प्रकृति में मौजूद विभिन्न तरह के प्राणियों के बारे में गहराई से जानने की इच्छा रखते हैं। ऐसे लोग जूलॉजी में अपना करियर देख सकते हैं। जूलॉजी, जीव विज्ञान की एक शाखा है, जो मछली, सरीसृप, पक्षियों और स्तनधारियों सहित जानवरों का वैज्ञानिक अध्ययन है। यह संरचना, शरीर रचना, विशेषताओं, व्यवहार, वितरण, पोषण की विधि, शरीर विज्ञान, आनुवंशिकी और पशु प्रजातियों के विकास को शामिल करता है। जूलॉजी का अध्ययन करते समय आप समुद्री जीवों, चिड़ियाघर के जानवरों और जंगली और यहां तक कि घरेलू पालतू जानवरों सहित जानवरों के जीव विज्ञान और आनुवंशिकी का अध्ययन करते हैं। ऐसे में अगर आप भी इनके बारे में विस्तार से जानना चाहते हैं तो बतौर जूलॉजिस्ट बनकर ऐसा कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में

क्या होता है काम

एक जूलॉजिस्ट का मुख्य काम जानवरों के व्यवहार, विशिष्ट विशेषताओं और उनमें विकासवादी प्रवृत्तियों का अध्ययन करते हैं। जूलॉजिस्ट को पशु जीवविज्ञानी या वैज्ञानिक भी कहा जाता है। यह एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है और विभिन्न क्षेत्रों से संबंध रखने वाले जूलॉजिस्ट को अलग–अलग नामों से जाना जाता है। मसलन, पक्षियों के अध्ययन में विशेषज्ञता वाले जूलॉजिस्ट्स को ऑर्निथोलॉजिस्ट कहा जाता है, वहीं मछली का अध्ययन करने वाले को आइकथोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है। ठीक इसी तरह, जो जूलॉजिस्ट्स जो उभयचरों और सरीसृपों का अध्ययन करते हैं उन्हें हेरपेटोलॉजिस्ट नाम से जाना जाता है और स्तनधारियों से जुड़े लोगों को मैमलॉजिस्ट कहा जाता है। उनके कार्यक्षेत्र में जानवरों, पक्षियों, स्तनधारियों, कीड़े, मछलियों और कीड़े के पहलुओं पर रिपोर्ट तैयार करना और उन्हें विभिन्न स्थानों पर प्रबंधित करना है। जूलॉजिस्ट डीएनए पहचान सहित उच्च तकनीक के सभी प्रकार के क्षेत्र में और प्रयोगशाला में काम करते हैं, और वे जानकारी के डेटाबैंक विकसित करते हैं।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। हालांकि आप इस क्षेत्र में बैचलर की डिग्री के बाद मास्टर डिग्री या डॉक्टरेट की डिग्री भी हासिल कर सकते हैं।

व्यक्तिगत कौशल

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि जूलॉजी के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का बेहद साहसी होना जरूरी है और उनके जीवन में डर के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समर्पित, स्वतंत्र और मेहनती भी होना चाहिए। उन्हें विभिन्न लोगों के साथ काम करना आना चाहिए। चूंकि वैज्ञानिक अक्सर शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं, इसलिए उनके पास प्रभावी लिखित और मौखिक संचार क्षमताएं होनी चाहिए। वह अपना अधिकांश समय जानवरों के साथ बिताते हैं, इसलिए उन्हें जोखिम भरी परिस्थितियों में काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्हें काटने, खरोंचने आदि जैसे हमलों के लिए हरदम मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए और चोटों को सहने की क्षमता होनी चाहिए। जूलॉजी के क्षेत्र में आपको कई घंटों तक काम करना पड़ सकता है, जो वास्तव में आपके लिए थकाऊ हो सकता है।

संभावनाएं

बतौर जूलॉजिस्ट आप चिड़ियाघर, वाइल्डलाइफ सर्विस, बोटेनिकल गार्डन, कंसर्वेशन आर्गेनाइजेशन, नेशनल पार्क, यूनिवर्सिटी व लेबोरेटरीज आदि में काम कर सकते हैं। जहां चिड़ियाघर व म्यूजियम में वे बतौर एजुकेटर या क्यूरेटर अपना कॅरियर आगे बढ़ा सकते हैं। वहीं आप स्कूल या कॉलेज में टीचर्स या रिचर्सर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं अपना शोध पूरा कर लेने के बाद आप एक स्वतंत्र शोधकर्ता के रूप में भी आगे कार्य कर सकते हैं। इसी तरह एनिमल रिहैबिलिटेटर्स या बतौर कंसर्वेशनिस्ट भी आप अपना उज्जवल भविष्य देख सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आपका वेतन शिक्षा, अनुभव, कार्य की प्रकृति व स्पेशलाइजेशन के आधार पर निर्भर करता है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी आमदनी हो सकती है। शुरूआती दौर में आप 10000 से 15000 रूपए महीना आसानी से कमा सकते हैं। वहीं कुछ समय के पश्चात आपकी आमदनी 25000 रूपए प्रतिमाह या इससे अधिक भी हो सकती है। अगर कुछ वर्षों के अनुभव के पश्चात आप विदेश में काम करते हैं तो आप यकीनन लाखों में कमा सकते हैं।

लेखन के क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें लिखना बहुत पसंद होता है। लेखन की कई विधाएं हैं, इन्हीं में से एक है क्रिएटिव राइटिंग। लेखन के क्षेत्र की यह विधा बेहद कलात्मक है। इस क्षेत्र से जुड़े लोग वास्तव में रचनात्मक लेखक हैं, जिन्हें लोग उपन्यासकार, कवि, गीतकार आदि विभिन्न नामों से जानते हैं। क्रिएटिव राइटर्स के पास लेखन में जादुई शक्ति होती है और अपने काम के माध्यम से, वे पाठकों को प्रभावित कर सकते हैं और उन्हें परेशान, घृणित, मंत्रमुग्ध या खुश कर सकते हैं। आमतौर पर लोग इस काम को आसान मानते हैं, जबकि लेखन बनाना एक लंबी प्रक्रिया है जिसमें बहुत अधिक शोध और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। अगर आप भी लेखन में अपनी रूचि रखते हैं तो इस क्षेत्र में अपने कदम बढ़ा सकते हैं

क्या है क्रिएटिव राइटिंग

रचनात्मक लेखन वह लेखन है जिसमें एक लेखक का उद्देश्य गद्य और काव्य छंदों के माध्यम से अपनी भावनाओं, भावनाओं, कल्पनाशील विचारों और विचारों को व्यक्त करना है। विभिन्न तरह के लेखन जैसे उपन्यास, कविता, कहानी, नाटक, आत्मकथा, पटकथा लेखन, कॉपी लेखन आदि को रचनात्मक लेखन कहा जाता है। रचनात्मक लेखन एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें प्राकृतिक दुनिया के चित्र बनाने के लिए बहुत अधिक कल्पना, अवलोकन और एक जन्मजात क्षमता की आवश्यकता होती है। विभिन्न विषयों और शैलियों पर लेख पढ़कर एक अच्छा लेखक बन सकता हैय हर तरह से जीवन का अनुभव करना और बहुत सारे मुहावरों, लहजों और स्थानीय भावों को सीखना और सुनना। वैसे तो क्रिएटिव राइटिंग कुछ लोगों को जन्मजात उपहार में मिलती हैं, लेकिन रचनात्मक लेखन में कोर्स करके कोई भी अपने लेखन कौशल में सुधार कर सकता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है। वैसे भारत में कुछ संस्थान रचनात्मक लेखन में शार्ट टर्म कोर्स कराते हैं और इन पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकंडरी या 10+2 होनी चाहिए। इन पाठ्यक्रमों की न्यूनतम अवधि एक वर्ष है।

रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक क्रिएटिव राइटर को कल्पनाओं के आकाश में विचरने के साथ–साथ उसे कागज पर भी बेहतरीन तरीके से उतारने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर पढ़ने व नई चीजों को जानने की जिज्ञासा होनी चाहिए, ताकि वह अपने शब्दकोश को अधिक मजबूत बना सके। चूंकि इन दिनों लेखन के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जाने लगता है। इसलिए उसे कंप्यूटर का ज्ञान होना व इंटरनेट में आवश्यक सामग्री खोजने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर ऑर्ब्जवेशन स्किल्स व कम्युनिकेशन स्किल्स भी मजबूत होने चाहिए। क्योंकि जब एक लेखक अपने या दूसरों के अनुभवों के पन्ने पर उतारता है तो उसका एक अलग ही प्रभाव देखने को मिलता है। इसके अलावा ऑब्जर्वेशन के जरिए उसके लेखन में भी विविधता को आसानी से देखा जा सकता है।

संभावनाएं

क्रिएटिव राइटर्स के पास अवसरों की कोई कमी नहीं है। कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो आप अपनी रूचि के अनुसार उपन्यास से लेकर संस्मरण, कविता, गीत, साइंस फिक्शन, रोमांस, स्क्रिप्ट, नाटक, यात्रा–वृत्तांत आदि लिख सकते हैं। इसके अलावा आप पत्र–पत्रिकाओं और समाचार पत्रों आदि के लिए रिपोर्ट, साक्षात्कार, सुविधाएँ, आलोचना और समीक्षाएं लिख सकता है। इसके अलावा, रचनात्मक लेखक वेब साइटों के लिए भी कंटेंट लिख सकते हैं या प्रिंट मीडिया के लिए लेख बना सकते हैं। आप किसी एक संस्थान से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर अलग–अलग संस्थानों के लिए फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व कौशल पर निर्भर करती हैं। शुरूआती दौर में एक क्रिएटिव राइटर आठ से दस हजार रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। इसके बाद अनुभव बढ़ने के बाद आपका काम व आमदनी दोनों बढ़ती चली जाती है।

प्रमुख संस्थान

- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मीडिया स्टडीज, अहमदाबाद
- कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी

एंट्री इंटरव्यू की तरह एग्जिट इंटरव्यू भी मायने रखता है

एंट्री इंटरव्यू की तरह ही किसी कंपनी का एग्जिट इंटरव्यू भी उतना ही मायने रखता है। नौकरी छोड़ने से पहले एग्जिट इंटरव्यू भले ही मात्र एचआर संबंधी औपचारिकता लगे लेकिन इसका मतलब ये नहीं हैं कि इसके लिए आप कोई तैयारी न करें। इंटरव्यू में अपने जवाबों को तैयार रखकर आप अपने लिए भविष्य में उस कंपनी के दरवाजे हमेशा खुले रख सकेंगे। आइए जानते हैं एग्जिट इंटरव्यू के लिए कुछ जरूरी टिप्सः

सकारात्मक चीजों पर फोकस

एग्जिट इंटरव्यू के संदर्भ को समझना महत्वपूर्ण है और बिना किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाए सच बोलना जरूरी है। करियर के इस मोड़ पर आपको सकारात्मक प्रभाव बनाने के लिए सहयोगियों और प्रबंधकों की तारीफ करना चाहिए।

वापसी की इच्छा जताएं

अगर आप अच्छे टर्म के साथ अपने कार्यकाल को ऑफिस में पूरा कर रहे हैं तो इसके लिए आपको वापसी के सारे रास्ते खुल रखने की कोशिश करना चाहिए। हमेशा जुड़े रहने की इच्छा जताएं और वहां के एल्यूमिनी नेटवर्क का हिस्सा बनने को कहें।

आभार व्यक्त करें

ऑर्गनाइजेशन में अपने कार्यकाल को सहज बनाने में मदद करने वालों के प्रति आभार जताना न भूलें। यह केवल मैनेजमेंट को आपके बारे में पॉजिटिवी फील देगा।

माइक्रो पर्सपेक्टिव

अगर आपको अपने किसी साथी या वरिष्ठ प्रबंधक से संबंधित कोई बात रखने की भी है तो उसे सही तरीके से रखें। कुछ अगर कहना आवश्यक भी हो तो उसे माइक्रो पर्सपेक्टिव रखें।

कंस्ट्रक्टिव फीडबैक

आपके कार्यकाल के दौरान ऐसा समय भी रहा होगा जब वहां कलह और परेशानी का सामना करना पड़ा होगा। सुधारात्मक उपायों के साथ ईमानदार प्रतिक्रिया दें।

वकालत करने के लिए जानें बेसिक बातें

अदालतों में हम देखते हैं कि कानून के अनुसार ही एक पक्ष दूसरे पक्ष को चुनौती देता है और अदालतों में कानून के जानकार इसके भिन्न पक्षों की व्याख्या भी करते हैं। इन्हीं कानून के जानकारों को हम वकील कहते हैं और वकील बनने के लिए आपको लॉ की पढ़ाई करनी पड़ती है। इस पढ़ाई का का प्रथम चरण होता है एलएलबी का, यानी बैचलर आफ लॉ! वैसे कानून की पढ़ाई सिर्फ एक प्रोफेशन भर ही नहीं है, बल्कि यह उन तमाम जरूरतमंद लोगों को सिस्टम के साथ जोड़ने में एक अति महत्वपूर्ण कड़ी है, जो तमाम कारणों से अन्याय के शिकार होते हैं। जिन्हें पता तक नहीं होता है कि उन्हें कानून की जानकारी ना होने के कारण असीमित नुकसान उठाना पड़ा है। सच कहा जाए तो हमारे देश में ला प्रोफेशनल्स की जवाबदेही, किसी भी दूसरे प्रोफेशन से अधिक हो जाती है, क्योंकि यह कानून के शासन पर भरोसा पैदा करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।
सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके बाद आपको सीएलएटी एग्जामिनेशन देना पड़ता है, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट कहा जाता है और यह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा ऑर्गेनाइज किया जाता है। एग्जाम में आपसे लॉजिकल रीजनिंग, लीगल, एटीट्यूड, गणित, अंग्रेजी और जनरल क्वेश्चन पूछे जाते हैं। इसके बाद 5 साल के कोर्स में आप एडमिशन ले सकते हैं।
सामान्यत : पांच साल के इन्टीग्रेटेड कोर्स के एंट्रेंस हेतु 200 अंकों के क्वेश्चन पेपर के लिए डेढ़ घंटे का टाइम दिया जाता है। इसमें इंग्लिश के 30 अंक, सामान्य ज्ञान के 50 अंक, लीगल एप्टीट्यूड के 20 अंक, लीगल रीजनिंग के 20 अंक होते हैं एवं 30 अंकों का एक एस्से भी लिखना होता है।
लॉ करने के बाद आपको इंटर्नशिप का कोर्स करना होता है और इस दौरान आपको काफी कुछ ट्रेनिंग मिलती है। इंटर्नशिप के बाद आपको किसी भी राज्य के स्टेट बार काउंसिल में इनरोलमेंट के लिए अप्लाई करना होता है और उसके बाद ऑल इंडिया बार कौंसिल का एग्जामिनेशन क्लियर करने के बाद आपको प्रैक्टिस का सर्टिफिकेट मिल जाता है और इसके बाद आप वकील बन जाते हैं।
हालाँकि, ग्रेजुएशन के बाद भी आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं और तब यह मात्र 3 साल का होता है।
ग्रेजुएशन में भी आपको साधारणतया 50 परसेंट मार्क्स लाना होता है। वैसे एससी/ एसटी कटगरी स्टूडेंट्स के लिए इसमें छूट भी होती है।
लॉ की केटेगरी देखें तो मुख्यत : कॉर्पोरेट लॉ, क्रिमिनल लॉ, पेटेंट, एटर्नी, फैमिली लॉ, साइबर लॉ और बैंकिंग ला के रूप को गिनाया जा सकता है और किसी भी विषय में बाद में आप खुद को स्पेशलाइज कर सकते हैं। जैसा कि नाम के साथ ही स्पष्ट है कि पर्टिकुलर फील्ड में आप सम्बंधित क्षेत्र की विशेषज्ञता की हद तक जानकारी लेंगे।
खास बात यह भी है कि एलएलबी के बाद एलएलएम और पीएचडी जैसी विशेषज्ञता भी आप हासिल कर सकते हैं और बाद के दिनों में आप न्यायपालिका की परीक्षा देकर जज बनने की भी कोशिश कर सकते हैं।
लॉ करने के लिए देश भर के कुछ अच्छे कॉलेजों की बात करें तो नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इण्डिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद, नेशनल लॉ इन्स्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल, द वेस्ट बेंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्युरीडिकल साइंस, कोलकाता, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, डॉ.राममनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, राजीव गाँधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, पटियाला, चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लागल स्टडीज, कोच्चि का नाम मुख्य रूप से गिनाया जा सकता है। यूं अधिकांश यूनिवर्सिटीज में यह कोर्स उपलब्ध हैं और देश के तमाम जिलों में आपको ऐसे कॉलेज मिल जायेंगे, जहाँ से आप लॉ में एडमिशन लेकर कानून की समझ बढ़ा सकते हैं।
वर्तमान में इस कोर्स के स्कोप की बात करने की जरुरत नहीं है, क्योंकि ट्रेडिशनल अदालती प्रैक्टिस के अलावा कॉरपोरेट वर्ल्ड में, एनजीओ में, बैंकिंग सेक्टर में, सरकार एवं उसके संस्थानों में, स्वतंत्र पत्रकारिता (फ्रीलांस जर्नलिज्म) में, सेना तक में, लॉ फर्म्स के साथ–साथन्यायिक सेवा तक में इसका विस्तार है।

सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। हमारे देश में कानून का शासन है। हर चीज कानून के अनुसार चलती है। कानून के अनुसार ही प्रशासन चलता है, कानून के अनुसार ही अदालतों का सिस्टम चलता है।